For All Competitive Exams

Apni Pathshala
एक कदम उज्जवल भविष्य की ओर

LIVE

RNA®

By Ankit Avasthi Sir

THE HINDU
THE TIMES OF INDIA
Hindustan Times
The Indian EXPRESS

09:00Am 05 AUGUEST 2024

REAL NEWS & ANALYSIS

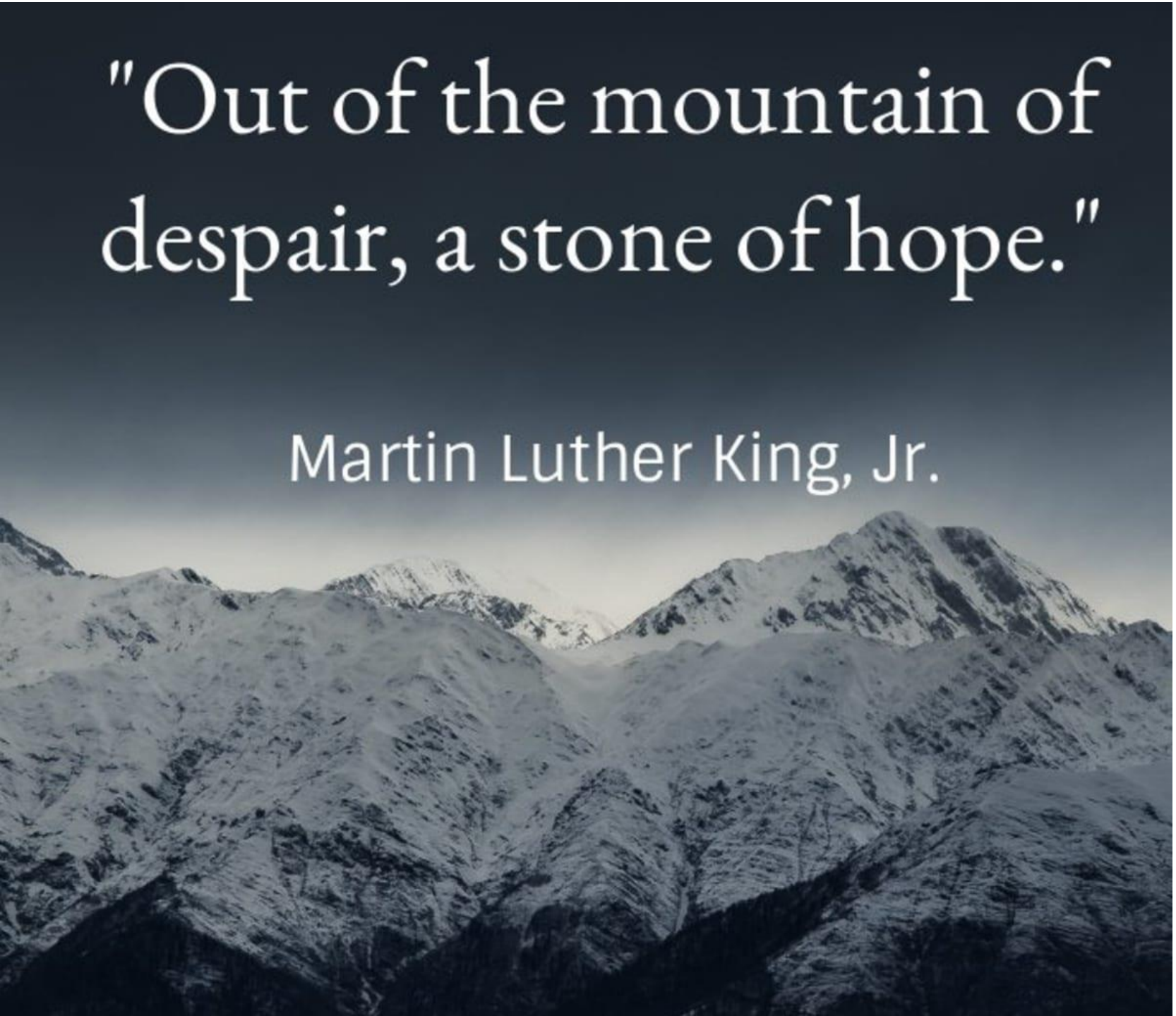
"Out of the mountain of despair, a stone of hope."
Martin Luther King, Jr.

1

TEHRAN
SYRIA
DAMASCUS
IRAN
TEL AVIV
ISRAEL

Latest | Popular | Oldest

अगले 72 घंटे में इज़राइल पर हमला करेगा ईरान! सुरक्षा में अमेरिका ने भेजे 50,000 सैनिक...by Ank...

751K views • Streamed 13 hours ago

आज LEBNAN से बदला लेगा ISRAEL !! Flights रद्द America ने जारी की Advisory...by Ankit...

410K views • 5 days ago 109 VPH 1.3x

दुनिया को गुमराह कर ISRAEL ने मा* ISMAIL HANIYEH !! Middle East में उपजा संकट..by...

853K views • Streamed 4 days ago

ISRAEL ने IRAN में घुसकर मारा HAMAS चीफ !! HAMAS की सबसे बड़ी हार...by Ankit Avasthi...

782K views • Streamed 4 days ago

अगले 72 घंटे में इज़राइल पर हमला करेगा ईरान! सुरक्षा में अमेरिका ने भेजे 50,000 सैनिक...by Ank...

751K views • Streamed 13 hours ago

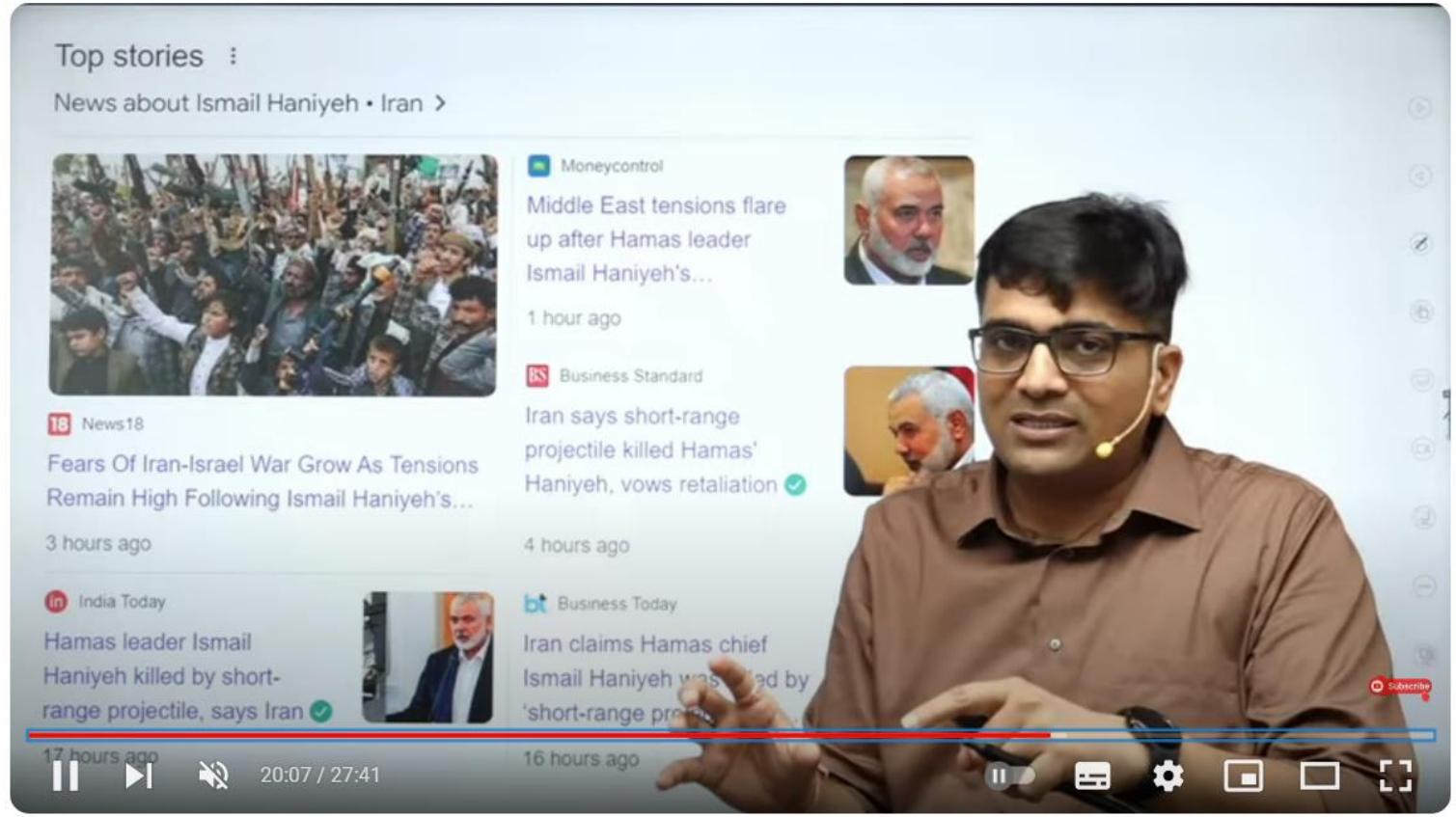

अगले 72 घंटे में इज़राइल पर हमला करेगा ईरान! सुरक्षा में अमेरिका ने भेजे 50,000 सैनिक...by Ankit Sir

Ankit Ins... 4.06M... Join Subscribed 39K Share Download

Iran may attack Israel 'as early as tomorrow'; top US general in Middle East as fear of war intensifies

It is feared that Lebanon-based Hezbollah, an Iran-backed group, could play a heavy role in any such retaliation, which in turn could spark a serious Israeli response.

MONEYCONTROL NEWS | AUGUST 04, 2024 / 17:23 IST

ईरान में हमास चीफ इस्माइल हानियेह की मौत के बाद से मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ गया है। इस बीच अमेरिकी मीडिया हाउस एक्सियोस ने दावा किया है कि अमेरिका और इजराइल के अधिकारियों के मुताबिक ईरान इजराइल पर सोमवार (5 अगस्त) को हमला कर सकता है।

ईरान के हमले से निपटने की तैयारी में इजराइल की मदद के लिए अमेरिकी सेंट्रल कमांड फोर्स के चीफ जनरल माइकल कुरेला तेल अवीव पहुंच गए हैं। वहीं खतरे को देखते हुए अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में अपने हथियारों की तैनाती बढ़ा दी है।

अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन के मुताबिक मिडिल ईस्ट में तैनात अमेरिकी सैनिकों और इजराइल की रक्षा के लिए नए फाइटर जेट्स, डिस्ट्रॉयर्स और एयरक्राफ्ट कैरियर्स भेजे जा रहे हैं। अमेरिका ने वादा किया है कि वह इजराइल की हिफाजत जरूर करेगा।

Top stories

Moneycontrol

Israel stocks plunge on global market selloff and Iran threat

14 hours ago

Bloomberg

Israel Stocks Plunge on Global Market Selloff and Iran Threat

17 hours ago

mint

Week Ahead: RBI Policy, Q1 Results, Israel-Iran conflict, global cues among key market triggers this week | Stock Market News

1 day ago

Netanyahu warns Iran: We are ready, we'll exact a heavy price for any aggression

PM tells cabinet Israel striking hard against Iranian's 'axis of evil,' is prepared for any offensive or defensive scenario; Gallant: Israel is 'prepared very strongly' for any attack

By TOI STAFF

Today, 4:36 pm | Updated at 4:49 pm

THE TIMES OF ISRAEL

Prime Minister Benjamin Netanyahu speaks from the IDF Kirya headquarters in Tel Aviv, July 31, 2024. (Screenshot)

दोनों ही देश लंबे समय से शैडो वॉर (Shadow War) कर रहे हैं. हमला करते हैं. मानते नहीं है. फिर दूसरा हमला करता है. ये हमले छोटे, घातक या कई बार ज्यादा भयानक होते आए हैं. अप्रैल से चल रही इस जंग में एक बात कॉमन है. ये लड़ाई सिर्फ इस बात की थी कि तुमने मारा तो मैं भी मारूंगा. तुमने ताकत दिखाई, इसलिए मैं भी शक्ति प्रदर्शन करूंगा.

एक वक्त था जब दोनों देश दोस्त होते थे, आज दुश्मन

1979 में ईरान में इस्लामिक रेवोल्यूशन तक इजरायल और ईरान मित्र देश थे. लेकिन इसके बाद ईरान की सरकार ने इजरायल का विरोध किया. ईरान मानता था कि इजरायल जैसे देश को होना ही नहीं चाहिए. ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खमैनी ने पहले भी इजरायल को कैंसर ट्यूमर कहा है. ये भी कहा कि इस देश को जड़ से खत्म कर देना चाहिए. पूरी तरह से बर्बाद कर देना चाहिए. इजरायल को लगता है कि ईरान के पास कई विध्वंसक हथियार हैं. वो फिलिस्तीनी आतंकी समूह हमास और लेबनानी शिया आतंकी समूह हिजबुल्लाह को पैसा, हथियार, समर्थन देता है.

जंग हुई तो कौन पड़ेगा भारी... जानिए दोनों देशों की मिलिट्री ताकत

दुनिया में ताकतवर **मिलिट्री के मामले में ईरान 14वें और इजरायल 17वें स्थान पर** हैं. ईरान की आबादी 8.75 करोड़ से ज्यादा तो इजरायल की मात्र 90 लाख से थोड़ी अधिक है. ईरान के पास मिलिट्री में काम करने लायक फिट लोगों की संख्या 4.11 करोड़ है. इजरायल के पास मात्र 31.56 लाख.

इजरायल रिजर्व फोर्स में तो ईरान सैनिकों की संख्या में आगे

ईरान के पास कुल सैनिकों की संख्या 11.80 लाख है. जबकि इजरायल के पास 6.70 लाख. ईरान के पास एक्टिव सैनिक 6.10 लाख हैं. इजरायल के पास 1.70 लाख. ईरान के पास रिजर्व सैन्य बल 3.50 लाख और इजरायल के पास 4.65 लाख. यहां इजरायल ईरान से थोड़ा आगे है. लेकिन ईरान के पास सैनिक ज्यादा हैं.

ईरान के पास 2.20 लाख पैरा-मिलिट्री है, जबकि इजरायल के पास मात्र 35 हजार सैनिक. ईरान के पास कुल 42 हजार वायुसैनिक हैं. इजरायल के पास 89 हजार. अगर थल सैनिकों की बात करें तो ईरान के पास 3.50 लाख तो इजरायल के पास 5.26 लाख. यहां भी इजरायल ईरान से आगे है. ईरान के पास कुल 18,500 नौसैनिक हैं, जबकि इजरायल के पास 19,500.

इजरायल के पास ईरान से ज्यादा फाइटर जेट

ईरान की वायुसेना के पास 551 एयरक्राफ्ट रिजर्व में हैं. जबकि, 358 एक्टिव हैं. वहीं इजरायल के पास 612 रिजर्व और 490 एक्टिव एयरक्राफ्ट हैं. ईरान के पास 186 फाइटर जेट्स हैं, जिनमें से 121 हर समय हमले के लिए तैयार रहते हैं. जबकि इजरायल के पास 241 फाइटर जेट्स हैं, जिनमें से 193 हमला के लिए रेडी रहते हैं. यानी इन मामलों में भी इजरायल ईरान से काफी आगे है.

ईरान के पास 86 ट्रांसपोर्ट विमान हैं, जिनमें से 56 एक्टिव हैं. इजरायल के पास 12 हैं, जिनमें से 10 एक्टिव सर्विस में हैं. दो स्टॉक में है. ईरान के पास 102 ट्रेनर्स हैं, इजरायल के पास 155 ट्रेनर्स एयरक्राफ्ट हैं. ईरान के पास 129 हेलिकॉप्टर्स हैं, जिनमें से 84 रेडी मोड हैं. जबकि इजरायल के पास 146 हेलिकॉप्टर्स हैं, जिनमें से 117 एक्टिव मोड में हैं. ईरान के पास 13 अटैक हेलिकॉप्टर हैं, जबकि इजरायल के पास 48.

ईरान के पास टैंक तो इजरायल के सेल्फ प्रोपेल्ड आर्टिलरी ज्यादा

ईरान के पास कुल मिलाकर 1996 टैंक हैं, जिनमें से 1397 इस समय जंग के लिए तैयार हैं. इजरायल के पास 1370 टैंक हैं, जिनमें से 1096 टैंक हमले के लिए तैयार हैं. ईरान के पास कुल 65,765 सैन्य वाहन हैं, जिनमें से 46 हजार से ज्यादा एक्टिव हैं. इजरायल के पास 43,407 सैन्य वाहन हैं, जिनमें से 34,736 एक्टिव मोड में हैं.

अगर सेल्फ-प्रोपेल्ड आर्टिलरी की बात करें तो ईरान के पास 580 हैं, जिनमें से 406 एक्टिव सर्विस में हैं. बाकी स्टकॉ में. वहीं, इजरायल के पास 650 सेल्फ-प्रोपेल्ड आर्टिलरी है, जिनमें से 540 हमला करने के लिए तैयार हैं. अगर खींचने वाली आर्टिलरी की बात करें तो ईरान के पास 2050 हैं, इजरायल के पास सिर्फ 300. ईरान के पास 775 मल्टी-लॉन्चर रॉकेट सिस्टम (MLRS) है, जबकि इजरायल के पास सिर्फ 150.

नौसेना के मामले में ईरान से काफी ज्यादा कमजोर है इजरायल

ईरान के पास कुल 101 नौसैनिक एसेट्स हैं. इजरायल के पास 67. दोनों देशों के पास कोई भी एयरक्राफ्ट कैरियर या हेलिकॉप्टर कैरियर्स नहीं हैं. न ही दोनों के पास डेस्ट्रॉयर्स हैं. ईरान के पास सात फ्रिगेट है. इजरायल के पास नहीं है. ईरान के पास तीन कॉर्वेट्स हैं, इजरायल के पास 7 कॉर्वेट्स हैं. ईरान के पास 19 सबमरीन है, इजरायल के पास 5 हैं. ईरान के पास 21 पेट्रोल वेसल है, इजरायल के पास 45 पेट्रोल वेसल हैं.

Iran’s ‘Axis of Resistance’

Fears of the Israel-Hamas war escalating have soared with concern it could extend across the Middle East under Iran’s new ‘Axis of Resistance’.

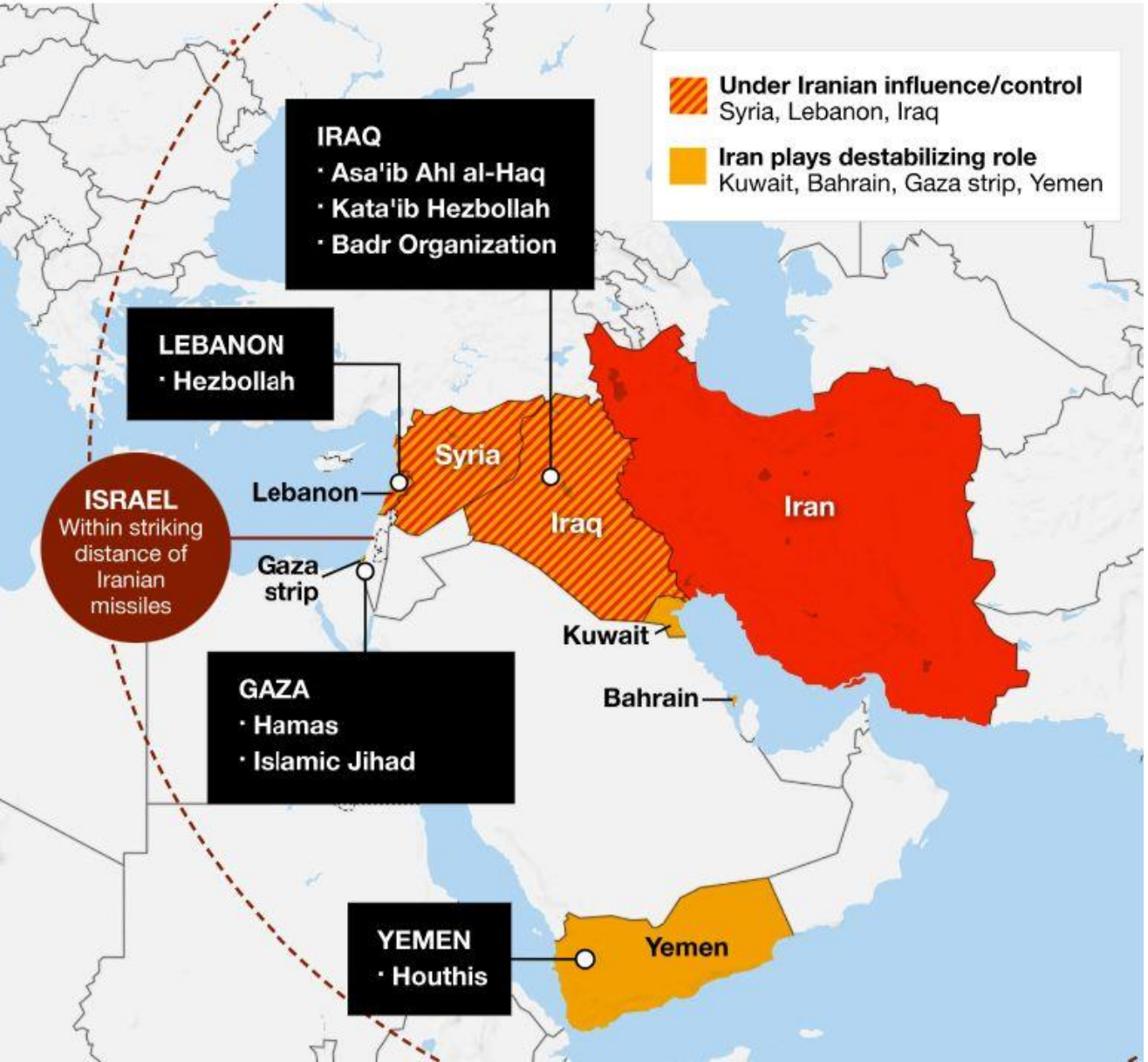

Turkey
Syria
Lebanon
Israel
Iraq
Iran
Egypt
Saudi Arabia
Yemen
Pro Iran
Pro US
Wildcard

July 29, 2024 | Flash Brief

Turkey's President Threatens Military Action Against Israel

Listen to analysis
4 min

Latest Developments

Turkish President Recep Tayyip Erdogan **threatened** military action against Israel on July 28, a day after 12 children in the Golan Heights town of Majdal Shams were **killed** by a rocket launched by the Iran-backed Lebanese terrorist group Hezbollah — which Erdogan **supports** — as they played soccer. During a televised speech at a meeting of his Justice and Development Party (AKP) in the Black Sea city of Rize, Erdogan said, "We must be very strong so that Israel can't do these ridiculous things to Palestine. Just like we entered Karabakh, just like we entered Libya, we might do similar to them."

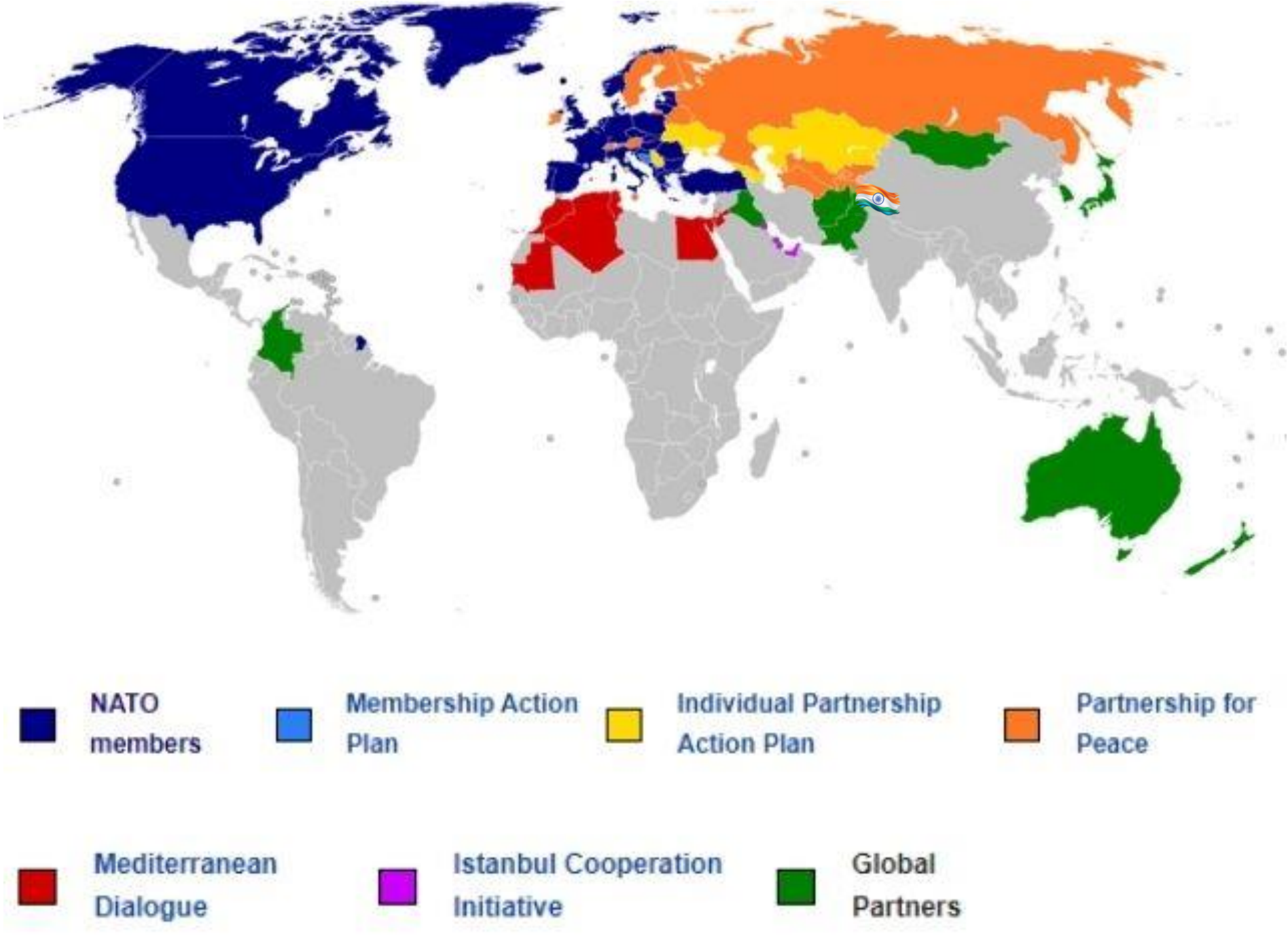
NATO members
Membership Action Plan
Individual Partnership Action Plan
Partnership for Peace
Mediterranean Dialogue
Istanbul Cooperation Initiative
Global Partners

TASS
RUSSIAN NEWS AGENCY

2 JUL, 00:26

Russian diplomat warns Israel's potential transfer of Patriots to Ukraine could backfire

Vasily Nebenzya fielded numerous questions as reporters from around the world packed full the UN press conference room

UNITED NATIONS, July 1. /TASS/. Israel's potential transfer of Patriot missile defense systems to Ukraine will have political consequences, Russia's UN envoy Vasily Nebenzya said.

"The weapons, whoever they are sent by <...> to Ukraine, will eventually be destroyed, just like other Western and US weapons. That is obvious. But I assume that this could of course have certain political consequences," he said at a news conference, when asked how this development could affect relations between Israel and Russia.

Nebenzya fielded numerous questions as reporters from around the world packed full the UN press conference room. On July 1, Russia assumed the rotating presidency of the UN Security Council for one month.

GDP OF THE G7 NATIONS

The G7 Nations make up $42.4 trillion, which is 44% of World GDP in 2021

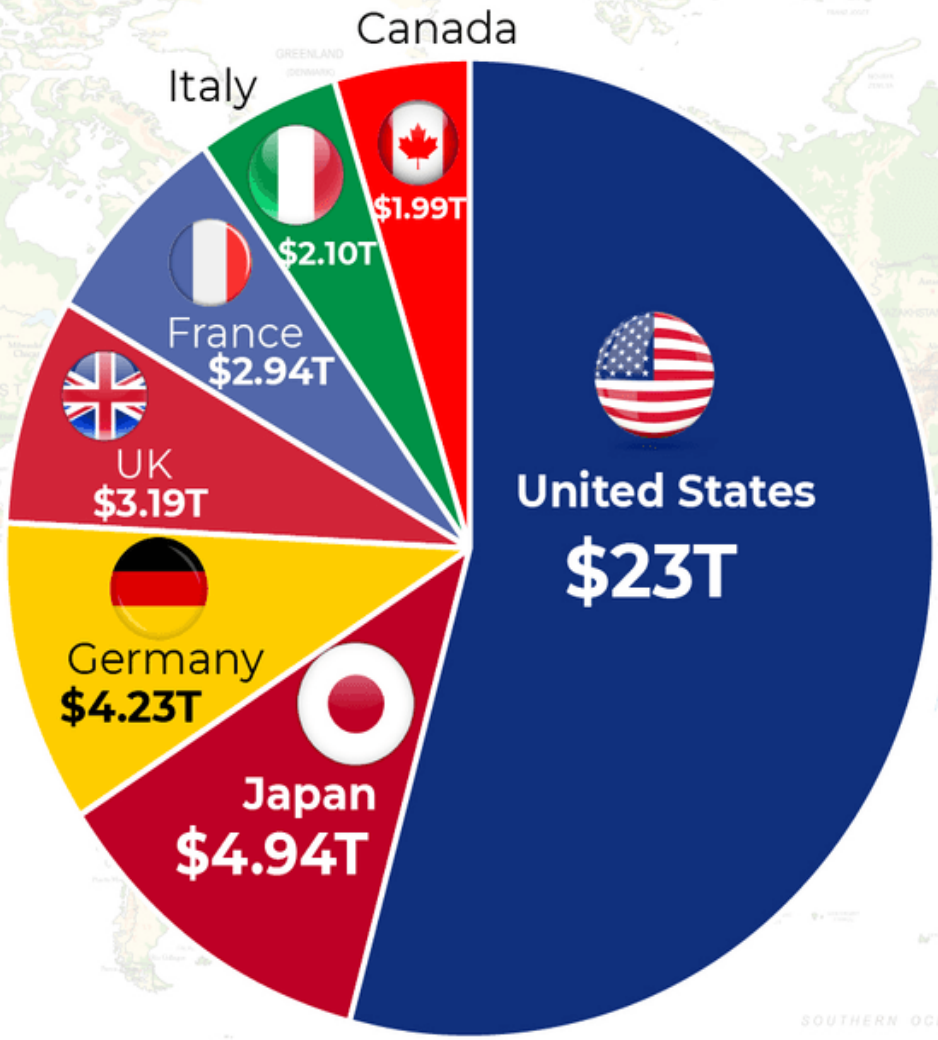

Source: IMF, April 2022

@StatiSense
www.statisense.com.ng

StatiSense

How Representative Is the G7 of the World It's Trying to Lead?

Aggregate GDP and population of G7 countries as a share of the world total in 2022*

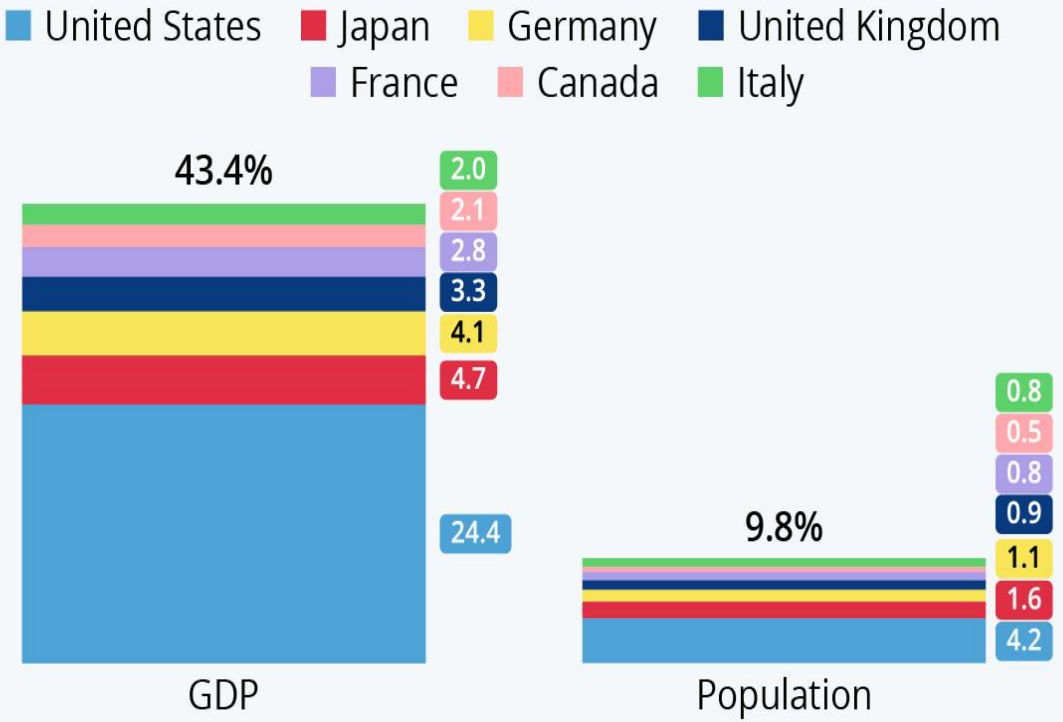

may not add up due to rounding

* excluding the EU, which is a "non-enumerated member"

Sources: IMF, UNFPA

statista

US MILITARY

US military presence around the world

The US has about **750 bases in at least 80 countries** around the world.
It has approximately **173,000 troops deployed in 159** countries.

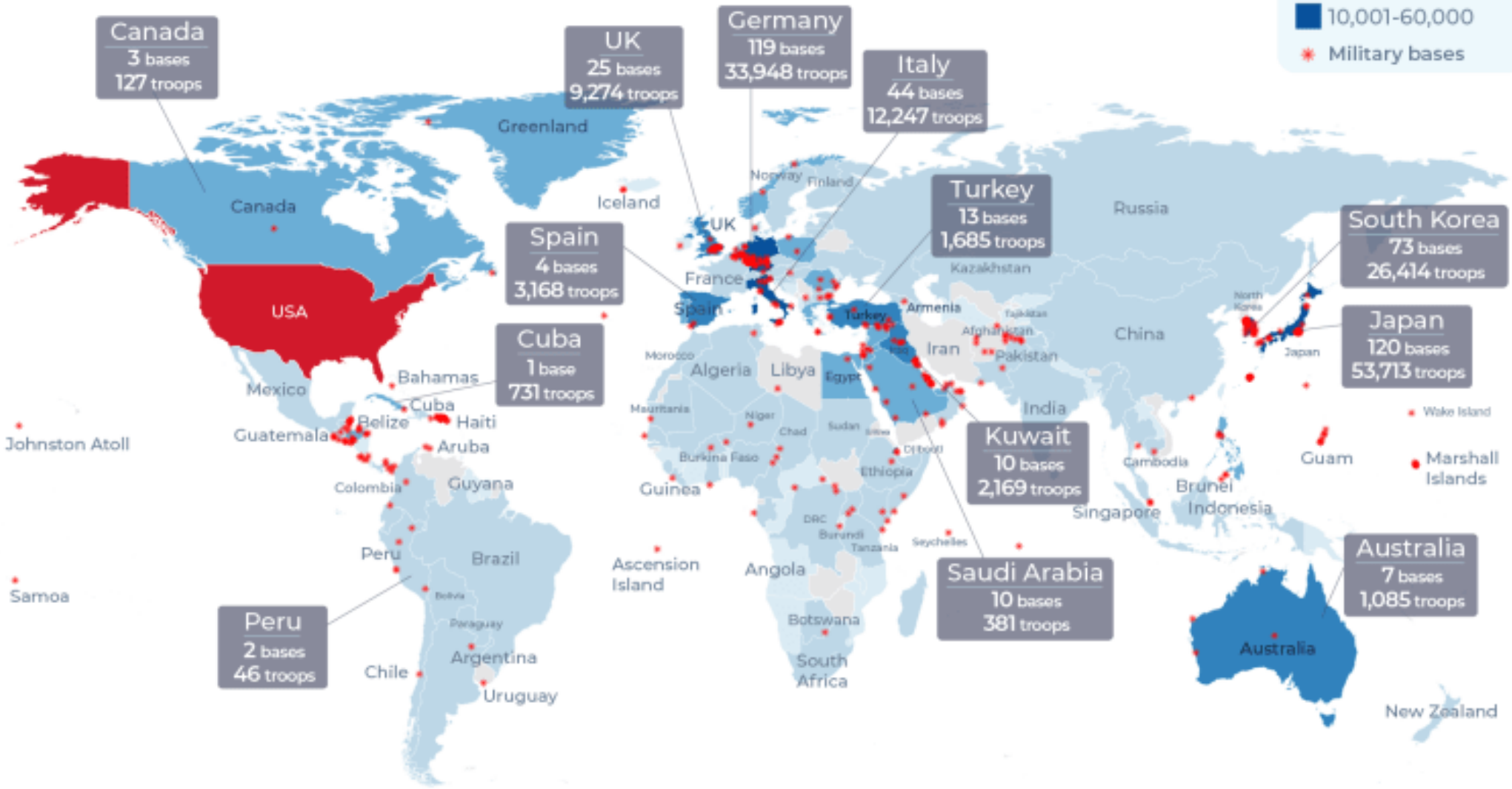

Major bases used by US forces in the Middle East

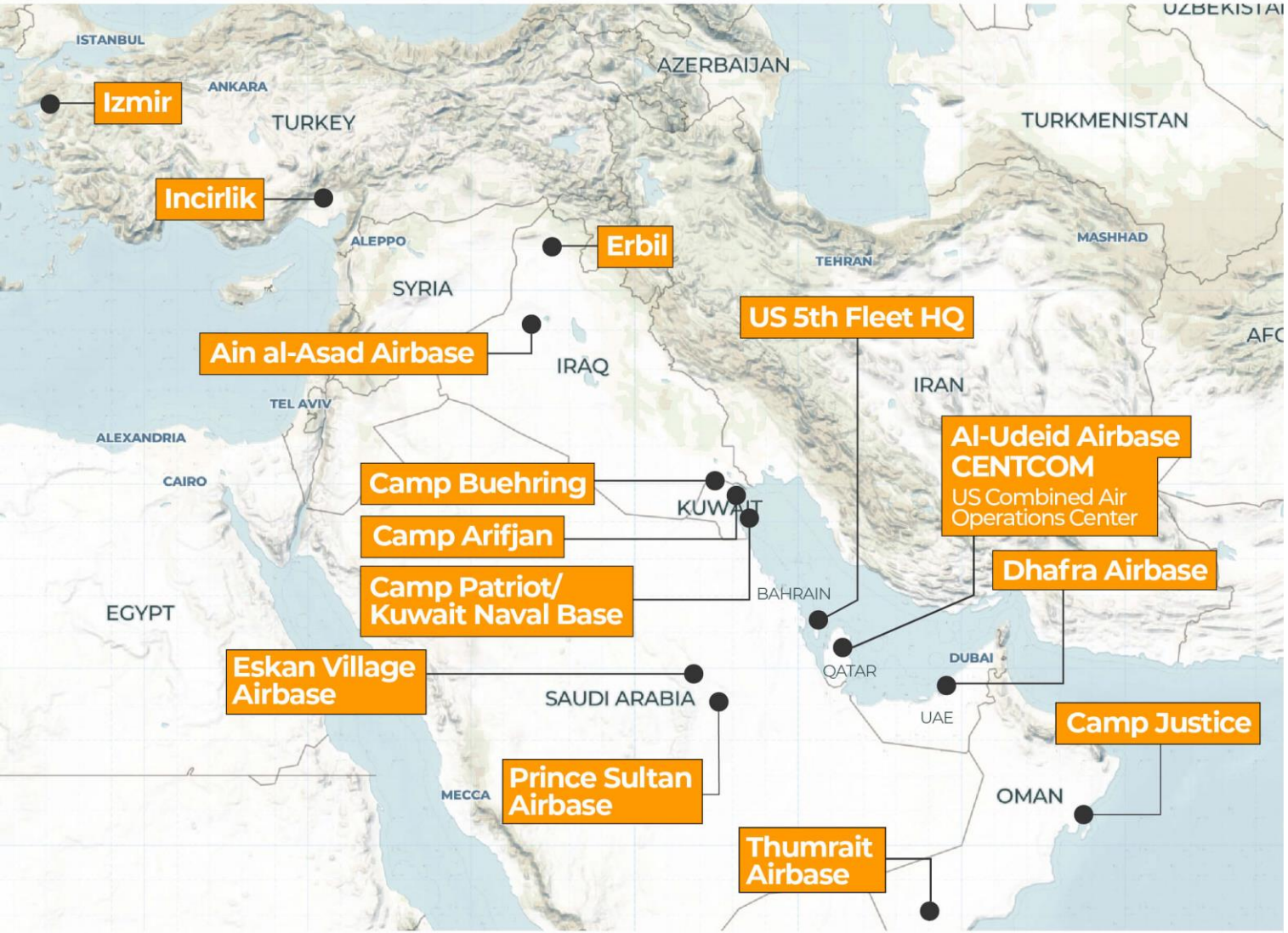

CC BY NC SA

Source: Al Jazeera, Mapbox | Last updated: Jan 13, 2020

@AJLabs

ALJAZEERA

UNIFIED COMBATANT COMMAND'S AREA OF RESPONSIBILITY

ABRAHAM LINCOLN

दुनिया में क्यों इतने खास है यहूदी? कि पूरा पश्चिम उनके समर्थन में आ गया... by Ankit Avasthi Sir

5.7M views • Streamed 9 months ago

Ankit Inspires India 4.06M subscribers

दुनिया में क्यों इतने खास है यहूदी? कि पूरा पश्चिम उनके समर्थन में आ ...

दुनिया में क्यों इतने खास है यहूदी? कि पूरा पश्चिम उनके समर्थन में आ गया... by Ankit Avasthi Sir

Ankit Ins... 4.06M... Join Subscribed 151K Share Download

5.7M views Streamed 9 months ago #AnkitSir #AnkitInspiresIndia #AnkitAvasthiSir

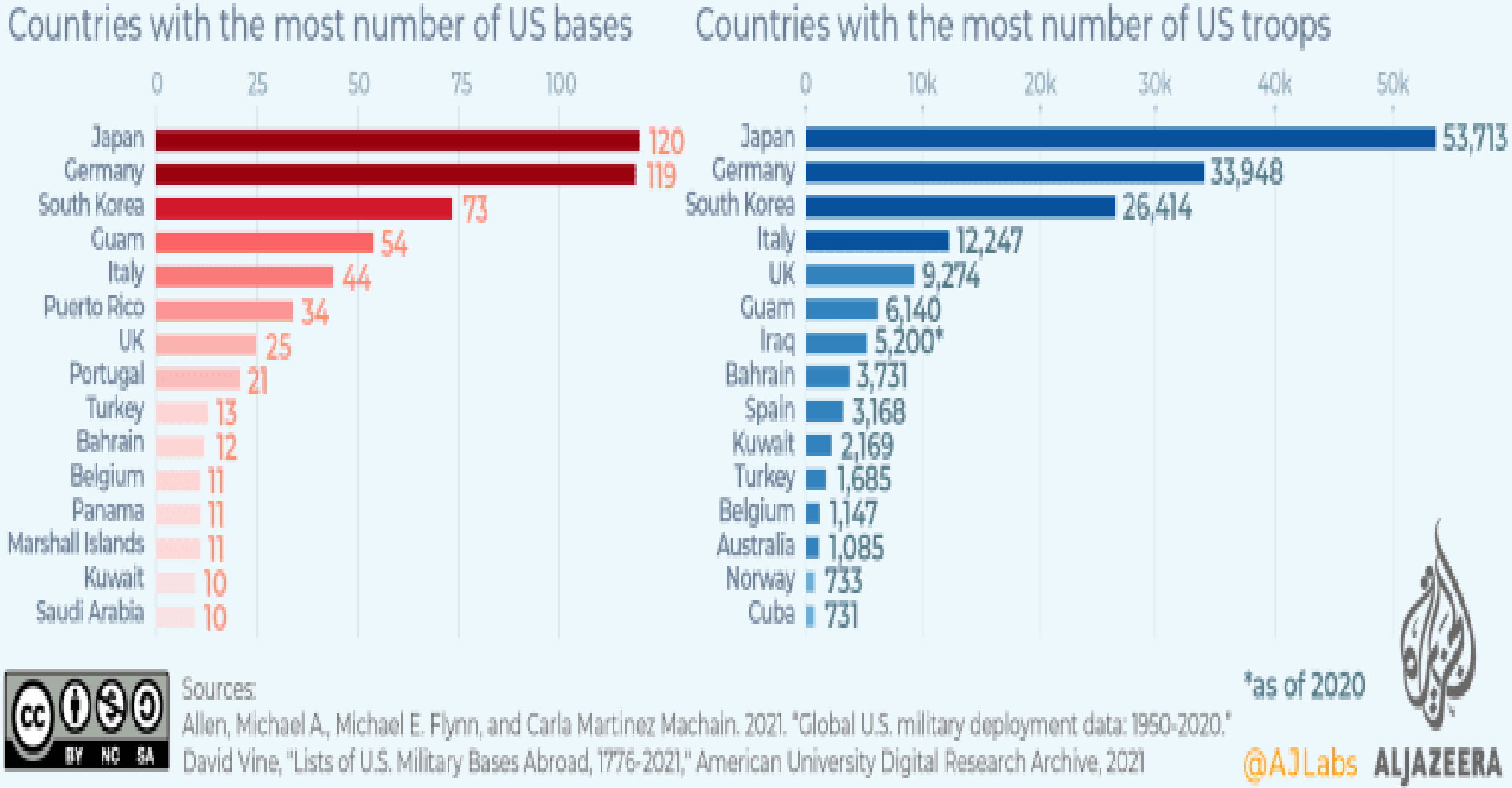

Countries with the most number of US bases

Countries with the most number of US troops

CC BY NC SA

Sources:
Allen, Michael A., Michael E. Flynn, and Carla Martinez Machain. 2021. "Global U.S. military deployment data: 1950-2020."
David Vine, "Lists of U.S. Military Bases Abroad, 1776-2021," American University Digital Research Archive, 2021

*as of 2020

@AJLabs ALJAZEERA

US to send jets and warships as Iran threatens Israel

2 days ago

Share

Graeme Baker
BBC News

Jenny Hill
BBC News

Reporting from Tel Aviv

अगले 72 घंटे में इज़राइल पर
हमला करेगा ईरान !!
AUG
04
सुरक्षा में अमेरिका ने भेजे
50,000
सैनिक
27:42
By Ankit Avasthi Sir

Middle East Crisis Highlights: Antony Blinken speaks to G7 diplomats over rising regional tensions

By HT News Desk

Aug 4, 2024 10:48 PM IST

Play & Win

Middle East Crisis Highlights: On Sunday, G7 foreign ministers meet by video conference to discuss escalation in Middle East.

US Secretary of State Antony Blinken spoke to G7's topmost diplomats after Joe Biden said he hopes Iran would step down.

Middle East Crisis Highlights: Antony Blinken, the US Secretary of State on Sunday spoke to the foreign ministers of G7 countries over video-call as tensions remain high in the Middle East days after the assassination of Hamas political chief Ismail Haniyeh in Tehran and a key commander of the Lebanese militant group Hezbollah in Beirut. The incidents led to vows of retaliation from Iran-backed groups in the region. On Sunday, Hezbollah launched dozens of Katyusha rockets at Israel, the latest in a series of attacks - in response to Israel's attacks on Kfar Kela and Deir Siriane in Lebanon.

Iran, on the other hand, said that it expects Hezbollah to “hit deeper” inside Israel and no longer be confined to military targets. According to Iran's local media, the retaliatory operations were expected to be “more diverse, more dispersed and impossible to intercept.”

In response to the escalating situation, the United States announced plans to deploy additional warships and fighter jets to the area as the Iran-aligned “Axis of Resistance” prepares to respond to the killing of Haniyeh.

वैश्विक बाजार में बिकवाली और ईरान के खतरे के कारण इजराइल के शेयरों में गिरावट

बेंचमार्क TA-35 स्टॉक इंडेक्स में 2.7% की गिरावट आई, जो एक सप्ताह में सबसे अधिक है, लेकिन स्थानीय समयानुसार दोपहर 1 बजे से कुछ पहले इसमें 2.5% की गिरावट आई। तेल अवीव स्टॉक एक्सचेंज शुक्रवार और शनिवार को बंद रहता है।

ब्लूमबर्ग | 04 अगस्त, 2024 / 18:28 IST

Hamas and Hezbollah are both designated by the US as terrorist organizations.

Israeli shares fell sharply on Sunday, catching up with weakness in world markets and reflecting the continued threat of attacks from Iran and its regional proxies.

The benchmark TA-35 stock index fell as much as 2.7%, the most in a week, before slightly paring losses to be down about 2.5% at shortly before 1 p.m. local time. The Tel Aviv Stock Exchange is closed Friday and Saturday.

"Tension from an Iranian reaction after the twin strikes in Tehran and Beirut is still in place, on top of the global market selloff" at the end of last week, said Adi Babani, head of international sales and trading at Meitav Investments Ltd. in Tel Aviv.

US stocks plunged on Friday after weak employment data sparked worries of an economic slowdown and sowed concern the Federal Reserve isn't moving quickly enough to lower interest rates.

Nova Ltd. and Camtek Ltd., which both serve the semiconductor industry, slid by 11% each, while Tower Semiconductor Ltd. and Nice Ltd. were trading at about a 5% loss.

Ronen Menachem, chief markets economist at Mizrahi Tefahot Bank Ltd., attributed the slide to both the sharp drops in the US on Friday and "tremendous security tensions" in Israel.

"The market is expected to continue to be very nervous," he said.

Sensex-Nifty Slides: इजराइल पर हमले ने सेंसेक्स-निफ्टी को दिया करारा झटका, डूब गए निवेशकों के ₹4.26 लाख करोड़

Stock Market Opening Bell: एक कारोबारी दिन पहले निफ्टी के वीकली एक्सपायरी के दिन पहली बार निफ्टी पहली बार 25 हजार के पार पहुंचकर बंद हुआ था और सेंसेक्स भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुआ था। अब आज की बात करें तो जियोपॉलिटिकल टेंशन के चलते दुनिया भर के बाजारों में तेज गिरावट है और इसके झटके से घरेलू मार्केट भी नहीं बच सका

EDITED BY: MONEYCONTROL NEWS | अपडेटेड AUG 02, 2024 पर 9:28 AM

GOOD NEWS!

NCERT
NCERT
FOUNDATION BATCH 2
शुरु होने जा रही है
WORLD MAPPING
(1-10 August)
OFFER
FEE
4999 Rs
LIMITED OFFER
REGISTRATION START
Pathshala
FOR UPSC & VARIOUS STATE PSC EXAM
BY ANKIT AVASTHI SIR

NCERT
NCERT
Pathshala
OFFER
FEE
4999 Rs
FOUNDATION BATCH
REOPEN
LIMITED OFFER
REGISTRATION START
1.SUBJECTS TO BE TAUGHT (NCERTS FROM CLASS 6TH-12TH)
2.SUBJECTS: GEOGRAPHY, POLITY, HISTORY, INDIAN ECONOMY,
3. LIVE LECTURES DELIVERED IN HINGLISH LANGUAGE BY ANKIT AVASTHI SIR.
4.SPECIAL EMPHASIS ON CONCEPTUAL CLARITY IN CLASSES.
5.ALIGNMENT WITH UPSC AND STATE PSC PATTERN:
6.UNIT WISE WEEKLY TESTS THROUGH UNIQUE WORK BOOK STYLE
BY ANKIT AVASTHI SIR
FOR UPSC & VARIOUS STATE PSC EXAM

UPPSC
RO ARO

सत्यमेव जयते

Bihar Public Service Commission

Apni Pathshala

LAUNCHING

TEST

BIHAR PSC

TEST SERIES

299/- ONE YEAR

475 POST

By Ankit Avasthi Sir

BIHAR PSC
TEST SERIES

299/- ONE YEAR

Why ?

- Exam-centric Robust Quality Content
- Increase Selection Chances by 16X
- Performance Analysis with State & All India Rank
- Most Relevant Exam Questions

By Ankit Avasthi Sir

BIHAR PSC

TEST SERIES

299/- ONE YEAR

Features

- 50+ Mock Test
- 10+ Topic wise test
- 30+ PYQ's
- 65 + Current Affairs

By Ankit Avasthi Sir

₹ PRICE

TEST

BIHAR PSC

TEST SERIES

Buy Now!

299/-

One Year

By Ankit Avasthi Sir

HOW TO BUY

Step 1

Open the website
apnipathshala.com

Step 2

Click on
Navigation Bar

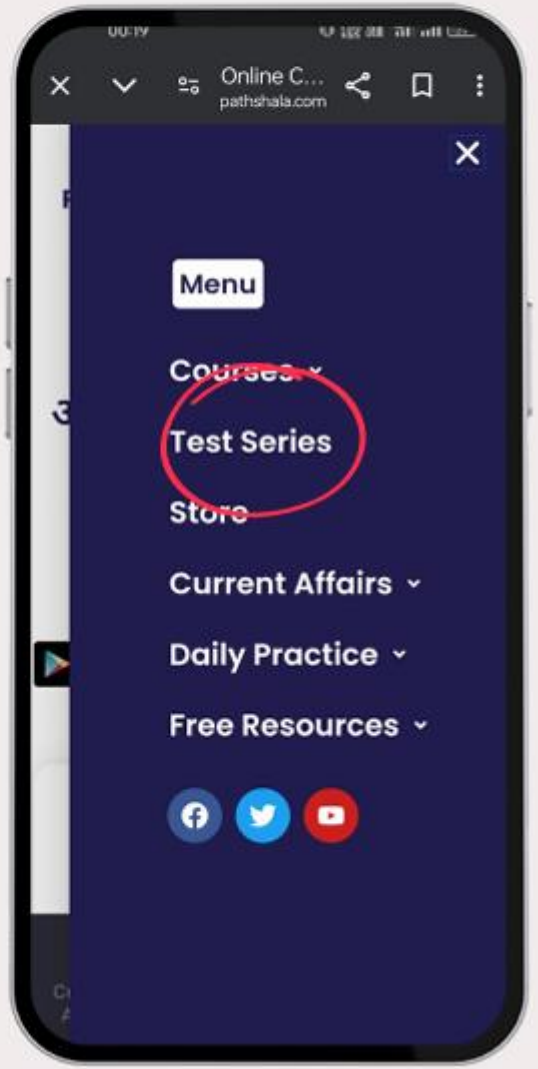

Step 3

Click on
Explore Now

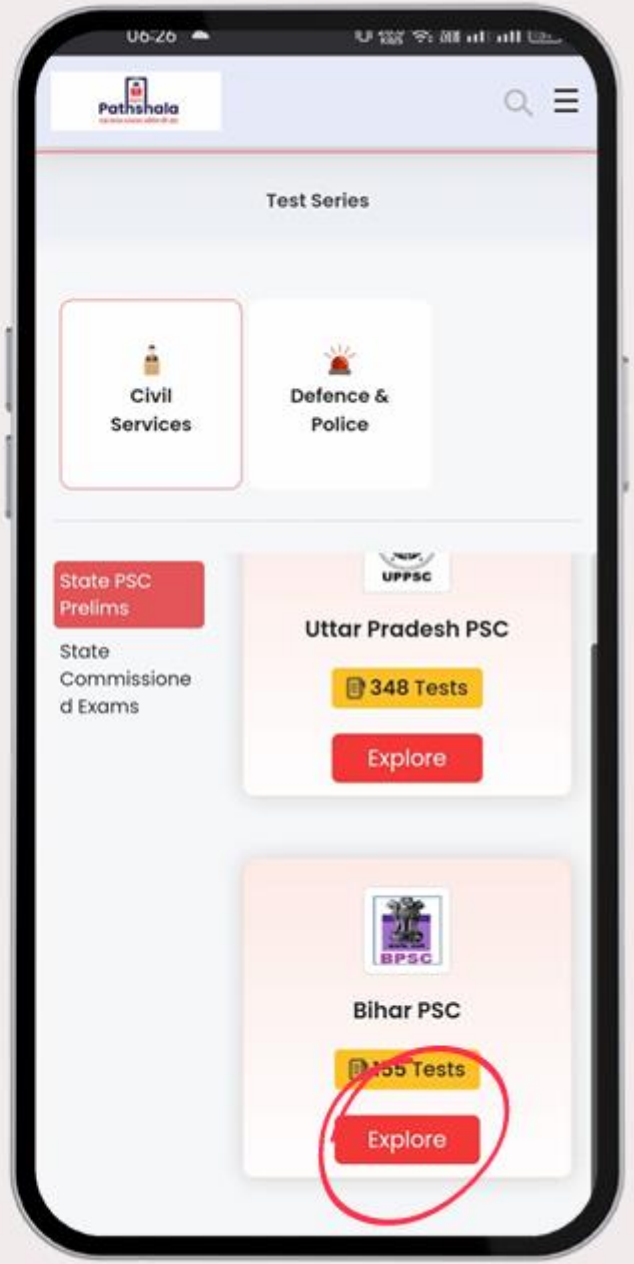

Step 4

Scroll
Down

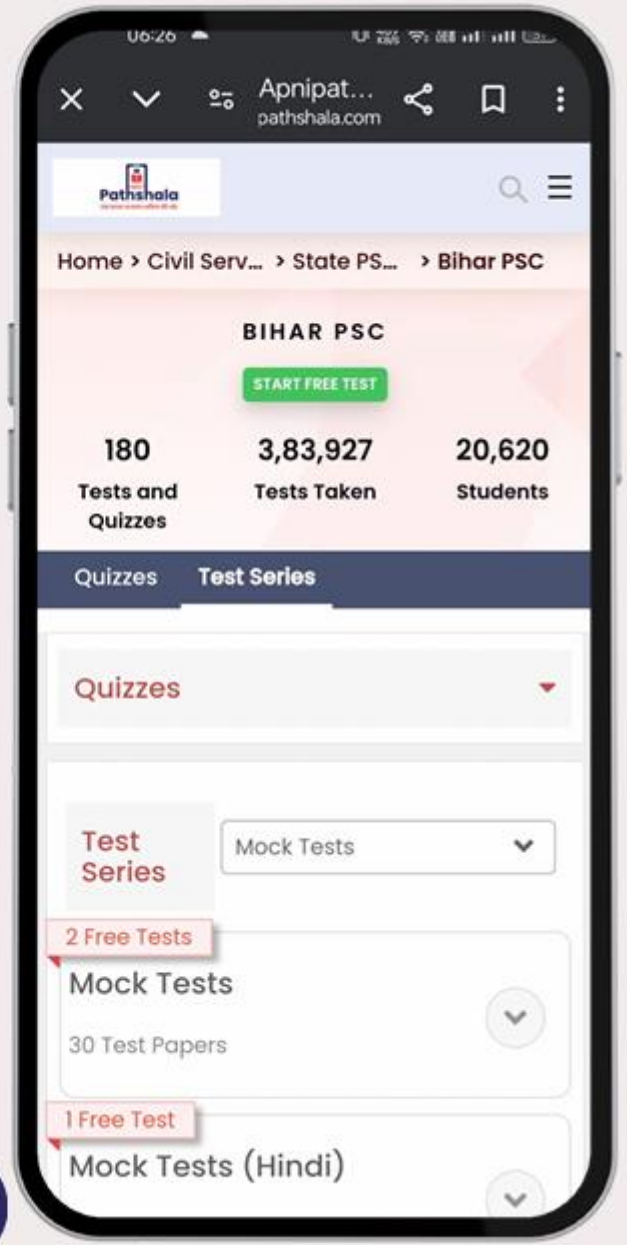

Step 5

Click on
Explore Now

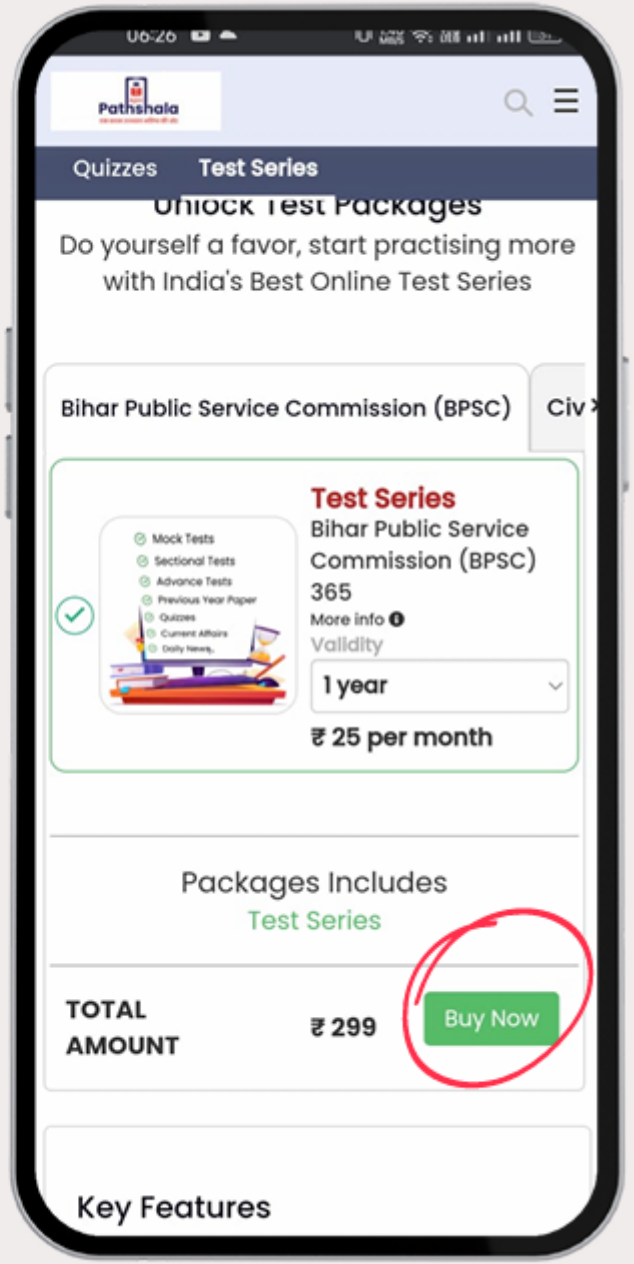

Step 6

Fill the details
Pay Now!

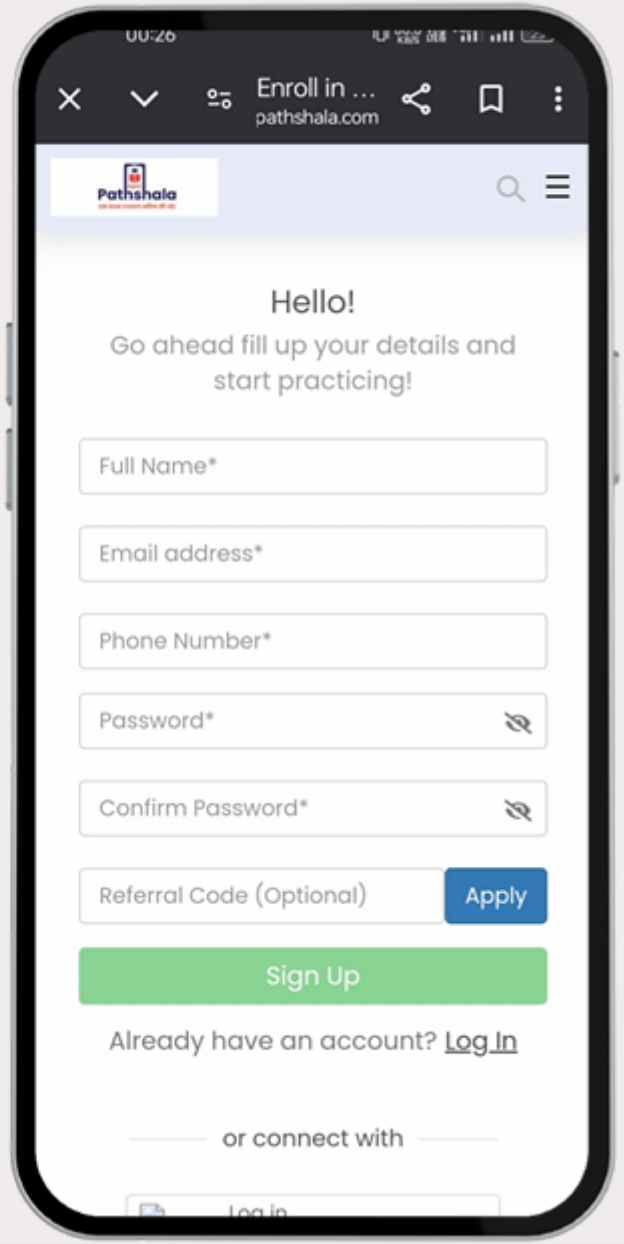

Apni Pathshala

LAUNCHING

BPSC
TEST SERIES

299/- ONE YEAR

- 50+ Mock Test
- 10+ Topic wise test
- 30+ PYQ's
- 65 + Current Affairs

Buy Now!

By Ankit Avasthi Sir

Apni Pathshala

LAUNCHING

TEST

RO/ARO

TEST SERIES

299/- ONE YEAR

- 30+ Mock Test
- 13+ Sectional test
- 8+ PYQ's
- 60 + Current Affairs

Buy Now!

By Ankit Avasthi Sir

Apni Pathshala

UP POLICE बनने का सपना होगा साकार !

Test Series

UP POLICE EXAM

PRICE 99/- One Year

VACANCY: 60,244
EXAM. DATE : 23RD AUGUST
24TH AUGUST, 25TH AUGUST,
30TH AUGUST, 31ST AUGUST

By Ankit Avasthi Sir

Apni Pathshala

UP POLICE बनने का सपना होगा साकार !

NEW

LAUNCHING

Test Series

UP POLICE EXAM

FEATURES

- 20 Mock Test
- 21 Sectional Test
- 10 Practice Test
- 25+ Topic Wise Test
- 8+ PYQ's
- 65+ Current Affairs Test

BUY NOW!

99/- for ONE YEAR

By Ankit Avasthi Sir

HOW MAY I HELP YOU

CALL CENTRE

7878158882

AnkitInspiresIndia

Download "Apni Pathshsla" app now!

Follow us:

2

Jammu Kashmir की सुरक्षा में बड़ी चूक... घुसे 600 PAK SSG Commando! Explained by...

1.2M views • Streamed 1 day ago

Unconfirmed reports indicate that **a 600-strong SSG battalion has crossed into the Kupwara region and fanned out from there**. There are also reports of 50-60 terrorists, split in small units, operating in Rajouri, Poonch, Reasi, Kishtwar, Doda, Bhaderwah and Kathua. 3 days ago

India Today
https://www.indiatoday.in › ... › Nothing But The Truth

Pakistan's new gameplan in Jammu - India Today

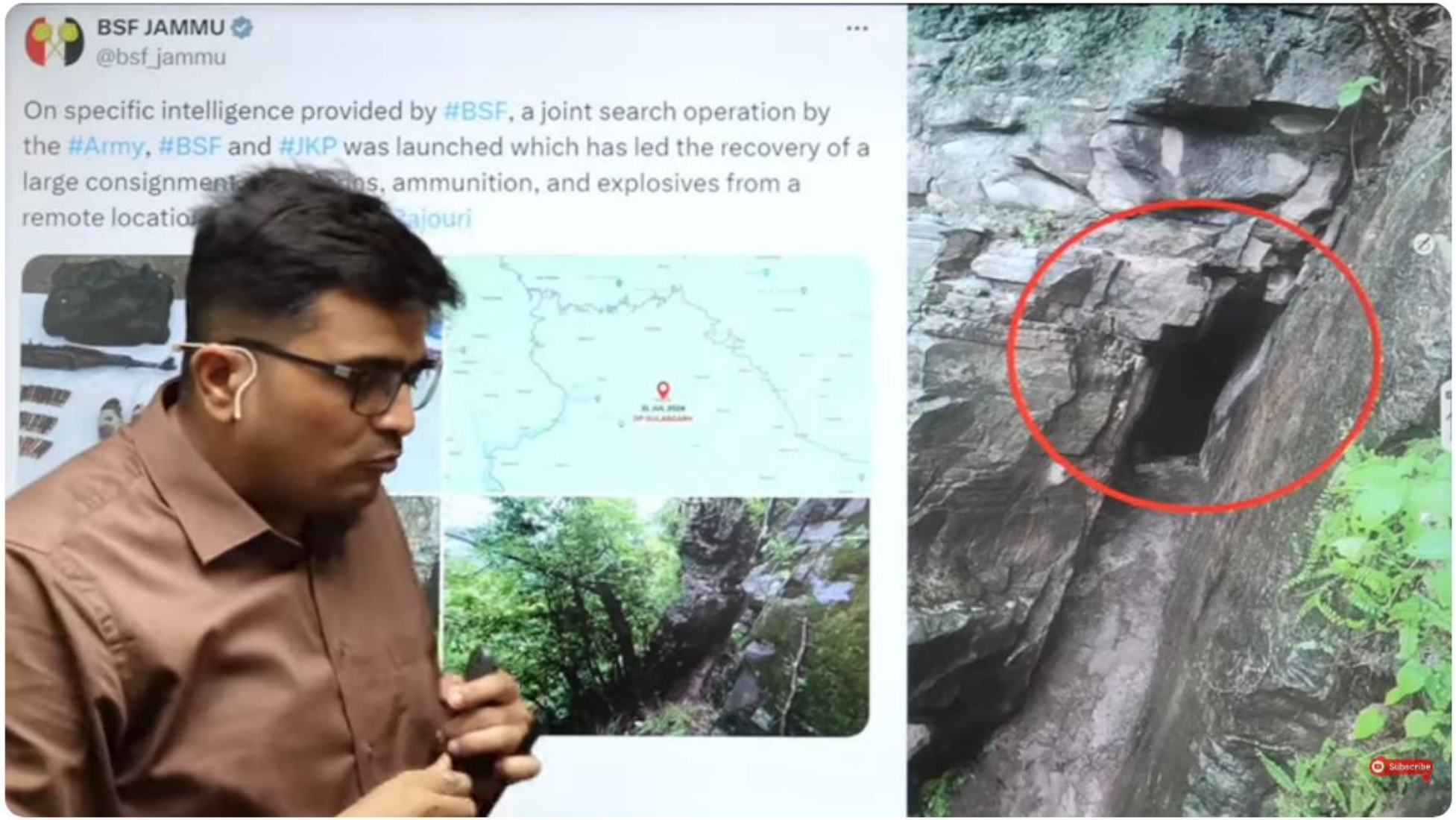

Jammu Kashmir की सुरक्षा में बड़ी चूक... घुसे 600 PAK SSG Commando! Explained by Ankit Avasthi Sir

Ankit Ins... 4.06M... Join Subscribed 56K Share Download ...

1,217,172 views Streamed 1 day ago #indiapakistan #pakcommandoinkashmir #ankitinspiresindia

Jammu Kashmir की सुरक्षा में बड़ी चूक... घुसे 600 PAK SSG Commando! Explained by Ankit Avasthi Sir

Ankit Ins...
4.06M...

Join

Subscribed

56K

Share

Download

1,217,172 views Streamed 1 day ago #indiapakistan #pakcommandoinkashmir #ankitinspiresindia

MILITARNYI

2 August, 2024

Saab 2000 Erieye AEW&C aircraft from the 3rd Squadron of the Pakistan Air Force. Photo credits: Ministry of Defense of Pakistan

Saab Delivers Last Saab 2000 Erieye AEW&C Aircraft to Pakistan

100 25
Angels

U.S. AIR FORCE
NATO OTAN

News |

Nato deploys AWACS to Lithuania to monitor Russian activity

Since February 2022, Nato AWACS have conducted hundreds of flights over eastern Europe to monitor Russian aircraft.

Richard Thomas | September 29, 2023

Share

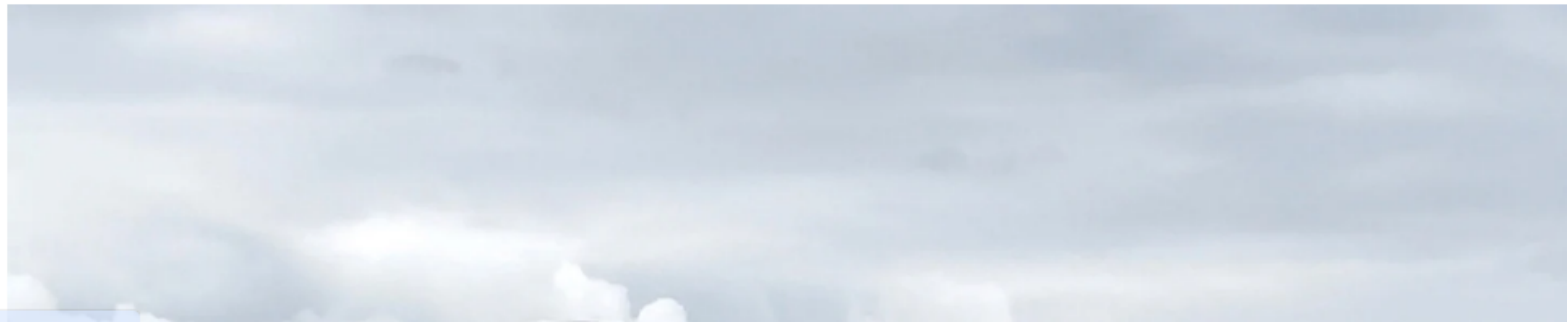

THREAT TO PUTIN? WHY WARPLANES ESCORTED RUSSIAN PREZ?

A. Bharat Bhushan Babu
@SpokespersonMoD

Watch | #RepublicDay2024

Netra formation, comprising of one AEW&C aircraft and two Su-30 aircraft in echelon, flying in ‘Vic’ Formation.

12:23 PM · Jan 26, 2024 · **1,669** Views

G20
भारत 2023 INDIA
वसुधैव कुटुम्बकम्
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTUR

DRDO @DRDO_India · Sep 8, 2023

#DRDOUpdates | Indigenously designed & developed systems & technologies - **Netra** Airborne Early Warning and Control (AEW&C) system, Optical Target Locator and Anti Drone System deployed for security during G20 Summit at Delhi.

31 326 2.3K 67K

Saab AB, with subsidiaries collectively known as the Saab Group, is a Swedish aerospace and defense company primarily operating from Sweden. The company is headquartered in Stockholm, but its development and manufacturing operations are undertaken in Linköping. Wikipedia

Translated by Google

साब एबी, जिसकी सहायक कंपनियां सामूहिक रूप से साब ग्रुप के नाम से जानी जाती हैं, एक स्वीडिश एयरोस्पेस और रक्षा कंपनी है जो मुख्य रूप से स्वीडन से संचालित होती है। कंपनी का मुख्यालय स्टॉकहोम में है, लेकिन इसका विकास और विनिर्माण कार्य लिंकोपिंग में किया जाता है। विकिपीडिया

हिन्दी में खोजें : साब ग्रुप

Stock price: SAAB-B (STO) SEK 231.75 -10.30 (-4.26%)
2 Aug, 5:29 pm GMT+2 - Disclaimer

Owner: Wallenberg family

CEO: Micael Johansson (23 Oct 2019–)

Founders: Sven Gustaf Wingqvist, Axel Wenner-Gren, Marcus Wallenberg Jr.

Headquarters: Stockholm, Sweden

Founded: 1937, Trollhättan Municipality, Sweden

Formerly: SAAB/Saab AB (1937–68); Saab-Scania (1968–95)

Number of employees: 21,479 (2023)

The Swedish company Saab has handed over the last of the ordered Saab 2000 Erieye airborne early warning and control aircraft to Pakistan.

This is reported by the Turkish SavunmaSanayiST.com. The last of the ordered Saab 2000 Erieye aircraft was delivered to Pakistan on July 2, 2024, at Minhas Air Base, which is the home base for the fleet of these aircraft.

With this transfer, the Pakistan Air Force now has nine aircraft of this type, which are actively involved in patrolling the border with India.

The last delivered aircraft will be deployed to the 3rd Airborne Early Warning Squadron, which will also help the unit coordinate with combat aircraft stationed at the air base.

Airbases in Pakistan With Nuclear Capable Aircrafts

Rafiqui Air Base

Masroor Air Base

INDIA TODAY

Source: Air Power Asia / Bulletin of the Atomic Scientists

Saab 2000 Erieye AEW&C

Saab 2000 Erieye AEW&C provides Airborne Early Warning & Control and the rapid performance required to make the right decisions in time. A true force multiplier that will facilitate the optimisation of your available resources.

Key features

- Rapid mobility
- Early detection
- Force multiplier

SYSTEM OVERVIEW

IFF / SSR

Erieye Radar

Self-Protection System

Communication

- Voice
- Data Link

AIS

ESM / ELINT

Command & Control

- 5 Multi-Role Consoles
- Latest Generation HMI

Solutions overview

- Latest generation Command & control
- Operators seated sideways
- Ergonomic seats
- Low cabin noise level and pressure altitude
- 6-seat rest area

Saab 2000 Erieye is a complete AEW&C system with multi-role and multi-mission capabilities for both military and civil needs. It gives you the power of a national asset to reinforce territorial integrity and national security.

Multi-mission capability

- Airborne early warning & control (AEW&C)
- Air policing
- Air and sea surveillance radar including intelligence
- Surveillance and control of national borders, assets and economic zones
- Search and rescue

Rapid airborne mobility combined with long range early warning radar

Flying at high altitude, Erieye covers a much wider area than a conventional ground-based sensor system does. **The effective surveillance area is over 500,000 sq. km horizontally and over 60,000 ft. vertically.**

Sea coverage is only limited by the horizon and everything from fighter aircraft, hovering helicopters, cruise missiles and Jet Ski-sized sea targets can be detected and tracked. **The system delivers a reliable flow of precise information, irrespective of atmospheric and clutter conditions.**

Proven Erieye radar

The radar is based on Active Electronically Scanned Array (AESA) technology, enabling the radar energy to be adjusted according to the situation – it can be used over an extensive area or concentrated within a smaller prioritised area. The radar detects and tracks objects quickly with high precision and a high update rate.

S-band technology ensures top performance in all weather conditions.

SE-052

Did you know...

that eight different configurations of the Erieye AEW&C mission system have been sold to eight countries, making it one of the most widely used AEW&C systems in the world? It is in operational use in countries including Sweden, Greece, Brazil, Mexico, Pakistan, Thailand and the United Arab Emirates

- Did you know that the Saab 2000 Erieye AEW&C has an endurance of more than 9 hours and a range of more than 2 000 nautical miles (3705 km)? That equals a flight from Iceland to Rome.
- Illegal fishing is a costly problem in many parts of the world. Erieye AEW&C can be used to monitor economic zones and protect the nation's resources.
- Saab 2000 AEW&C is a proven system, operational since 1996. As the first modern AESA compact AEW&C system, it has constantly evolved through spiral development.

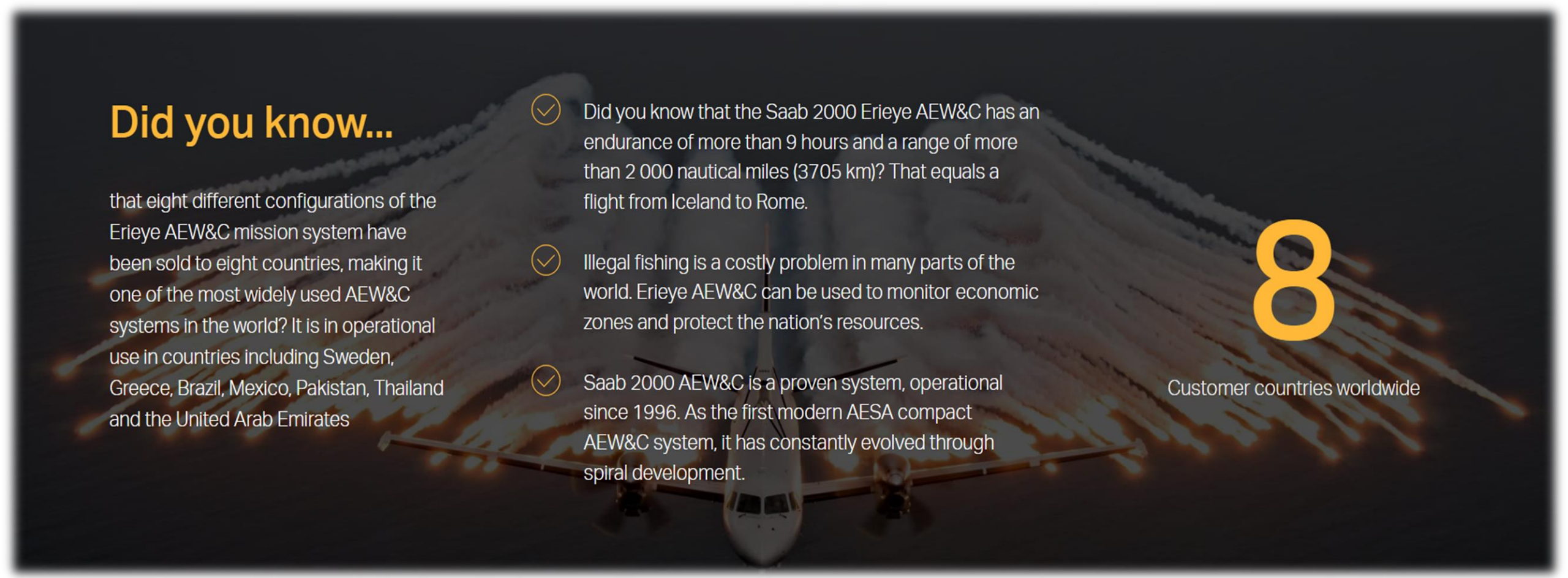

8

Customer countries worldwide

SAAB

SYSTEM LAYOUT

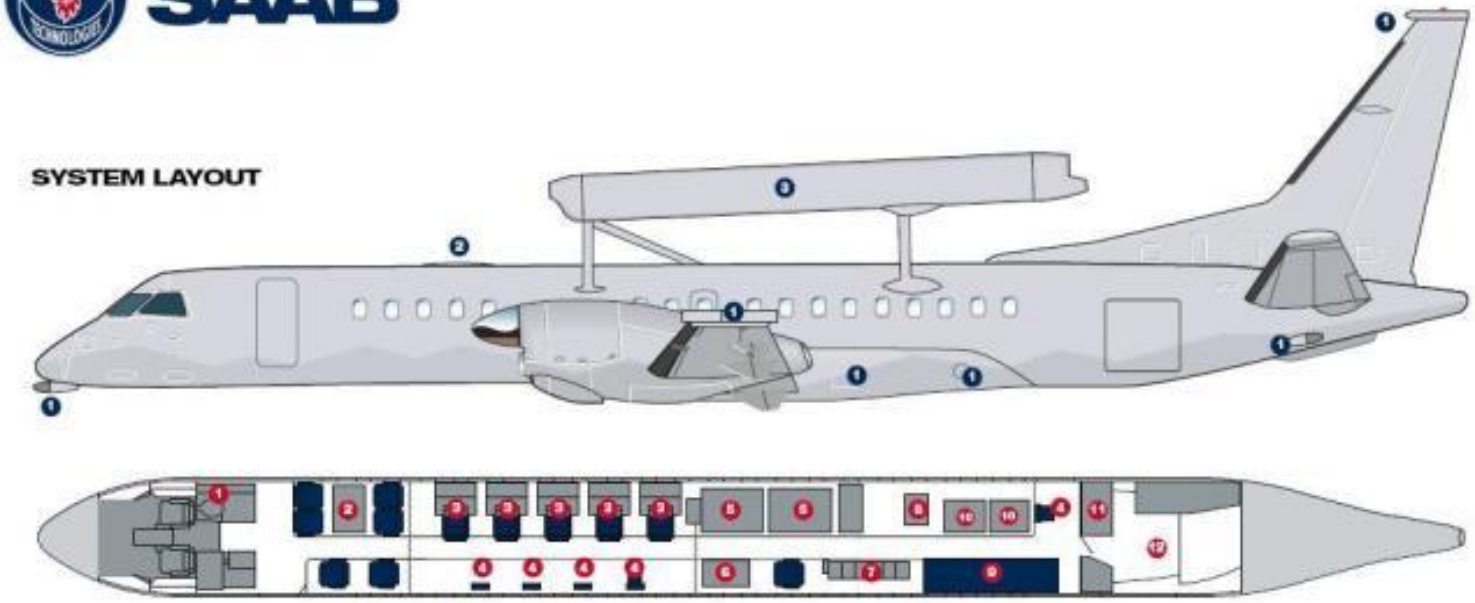

EXTERNAL:

1. SPS
2. SATCOM and data links solutions
3. ERIEYE radar

INTERNAL:

1. Lavatory
2. Rest area
3. Mission operator console
4. Folding seat
5. Auxiliary fuel tank
6. Electronic Warfare (EW) equipment
7. ERIEYE power units
8. ERIEYE equipment
9. Crew bunk
10. Com rack
11. Galley
12. Cargo

ELECTRONIC SUPPORT MEASURES:

- 360° azimuth coverage
- High sensitivity
- Wide band
- High accuracy
- Radar warning
- SPS control/management
- Radar Warning Receiver (RWR), chaff and flares
- SPS also features Missile Approach Warning (MAW), Laser Warning System (LWS) and optional ESM and Integrated Defensive Aids Suite (IDAS) with selection of low/medium/high bands

SECURE COMMUNICATION:

- Secure data links
- Secure voice communication

MISSION OPERATOR CONSOLES:

- Main functions: system and sensor management, mission planning and simulation, track data processing, asset management and control, identification and allocation
- Display system: high-resolution flat-panel colour displays and touch input display control
- Geographical info: digital map
- Application software: high-level language

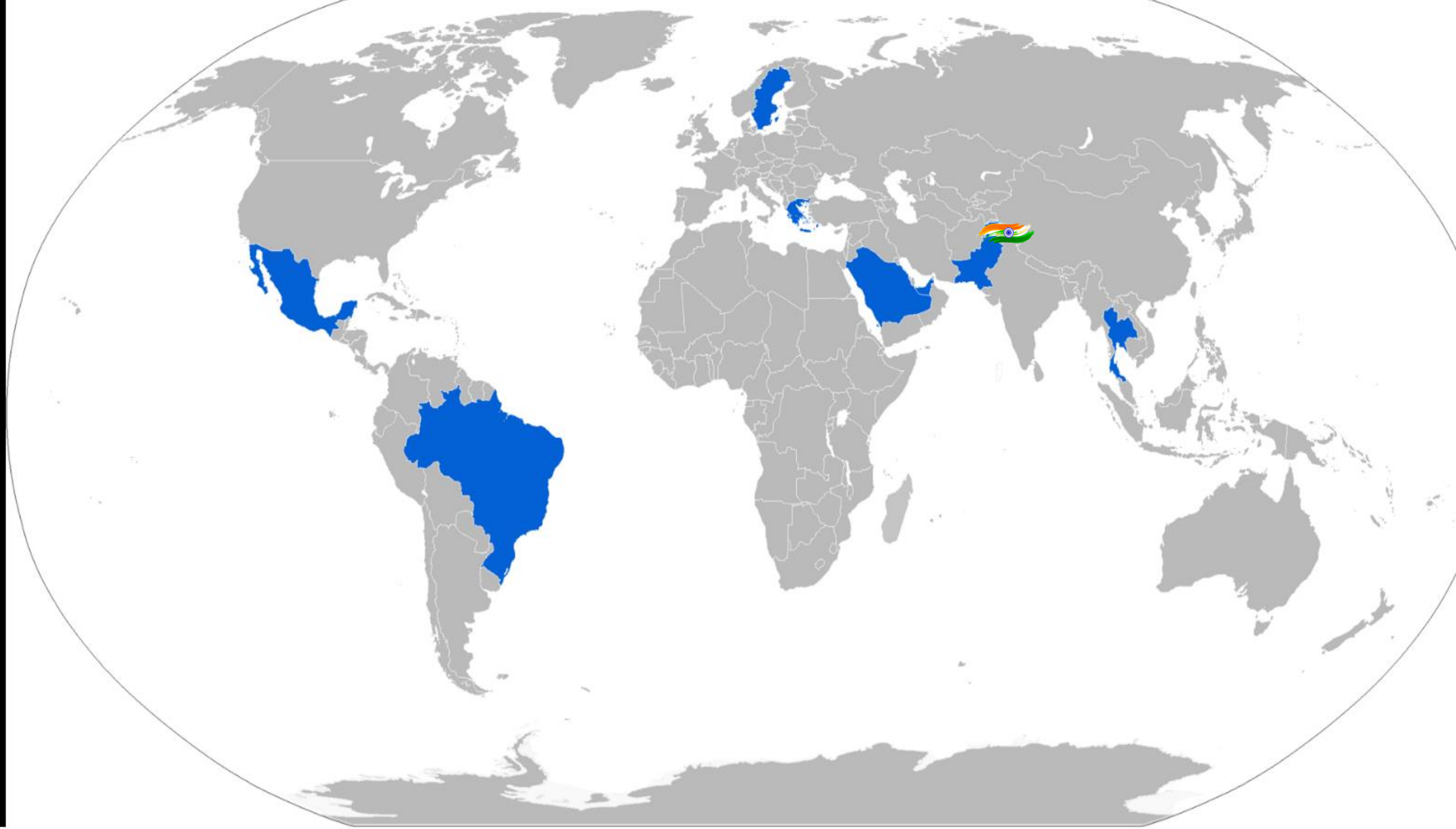

A map with Saab Erieye operators in blue

Operators [edit]

Brazil

- Brazilian Air Force — Embraer R-99

Greece

- Hellenic Air Force — Formerly on Saab 340 now on EMB-145H (Embraer R-99) airframe

Mexico

- Mexican Air Force — Embraer R-99

Pakistan

- Pakistan Air Force — Saab E-2000

Poland

- Polish Air Force — Saab 340[5]

Saudi Arabia

- Royal Saudi Air Force — Saab E-2000[6][7]

Sweden

- Swedish Air Force — Saab 340

Thailand

- Royal Thai Air Force — Saab 340

United Arab Emirates

- United Arab Emirates Air Force — Saab 340,[8] Global 6000[9]

Saab (Video Credit)

25 Mar 2015

22 JUNE 2006

Saab contract for Surveillance System to Pakistan becomes effective

Saab signed a contract in October 2005 to supply an airborne Surveillance System for Pakistan to the value of 8,3 billion SEK. The last outstanding conditions have now been finalized and the contract becomes effective immediately.

"This is a very important order for Saab and it confirms our strong position in the world regarding airborne surveillance systems. We look forward to working with our customer in Pakistan", says Saab CEO Åke Svensson, This surveillance system will, together with existing ground based radars, provide border security and contribute to the monitoring of natural disasters and consequent search and rescue operations.

The airborne surveillance system includes Saab 2000 turboprop aircraft equipped with Ericsson Microwave Systems airborne radar system ERIEYE™. Two third of the order value is for Saab and one third for Ericsson Microwave Systems, which is, after the Saab acquisition, expected to be a part of Saab in September this year. This means that Saab will book this order in second quarter of 2006.

पाकिस्तान ने कब दिया था ऑर्डर

पाकिस्तान ने स्वीडिश कंपनी साब के साथ 2006 में साब एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एयरक्राफ्ट की खरीद के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे। उस समय, पाकिस्तान ने छह साब 2000 एरीये विमानों का ऑर्डर दिया था, लेकिन आर्थिक कठिनाइयों के कारण, ऑर्डर को घटाकर चार यूनिट कर दिया गया था। 2017 और 2020 में, देश ने हर साल तीन विमानों का ऑर्डर दिया। अब पाकिस्तानी रक्षा मंत्रालय ने बताया है कि वह एक अतिरिक्त ऑर्डर देना चाहता है।

Indian Defence News

https://www.indiandefensenews.in › 2020/06 › pakistan-...

Pakistan Air Force Takes Delivery of 4th SAAB-2000 Erieye ...

14 Jun 2020 — The last undisclosed customer to order the **SAAB 2000 Erieye** AEW&C was **Pakistan**, which acquired three systems sometime between 2017 and 2019.

Missing: ~~starved~~ ~~subsystem~~

quwa.org

https://quwa.org › daily-news › pakistan-will-acquire-th...

Pakistan will acquire three new Saab Erieye AEW&C - Quwa

21 May 2017 — The **Pakistan** Air Force will order three new **Saab 2000**-based **Erieye** airborne early warning and control (AEW&C) **aircraft**.

Missing: ~~starved~~ ~~fails~~ ~~subsystem~~

भारत के खिलाफ बड़ी तैयारी में पाकिस्तान

भारत के साथ बिगड़ते संबंधों के कारण, पाकिस्तानी सरकार आधुनिक लड़ाकू विमानों सहित नवीनतम हथियारों की खरीद के लिए बड़े ऑर्डर दे रही है। मिलिटर्नी की रिपोर्ट के अनुसार, **पाकिस्तानी पायलटों ने चीनी पांचवीं पीढ़ी के जे-31 लड़ाकू विमानों पर प्रशिक्षण शुरू कर दिया है। नए विमान संभावित रूप से पाकिस्तान की वायु सेना की क्षमताओं को बढ़ाएंगे और देश को संयुक्त विमानन परियोजनाओं पर अधिक निकटता से सहयोग करने की अनुमति देंगे।**

BULGARIA
Black Sea
GEORGIA
Tbilisi
UZBEKISTAN
Istanbul
Ankara
Bursa
ARMENIA
Yerevan
Baku
AZERBAIJAN
TURKMENISTAN
TURKEY
Izmir
Konya
Adana
Gaziantep
Tabrīz
Caspian Sea
Ashgabat
Mosul
Aleppo
Erbil
Mashhad
Tehran
SYRIA
Nicosia
CYPRUS
Qom
Herāt
Beirut
Kermanshah
LEBANON
Damascus
Mediterranean Sea
Baghdad
AFGHANISTAN
ISRAEL
Eşfahān
Tel Aviv-Yafo
Jerusalem
Amman
IRAQ
Kandahār
Alexandria
JORDAN
Ahvāz
IRAN
Cairo
Al Başrah
Al Jīzah
KUWAIT
Kuwait
Shīrāz
Zāhedān
PAKISTAN
Persian Gulf
EGYPT
BAHRAIN
Manama
OMAN
Abu Dhabi
Doha
QATAR
Medina
Riyadh
Gulf of Oman
Karāchi
Aswān
UNITED ARAB EMIRATES
Muscat
SAUDI ARABIA
OMAN
Jiddah
Mecca
Port Sudan
Red Sea
Arabian Sea
YEMEN
Omdurman
ERITREA
Khartoum
Kassala
Asmara
Sanaa
SUDAN
Socotra (YEMEN)
Aden
Gulf of Aden

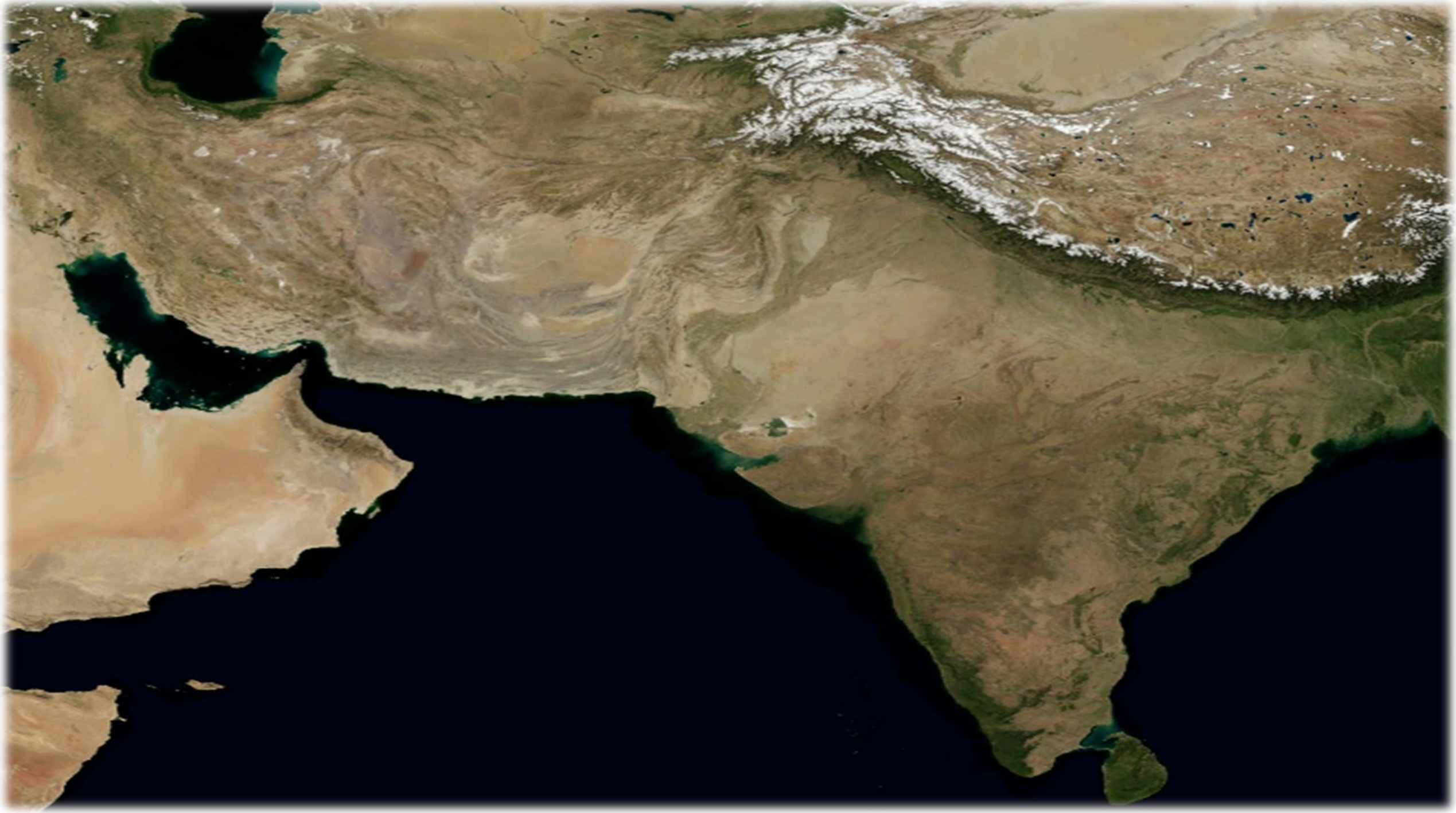

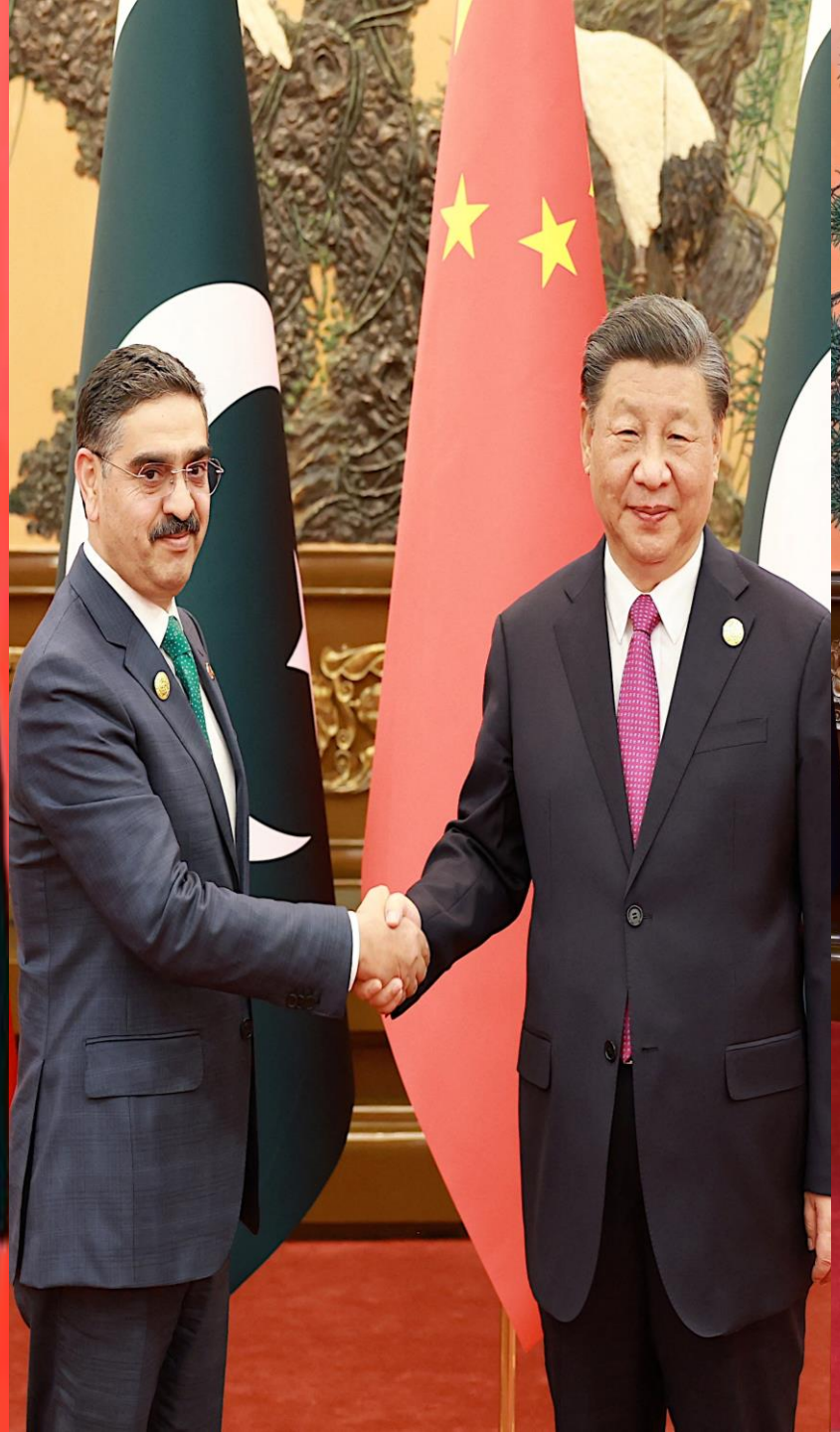

भारत के पास कितने अवाक्स

भारतीय वायु सेना तीन **रूसी IL-76 'फाल्कन'** अवाक्स और दो **इंबरर नेत्र अर्ली वॉर्निंग एयरक्राफ्ट** को संचालित करती है। इनमें से अधिकतर अवाक्स का संचालन चीन और पाकिस्तान की सीमा पर किया जाता है। **अगर कोई अवाक्स मेंटीनेंस के लिए जाता है तो इसकी संख्या और ज्यादा कम हो जाती है। इससे भारत की आसमान से दुश्मन पर नजर रखने की क्षमता भी प्रभावित होती है**। अवाक्स सिस्टम दुश्मन के क्षेत्र में अंदर तक जानकारी जुटाने के लिए लंबी दूरी के रडार से लैस होता है। यह दुश्मन की हर एक हवाई गतिविधि के बारे में अग्रिम जानकारी प्रदान करके युद्ध के समय महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

Netra MkII AEW&C
IFF
Air surveillance Radar
Satcom /Datalink
Com Antennae
EOS/IR Sensor
Aesa Radar
Maritime surveillance Radar

अवाक्स सिस्टम जरूरी क्यों

अवाक्स प्लेटफॉर्म शक्तिशाली ग्राउंड बेस्ड रडार की सीमित क्षमताओं के पार जाकर जानकारी जुटाते हैं। अवाक्स गतिशील होते हैं और विभिन्न ऊंचाइयों पर उड़ सकते हैं। इससे उन्हें कम ऊंचाई पर उड़ने वाली मिसाइलों, विमानों या पृथ्वी की वक्रता के कारण जमीन पर मौजूद रडार की दृष्टि में न आने वाले वस्तुओं की पहचान भी कर पाते हैं।

अवाक्स एक व्यापक मोर्चे को कवर कर सकता है, जिससे यह जमीन पर मौजूद रडार और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों के साथ समन्वय करके एक गहन नेटवर्क वाली एकीकृत वायु रक्षा (आईएडी) बना सकते हैं। यह दुश्मन के हवाई क्षेत्र पर भी नजर रख सकते हैं।

Currently **two** AEW&C systems named Netra, are being used extensively by the Indian Air Force for various operations.

Defence Research and Development Organisation (DRDO)
https://www.drdo.gov.in › files › TF_April_2021 PDF

NETRA : THE INDIGENEOUS AIRBORNE EARLY WARNING ...

The EurAsian Times

Monday, August 5, 2024

Israeli Tech On Russian Platforms — Indian Air Force Aces Tech Integration To Counter Pakistan, China Threats

By **Ritu Sharma** - May 6, 2024

The Indian Air Force (IAF) is integrating the Israeli Rampage long-range supersonic cruise missile with Russian fighter jets. This is one of the few instances of the pairing of Israeli technology with Russian weapons platforms to bolster the capability of the IAF.

The IAF announced the induction of the Rampage long-range supersonic air-to-ground missiles at the end of March 2024. The missile will give a major boost to the firepower of the existing fighter fleet of the force.

IAF plans for six more 'Netra' early warning aircraft

By Manu Pubby, ET Bureau • Last Updated: Sep 22, 2023, 12:03:00 AM IST

Synopsis
Sources said six additional aircraft are being planned to be acquired by the Air Force as part of a $1 billion plan to add force multipliers in the Air Force. The Netra system has been developed by the Defence Research and Development Organisation (DRDO) which is also working on a next generation Airborne Warning and Control Systems (AWACS India) programme.

Project to cost $1 billion; indigenous system showed its capabilities during Balakot strikes in 2019.

NEW DELHI: The Air Force is planning to induct more of the 'Netra' early warning and control aircraft to its fleet, in a show of confidence in the indigenous system that demonstrated its capabilities to track enemy aircraft and direct quick responses during the Balakot operations in 2019.

Sources said six additional aircraft are being planned to be acquired by the Air Force as part of a $1 billion plan to add force multipliers in the Air Force. The Netra system has been developed by the Defence Research and Development Organisation (DRDO) which is also working on a next generation Airborne Warning and Control Systems (AWACS India) programme.

The Air Force currently has two Netra systems that are mounted on the Embraer 145 jet. The additional six systems will be on the same jet and efforts are on to scout for aircraft in the secondary market as they are no longer in production. The two Netra systems in service were used during the 2019 Balakot strikes and subsequent attempt by Pakistan to target military installations.

RELATED
IAF enhances its military arsenal with advanced artillery and surveillance tech
Indian Air Force chief announces plans to buy around 100 more indigenous LCA Mark 1A fighter jets
12 Su30MKIs more for Indian Air Force

Videos

GOOD NEWS!

NCERT
NCERT
FOUNDATION BATCH
OFFER
FEE
4999 Rs
Pathshala
REOPEN
LIMITED OFFER
REGISTRATION START
1.SUBJECTS TO BE TAUGHT (NCERTS FROM CLASS 6TH-12TH)
2.SUBJECTS: GEOGRAPHY, POLITY, HISTORY, INDIAN ECONOMY,
3. LIVE LECTURES DELIVERED IN HINGLISH LANGUAGE BY ANKIT AVASTHI SIR.
4.SPECIAL EMPHASIS ON CONCEPTUAL CLARITY IN CLASSES.
5.ALIGNMENT WITH UPSC AND STATE PSC PATTERN:
6.UNIT WISE WEEKLY TESTS THROUGH UNIQUE WORK BOOK STYLE
BY ANKIT AVASTHI SIR
FOR UPSC & VARIOUS STATE PSC EXAM

2024

GA FOUNDATION

RECORDED BATCH

Apni Pathshala
एक कदम उज्जवल भविष्य की ओर

Subject

- HISTORY ,POLITY
- GEOGRAPHY
- ECONOMICS

Price

1499/-

Validity 1 Year

By Ankit Avasthi Sir

Apni Pathshala

LAUNCHING

BPSC
TEST SERIES

299/- ONE YEAR

- 50+ Mock Test
- 10+ Topic wise test
- 30+ PYQ's
- 65 + Current Affairs

Buy Now!

By Ankit Avasthi Sir

Apni Pathshala

LAUNCHING

TEST

RO/ARO

TEST SERIES

299/- ONE YEAR

- 30+ Mock Test
- 13+ Sectional test
- 8+ PYQ's
- 60 + Current Affairs

Buy Now!

By Ankit Avasthi Sir

Apni Pathshala

UP POLICE बनने का सपना होगा साकार !

NEW

LAUNCHING

Test Series

UP POLICE EXAM

FEATURES

- 20 Mock Test
- 21 Sectional Test
- 10 Practice Test
- 25+ Topic Wise Test
- 8+ PYQ's
- 65+ Current Affairs Test

BUY NOW!

99/- for ONE YEAR

By Ankit Avasthi Sir

GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

6 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

→ सिन्धु नदी का उद्गम कैलाश पर्वतीय क्षेत्र में बोखर चू हिमनद से होता है।
→ तिब्बत में इस नदी को सिंगी खंबान कहते है।
→ यह दमचोक नामक स्थान से भारत में प्रवेश करती है।
→ यह नदी भारत में लद्दाख तथा जास्कर श्रेणी के बीच बहती है।
→ पाकिस्तान में यह अटक (Attock) नामक स्थानों पर मैदानों में प्रवेश करती है।
→ पाकिस्तान में कराँची के पास डेल्टा बनाते हुए यह अरब सागर में गिरती है।
→ सिंधु नदी की दायें हाथ की प्रमुख सहायक नदियाँ :- श्योक, नुब्रा, हुनजा, गिलगिट, स्वात, काबुल तथा गोमल
→ इसकी प्रमुख बायें हाथ की सहायक नदियाँ झेलम, चिनाब, रावी, व्यास, सतलज, ट्रांस तथा जास्कर
पंचनद
→ सिंधु से पचंनद पाक में मिठानकोट नामक स्थान पर मिलती है।
→ 'लेह' सिंधु नदी के किनारे स्थित है।

पंचनद

i) झेलम :- इस नदी का उद्गम जम्मू कश्मीर में

बेरिनाग झील से होता है।
* यह नदी वूलर झील का निर्माण करती है जो भारत की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील है।
→ इस नदी के किनारे श्रीनगर स्थित है।
→ किशनगंगा इसकी दायें हाथ की प्रमुख सहायक नदी है।
→ इस नदी पर तुलबुल परियोजना प्रस्तावित है। यह एक नौविहन परियोजना है।
→ यह नदी भारत तथा पाकिस्तान के बीच अन्तर्राष्ट्रीय सीमा का निर्माण करती है।

ii) चिनाब :- चिनाब नदी का उद्गम हिमाचल प्रदेश में बारालच्चा दर्रे के पास चन्द्र तथा भागा नदियों के मिलने (confluence) से होता है।
→ J & K में इस नदी पर जल विद्युत उत्पादन परियोजनाएँ स्थित है।
उदाहरण :- दुलहस्ती, सलाल, बगलिहार
→ यह सिंधु नदी की सबसे बड़ी सहायक नदी है।

iii) रावी :- रावी नदी का उद्गम रोहतांग दर्रे के पास से हिमाचल प्रदेश में होता है।
→ हिमाचल प्रदेश में इस नदी पर चमेरा बाँध स्थित है।
→ पंजाब में इस नदी पर थीन परियोजना स्थित है।

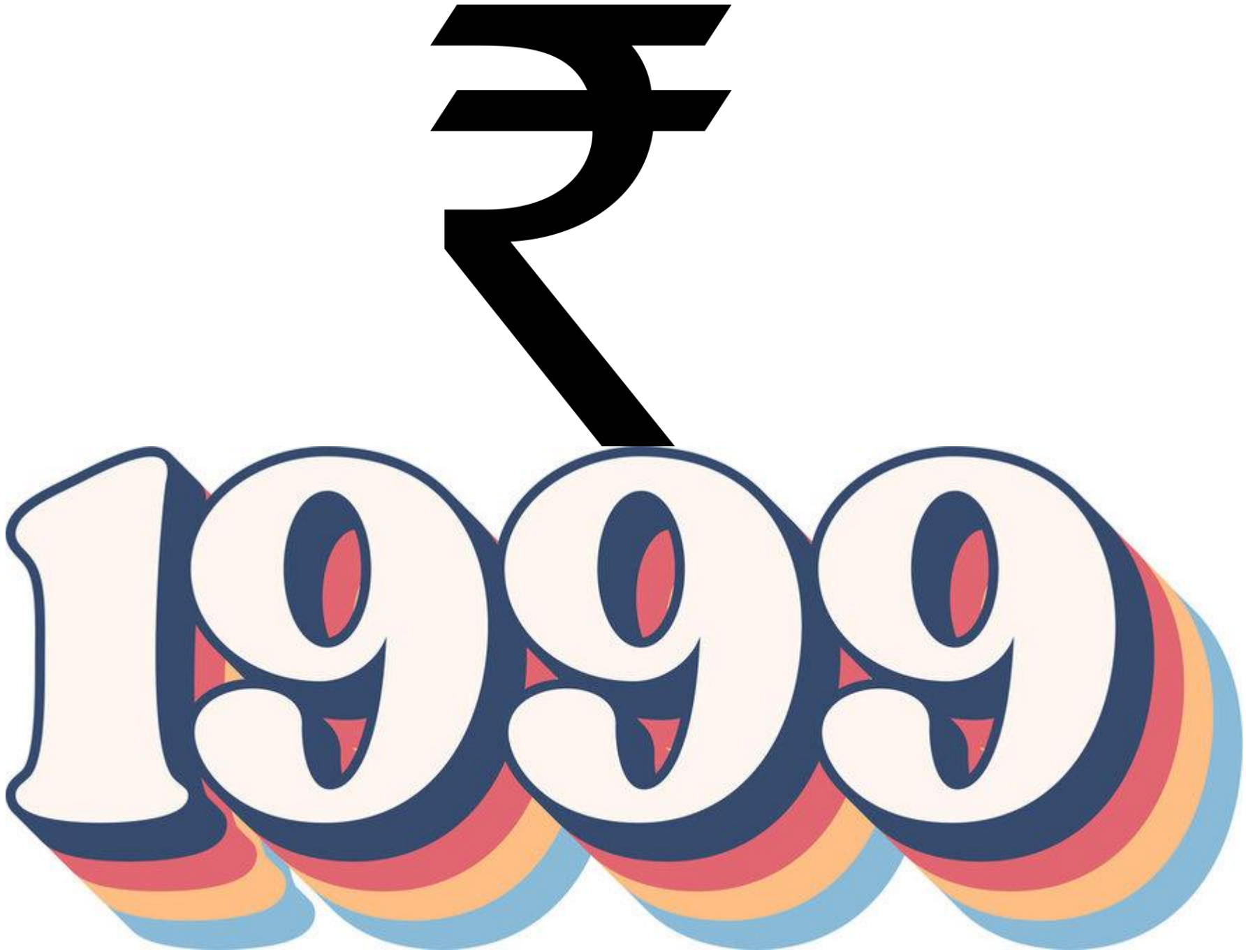
₹
1999

CALL CENTRE
HOW MAY I HELP YOU
7878158882
AnkitInspiresIndia
Download "Apni Pathshsla" app now!
Follow us:

3

ET
NOW
ET.N.O.W.in
RAHUL GANDHI COMPARES MAHABHARATA'S
'CHAKRAVYUH' WITH BJP LOTUS

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार (29 July) को केंद्र सरकार पर हिंदुस्तान को अभिमन्यु की तरह चक्रव्यूह में फंसाने का आरोप लगाया और कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) इस चक्रव्यूह को तोड़ेगा। उन्होंने लोकसभा में केंद्रीय बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए यह दावा भी किया कि इस बजट में चंद पूंजीपतियों के एकाधिकार और लोकतांत्रिक ढांचे को नष्ट करने वाले राजनीतिक एकाधिकार को मबजूती प्रदान की गई है, जबकि युवाओं, किसानों तथा मध्य वर्ग को नजरअंदाज कर दिया गया है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने यह भी कहा कि 'इंडिया' गठबंधन सत्ता में आने पर जाति आधारित जनगणना कराएगा और किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी भी देगा। नेता प्रतिपक्ष ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा, ''हजारों साल पहले कुरुक्षेत्र में अभिमन्यु को चक्रव्यूह में छह लोगों ने फंसा कर मारा था...चक्रव्यूह का दूसरा नाम है- 'पद्मव्यूह', जो कमल के फूल के आकार का होता है। इसके अंदर डर और हिंसा होती है।''

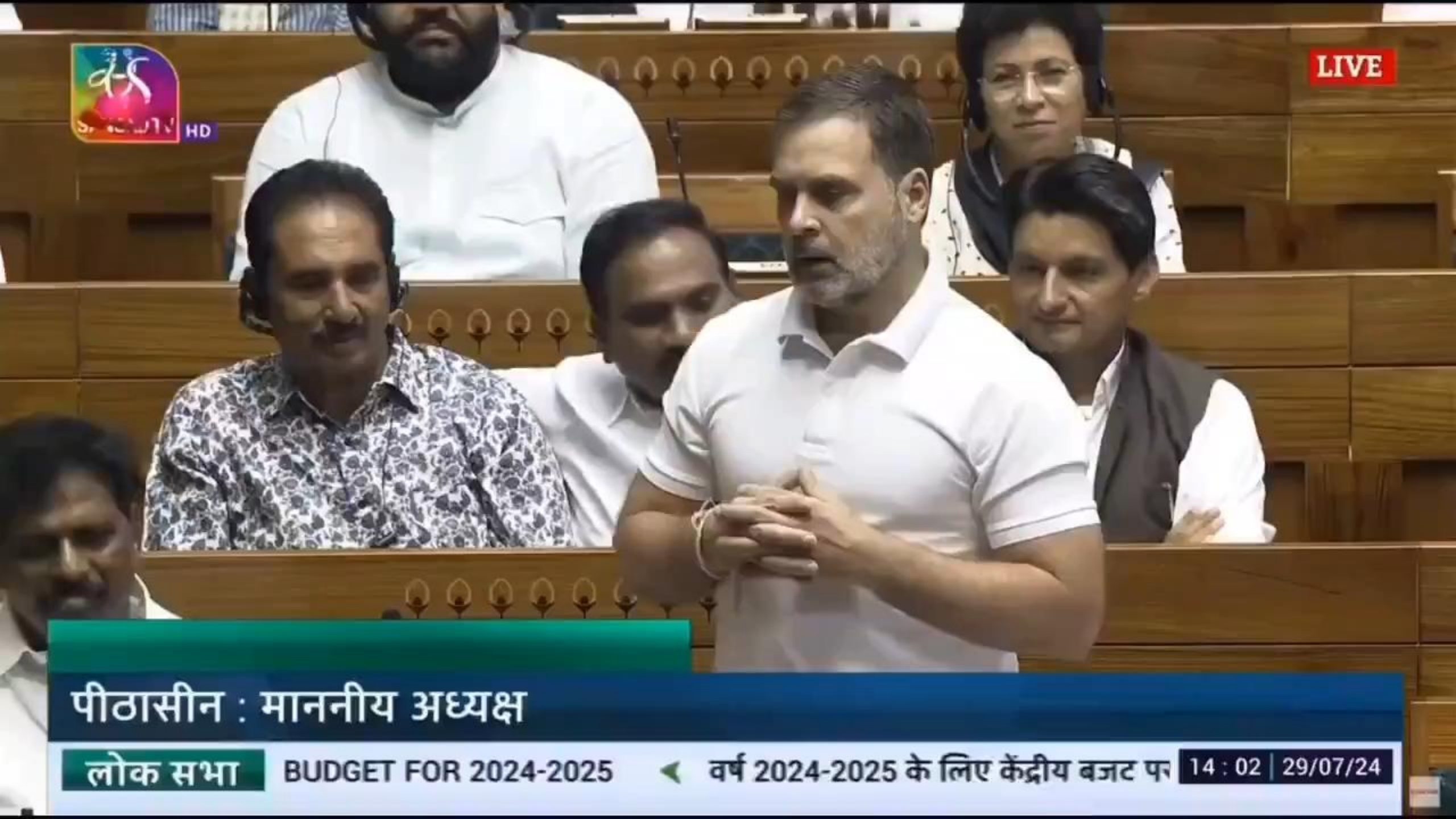
LIVE
HD
पीठासीन : माननीय अध्यक्ष
लोक सभा
BUDGET FOR 2024-2025
वर्ष 2024-2025 के लिए केंद्रीय बजट पर
14 : 02 | 29/07/24

Rahul Gandhi
@RahulGandhi

4:09 PM · Jul 29, 2024

In Kurukshetra, Abhimanyu was trapped and killed in a Chakravyuh - a formation controlled by six people, and also known as Padmavyuh for its resemblance to a lotus formation.

Today a 21st century lotus-shaped Chakravyuh is trapping India and is controlled by six figures: Narendra Modi, Amit Shah, Adani, Ambani, Ajit Doval, and Mohan Bhagwat.

This modern Chakravyuh has trapped our,
- Youth in a Chakravyuh of unemployment and paper Leak
- Farmers in a Chakravyuh of debt
- Middle class in a Chakravyuh of Tax
- MSMEs in a Chakravyuh of Tax Terrorism
- Jawans in a Chakravyuh of Agnipath
- SC, ST, OBC, Minorities in a Chakravyuh of Anyay

Take for example the Education budget, at 2.5% it is the lowest in 20 years and at a time when our students are suffering from widespread Paper Leaks, the FM did not deem it fit to even mention the crisis in her speech.

The INDIA bloc has taken the first steps to break this Chakravyuh and will continue to fight until this atmosphere of fear is replaced with Shiv ji ki Baraat, where there is equal opportunity, justice, and freedom for all.

The BJP should not mistake India's youth for Abhimanyu. They are Arjun and will break free from this Chakravyuh.

उन्होंने दावा किया, ''अभिमन्यु को चक्रव्यूह में फंसाकर छह लोगों ने मारा था, उनके नाम द्रोणाचार्य, कर्ण, अश्वत्थामा, कृपाचार्य, कृतवर्मा और शकुनी हैं। आज भी चक्रव्यूह रचने वाले छह लोग हैं।'' कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के अलावा चार और लोगों (प्रधानमंत्री के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल, संघ प्रमुख मोहन भागवत, अडानी और अंबानी) का नाम लिया, जिस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आपत्ति जताई। बिरला ने कहा, ''आप नेता प्रतिपक्ष हैं...आपकी पार्टी के उप नेता (गौरव गोगोई) ने लिखकर दिया है कि जो सदन का सदस्य नहीं है, उसका नाम नहीं लिया जाना चाहिए।''

इसके बाद राहुल गांधी ने देश के प्रमुख उद्योगपतियों को 'ए 1' और 'ए 2' कहकर संबोधित किया। राहुल गांधी ने दावा किया, ''21वीं सदी में एक और चक्रव्यूह तैयार किया गया है... जो अभिमन्यु के साथ हुआ, वही हिंदुस्तान के साथ किया जा रहा है।''उन्होंने दावा किया कि जिस तरह से अभिमन्यु को चक्रव्यूह में फंसाया गया था उसी तरह हिंदुस्तान को फंसा दिया गया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन इस चक्रव्यूह को तोड़ेगा।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यह देश चक्रव्यूह को पसंद नहीं करता है, 'शिवजी की बारात' पसंद करता है जिसमें सभी लोग शामिल हो सकते हैं। राहुल गांधी ने 'अग्निपथ' योजना का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया, ''सेना के जवानों को अग्निपथ के चक्रव्यूह में फंसाया गया। बजट में अग्निवीरों को पेंशन के लिए रुपया नहीं दिया गया।'' उनके भाषण के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे संवेदनशील विषय पर बात की है और अग्निवीरों को लेकर भ्रांति फैलाने का काम किया है।

Rahul Gandhi
@RahulGandhi

Apparently, 2 in 1 didn't like my Chakravyuh speech. ED 'insiders' tell me a raid is being planned.

Waiting with open arms @dir_ed.....Chai and biscuits on me.

1:52 AM · Aug 2, 2024 · **2M** Views

सबसे पहले बात करते हैं अभिमन्यु की। वेद व्यास रचित महाभारत की कहानी के अनुसार अभिमन्यु श्रीकृष्ण की बहन सुभद्रा का पुत्र था। वहीं, महाभारत में इस बात का उल्लेख भी मिलता है कि अभिमन्यु चंद्रदेव के पुत्र थे। जब श्रीकृष्ण अवतार के साथ सभी देवी देवताओं के अंश धरती पर अवतार ले रहे थे तो चंद्रमा के पुत्र को भी धरती पर आना था। लेकिन चंद्रमा के मोह ने उन्हें अल्पायु बना दिया। असल में श्रीकृष्ण जानते थे कि भविष्य में युग प्रवर्तक महाभारत का युद्ध होने वाला है, इसलिए उन्होंने सभी देवताओं से अपने पुत्रों को भेजने का निवेदन किया। श्रीकृष्ण की बात सुनकर चंद्रदेव बहुत ही निराश हो गए लेकिन फिर भी उन्होंने श्रीकृष्ण का मान रखते हुए अपने पुत्र को धरती पर भेजने की अनुमति दे दी, लेकिन साथ ही चंद्रदेव ने कहा कि वो अपने पुत्र से ज्यादा समय तक दूर नहीं रह सकते, इसलिए बहुत कम समय के लिए धरती पर भेजेंगे। यहीं कारण है कि अभिमन्यु अल्पायु थे यानी पृथ्वी लोक पर उनकी आयु 16 साल ही थी।

महाभारत में चक्रव्यूह क्या था

आपने महाभारत की कहानी में अक्सर चक्रव्यूह का जिक्र सुना होगा लेकिन कई लोगों को आज भी नहीं पता कि आखिर चक्रव्यूह असल में क्या है? चक्रव्यूह एक बहुस्तरीय रक्षात्मक सैन्य संरचना है, जिसका प्रयोग किसी बड़े योद्धा को चारों तरफ से घेरने के लिए किया जाता है। इसे बहुत ही कुशल युद्ध कला भी माना जाता है। चक्रव्यूह जो ऊपर से देखने पर चक्र या पद्म की तरह दिखाई देता है। इसके हर द्वार की रक्षा एक महारथी योद्धा करता है। इस व्यूह का प्रयोग महाभारत में कौरवों के प्रधान सेनापति द्रोणाचार्य द्वारा धर्मराज युधिष्ठिर को बंदी बनाने हेतु हुआ था। लेकिन अभिमन्यु ने युधिष्ठिर की रक्षा के लिए चक्रव्यूह भेदन के लिए संकल्प लिया और अद्भुत साहस और पराक्रम दिखाते हुए चक्रव्यूह में अकेले ही प्रवेश कर गया।

क्या था द्रोणाचार्य का चक्रव्यूह?

महाभारत के युद्ध के दसवें दिन भीष्म के युद्ध के मैदान में गिर जाने के बाद द्रोणाचार्य ने कौरवों की सेना की कमान अपने हाथ में ले ली थी। अगले 2 दिन तक जब सेना का युद्ध में प्रदर्शन बेहद औसत रहा तो कौरवों में सबसे बुजुर्ग दुर्योधन ने द्रोणाचार्य को डांटा और उन्हें याद दिलाया कि कौरव सेना को पांडवों को हराना है।

द्रोणाचार्य इस फटकार से बेहद शर्मिंदा हुए और उन्होंने सेना को चक्रव्यूह की तरह तैनात करने का फैसला किया।

महाभारत के युद्ध में दोनों ही पक्षों ने कई व्यूह या सैन्य संरचनाओं में अपने-अपने सैनिकों को तैनात किया। इन व्यूह का मकसद सबसे ताकतवर योद्धाओं को ऐसी स्थिति में रखना था जहां से वे दुश्मन की सेना को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा सकें या फिर युद्ध का जो उद्देश्य है, उसे हासिल कर सकें।

सैनिकों को तैनात करने की हर संरचना में कुछ विशेष काउंटर्स भी होते थे, दुश्मन पक्ष इन संरचनाओं को तभी तोड़ सकता था, जब उसे इनके बारे में जानकारी हो।

चक्रव्यूह सबसे मुश्किल सैन्य संरचना

इस तरह की जितनी भी सैन्य संरचनाएं होती थी, उनमें चक्रव्यूह को सबसे मुश्किल माना जाता था क्योंकि बहुत कम योद्धा इस बात को जानते थे कि चक्रव्यूह को किस तरह बेअसर किया जाए। पांडव पक्ष की ओर से केवल कृष्ण, अर्जुन और अर्जुन और सुभद्रा के पुत्र अभिमन्यु ही इस चक्रव्यूह को तोड़ना जानते थे।

जब द्रोणाचार्य ने चक्रव्यूह को तैनात किया तो उन्होंने इस बात को सुनिश्चित करने की पूरी कोशिश की कि अर्जुन और उनके सारथी कृष्ण का ध्यान यहां के बजाय कहीं और रहे।

अभिमन्यु की मुश्किल

अभिमन्यु की उम्र उस समय सिर्फ 16 साल थी। अभिमन्यु के साथ मुश्किल यह थी कि वह चक्रव्यूह के अंदर जाने के बारे में तो जानते थे लेकिन इस बारे में उन्हें पता नहीं था कि इससे बाहर कैसे निकला जाए।

ऐसा इस वजह से था क्योंकि अभिमन्यु जब अपनी मां के गर्भ में थे तभी उन्होंने चक्रव्यूह के अंदर कैसे प्रवेश किया जाता है, यह उस वक्त सीख लिया था जब उनके पिता अर्जुन अपनी पत्नी सुभद्रा को इस बारे में बता रहे थे। लेकिन जब वह सुभद्रा को इस बारे में बता रहे थे तो बीच में ही सुभद्रा को नींद आ गई थी और अभिमन्यु सिर्फ इतना ही सुन सके कि चक्रव्यूह के अंदर कैसे जाना है, वह इस बात को नहीं सुन सके कि इससे बाहर कैसे निकलना है।

अभिमन्यु जितने कुशल योद्धा थे, वह उतने ही बहादुर भी थे। वह जन्म से ही बहुत बहादुर थे और महाभारत में उन्हें कई जगह जन्मवीर कहकर पुकारा गया है। युद्ध के दौरान जैसे ही मैदान में चक्रव्यूह को तैनात किया गया, पांडव पक्ष के सैनिक इसके शिकंजे में फंस गए।

कौरव सेना ने किया विरोध, फंस गए अभिमन्यु

अभिमन्यु ने कई स्तरों वाली इस सैन्य संरचना में प्रवेश तो कर लिया और वह इसके केंद्र तक पहुंचने में भी कामयाब रहे। अभिमन्यु की योजना यह थी कि पांडव पक्ष के अन्य योद्धा उनके पीछे-पीछे चलें और सैन्य संरचना के अंदर घुसकर मारकाट शुरू कर दें लेकिन ऐसा नहीं हुआ और उन्हें कौरवों की सेना से जबरदस्त विरोध का सामना करना पड़ा। विशेषकर जयद्रथ और द्रोणाचार्य द्वारा बनाई गई कुटिल योजना के चलते और इसकी वजह से युधिष्ठिर और भीम को कौरव सेना ने पकड़ लिया गया जबकि अभिमन्यु अंदर अकेला फंसे रह गये।

अभिमन्यु एक युवा योद्धा थे और वह शेर की तरह लड़े। उन्होंने कई कौरवों को मौत के घाट उतार दिया। इनमें दुर्योधन के बेटे लक्ष्मण भी शामिल थे जबकि दुर्योधन और दुशासन को गंभीर रूप से घायल कर दिया। युद्ध के अंत में कौरव सेना के छह योद्धाओं ने एक साथ अभिमन्यु पर हमला कर दिया और ऐसा करके उन्होंने युद्ध के नैतिक नियमों को तोड़ा था।

इस बड़े हमले में चूंकि कौरव सेना के पक्ष के लोगों की संख्या ज्यादा थी इसलिए अभिमन्यु ने थक-हार कर दम तोड़ दिया।

द्रोणाचार्य सहित 7 योद्धाओं ने मिलकर अभिमन्यु को मार डाला

महाभारत में अभिमन्यु के वध को बहुत ही कायरतापूर्ण माना जाता है क्योंकि युद्ध की नीतियों को किनारे रखकर एक योद्धा पर 7 योद्धा हावी हो गए थे और ताबड़-तोड़ वार करके अभिमन्यु को मारा गया था। **अभिमन्यु को द्रोणाचार्य, दुर्योधन, कर्ण, जयद्रथ, अश्वत्थामा, दुशासन, वृषभसेन और अन्य कौरवों ने मिलकर मार दिया था।** इस तरह चक्रव्यूह में फंसकर महाभारत के महान वीर योद्धा अभिमन्यु 16 वर्ष की आयु में इस संसार से विदा हो गए और वीरता की कभी न खत्म होने वाली अमर कहानी लिख गए।

TOI

ET
'ABHAYMUDRA', CONGRESS AND 'DARO MAT':
RAHUL GANDHI'S MAIDEN SPEECH AS LoP

कहाँ से आया ABHAY MUDRA ? Rahul Gandhi ने संसद में Abhay Mudra का जिक्र क्यों किया?Ankit...

212K views • 4 weeks ago

Apni Pathshala

कहाँ से आया **ABHAY MUDRA** ? Rahul Gandhi ने संसद में **Abhay Mudra** का जिक्र क्यों किया?

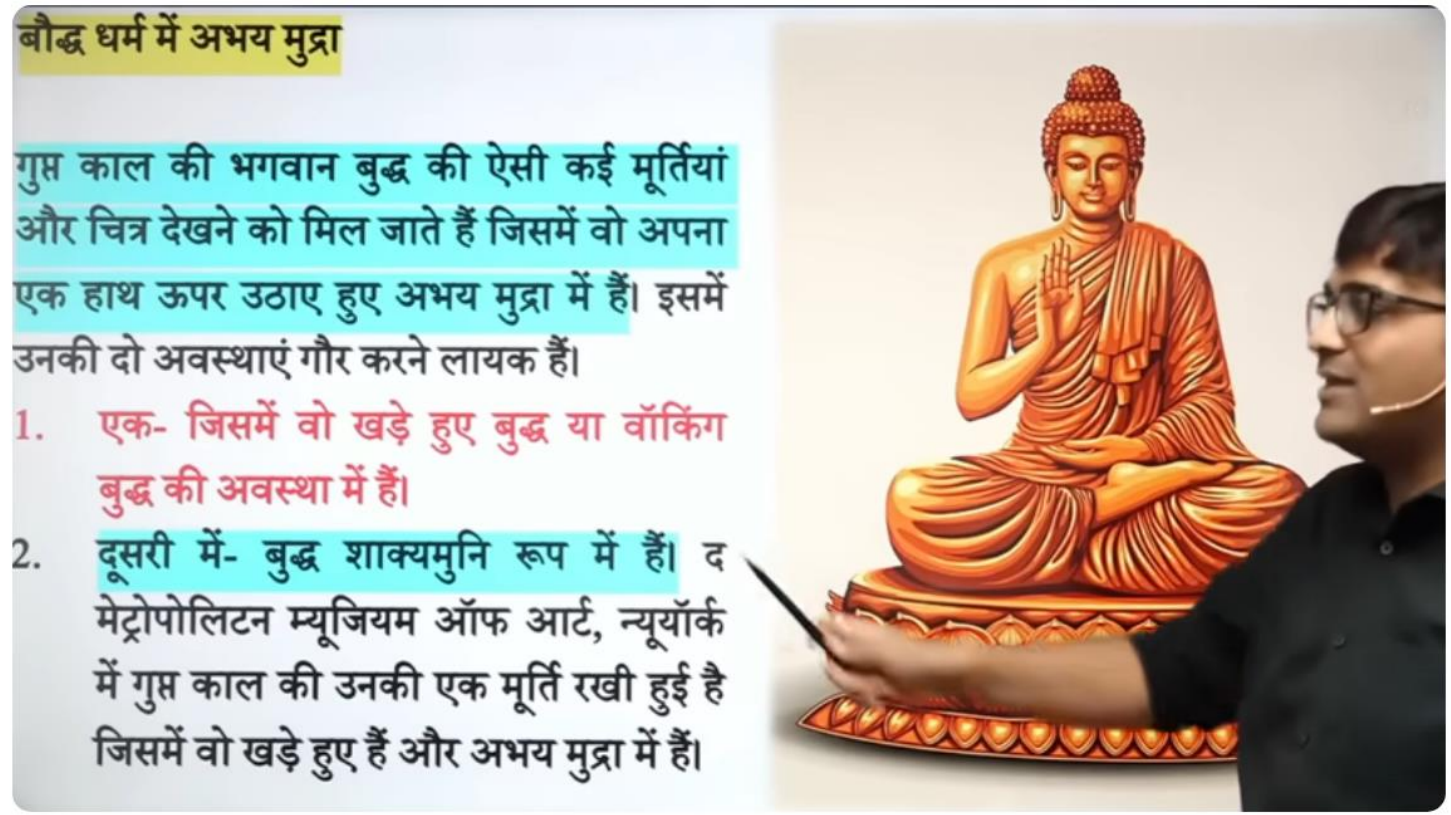

कहाँ से आया ABHAY MUDRA ? Rahul Gandhi ने संसद में Abhay Mudra का जिक्र क्यों किया?Ankit Avasthi Sir

Apni Pathshala
2.03M subscribers

Subscribed

10K | Share | Download

NCERT

NCERT

FOUNDATION BATCH

REOPEN

OFFER FEE

4999 Rs

LIMITED OFFER

REGISTRATION START

Pathshala

1.SUBJECTS TO BE TAUGHT (NCERTS FROM CLASS 6TH-12TH)

2.SUBJECTS: GEOGRAPHY, POLITY, HISTORY, INDIAN ECONOMY,

3. LIVE LECTURES DELIVERED IN HINGLISH LANGUAGE BY ANKIT AVASTHI SIR.

4.SPECIAL EMPHASIS ON CONCEPTUAL CLARITY IN CLASSES.

5.ALIGNMENT WITH UPSC AND STATE PSC PATTERN:

6.UNIT WISE WEEKLY TESTS THROUGH UNIQUE WORK BOOK STYLE

BY ANKIT AVASTHI SIR

FOR UPSC & VARIOUS STATE PSC EXAM

2024

GA FOUNDATION

RECORDED BATCH

Apni Pathshala
एक कदम उज्जवल भविष्य की ओर

Subject

- HISTORY ,POLITY
- GEOGRAPHY
- ECONOMICS

Price

1499/-

Validity 1 Year

By Ankit Avasthi Sir

Apni Pathshala

LAUNCHING

BPSC
TEST SERIES

299/- ONE YEAR

- 50+ Mock Test
- 10+ Topic wise test
- 30+ PYQ's
- 65 + Current Affairs

Buy Now!

By Ankit Avasthi Sir

Apni Pathshala

LAUNCHING

TEST

RO/ARO

TEST SERIES

299/- ONE YEAR

- 30+ Mock Test
- 13+ Sectional test
- 8+ PYQ's
- 60 + Current Affairs

Buy Now!

By Ankit Avasthi Sir

Apni Pathshala

UP POLICE बनने का सपना होगा साकार !

NEW

LAUNCHING

Test Series

UP POLICE EXAM

FEATURES

- 20 Mock Test
- 21 Sectional Test
- 10 Practice Test
- 25+ Topic Wise Test
- 8+ PYQ's
- 65+ Current Affairs Test

BUY NOW!

99/- for ONE YEAR

By Ankit Avasthi Sir

GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

6 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

→ सिन्धु नदी का उद्गम कैलाश पर्वतीय क्षेत्र में बोखर चू हिमनद से होता है।
→ तिब्बत में इस नदी को सिंगी खंबान कहते हैं।
→ यह दमचोक नामक स्थान से भारत में प्रवेश करती है।
→ यह नदी भारत में लद्दाख तथा जास्कर श्रेणी के बीच बहती है।
→ पाकिस्तान में यह अटक (Attock) नामक स्थानों पर मैदानों में प्रवेश करती है।
→ पाकिस्तान में कराँची के पास डेल्टा बनाते हुए यह अरब सागर में गिरती है।
→ सिंधु नदी की दायें हाथ की प्रमुख सहायक नदियाँ :- श्योक, नुब्रा, हुनजा, गिलगिट, स्वात, काबुल तथा गोमल
→ इसकी प्रमुख बायें हाथ की सहायक नदियाँ झेलम, चिनाब, रावी, व्यास, सतलज, ट्रांस तथा जास्कर
पंचनद
→ सिंधु से पंचनद पाक में मिठानकोट नामक स्थान पर मिलती है।
→ 'लेह' सिंधु नदी के किनारे स्थित है।

पंचनद
i) झेलम :- इस नदी का उद्गम जम्मू कश्मीर में

बेरिनाग झील से होता है।
* यह नदी वूलर झील का निर्माण करती है जो भारत की सबसे बडी मीठे पानी की झील है।
→ इस नदी के किनारे श्रीनगर स्थित है।
→ किशनगंगा इसकी दायें हाथ की प्रमुख सहायक नदी है।
→ इस नदी पर तुलबुल परियोजना प्रस्तावित है। यह एक नौविहन परियोजना है।
→ यह नदी भारत तथा पाकिस्तान के बीच अन्तर्राष्ट्रीय सीमा का निर्माण करती है।

ii) चिनाब :- चिनाब नदी का उद्गम हिमाचल प्रदेश में बारालच्छा दर्रे के पास चन्द्र तथा भागा नदियों के मिलने (confluence) से होता है।
→ J & K में इस नदी पर जल विद्युत उत्पादन परियोजनाएँ स्थित हैं।
उदाहरण :- दुलहस्ती, सलाल, बगलिहार
→ यह सिंधु नदी की सबसे बडी सहायक नदी है।

iii) रावी :- रावी नदी का उद्गम रोहतांग दर्रे के पास से हिमाचल प्रदेश में होता है।
→ हिमाचल प्रदेश में इस नदी पर चमेरा बाँध स्थित है।
→ पंजाब में इस नदी पर थीन परियोजना स्थित है।

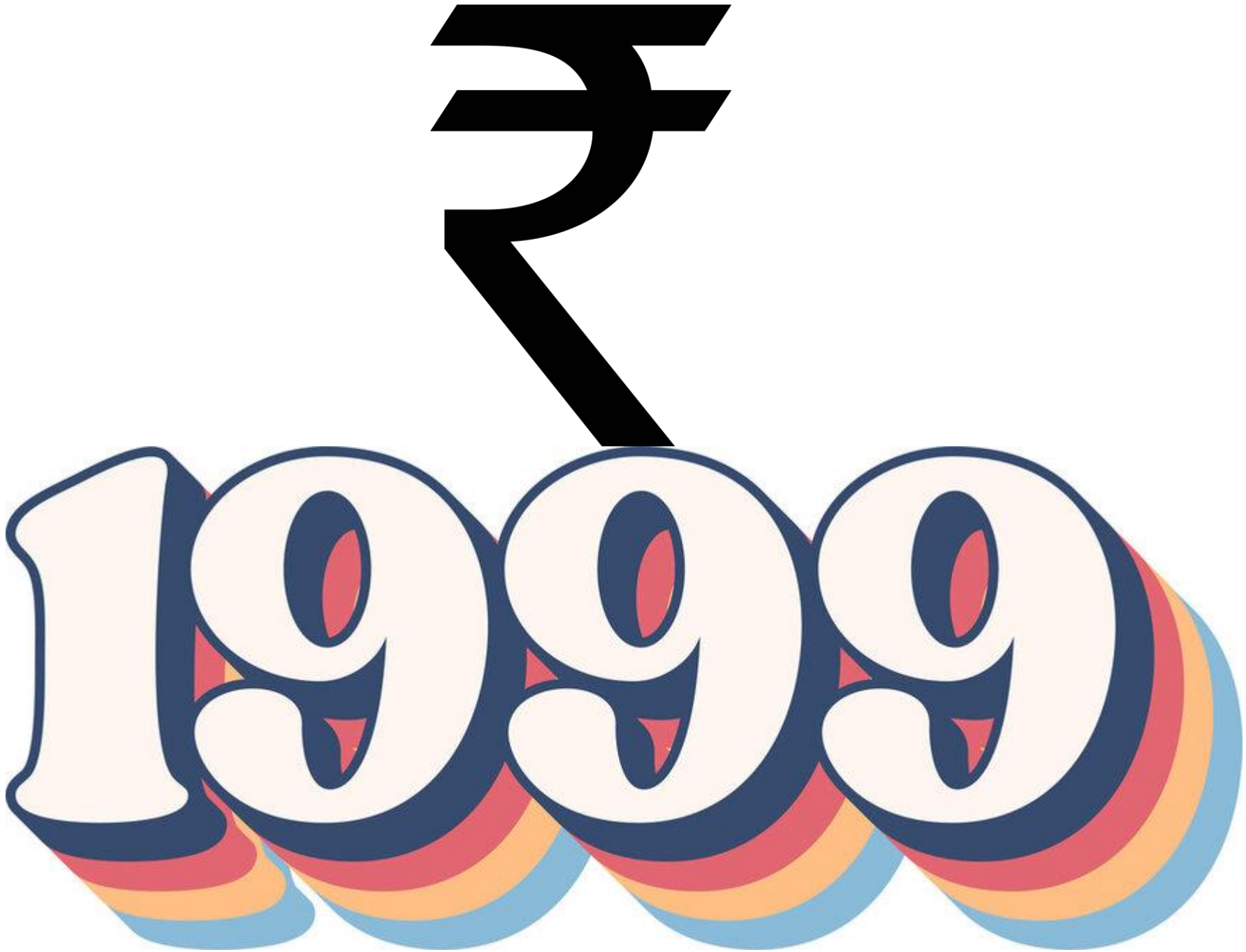
₹
1999

4

Hafiz Daal Mills

India, the world's largest producer of pulses, wants to stop imports by 2028. Here's why it's not working

Ending pulses import by 2027 a key target of agriculture minister

By Zia Haq

Jun 27, 2024 09:04 AM IST

Hindustan Times

An El Nino weather pattern last year has stoked prices of pulses despite a 37% jump in overall domestic production since 2015-16.

The government is committed to making India self-reliant in pulses by December 2027, Cooperation Minister Amit Shah said asserting that the country will not import a single kilogram of pulses from January 2028.

India is also the largest consumer. A large part of pulses' production in countries like Myanmar, Canada and Australia is meant for India.

mygov
मेरी सरकार

विश्व
दाल दिवस
10 फरवरी, 2022

भारत दुनिया का
सबसे बड़ा दलहन उत्पादक देश है

वैश्विक
उत्पादन का
25%

भारत में दलहनों में
सबसे ज्यादा उत्पादन
चने का होता है

स्रोत: खाद्य और कृषि संगठन

By December 2027-28 , the country should become self-reliant in pulses. india will not import even one kilo of pulses from January 2028," Shah had said while launching a programme to procure tur (pigeon pea) by the National Agricultural Cooperative Marketing Federation of India (Nafed).

An El Nino weather pattern last year has stoked prices of pulses, a common source of protein for most Indians, despite a 37% jump in overall domestic production since 2015-16, which has helped India cut down on imports.

the goal of self-sufficiency in pulses has been elusive, keeping prices high. Rising protein-led prices can be a significant driver of inflation and household expenses. Inflation in pulses rose nearly 17% in May from a year ago, primarily because of lower production for two consecutive years due to extreme weather and a patchy monsoon. This drove food inflation for the month to 8.7%.

In 2023, India imported close 1.9 million tonne (MT) of tur and urad to meet domestic demand. A major chunk of pulses varieties imported include tur, urad and masoor (lentils) and these pulses mostly sourced from Mozambique, Malawi, Tanzania, Myanmar, Canada and Australia.

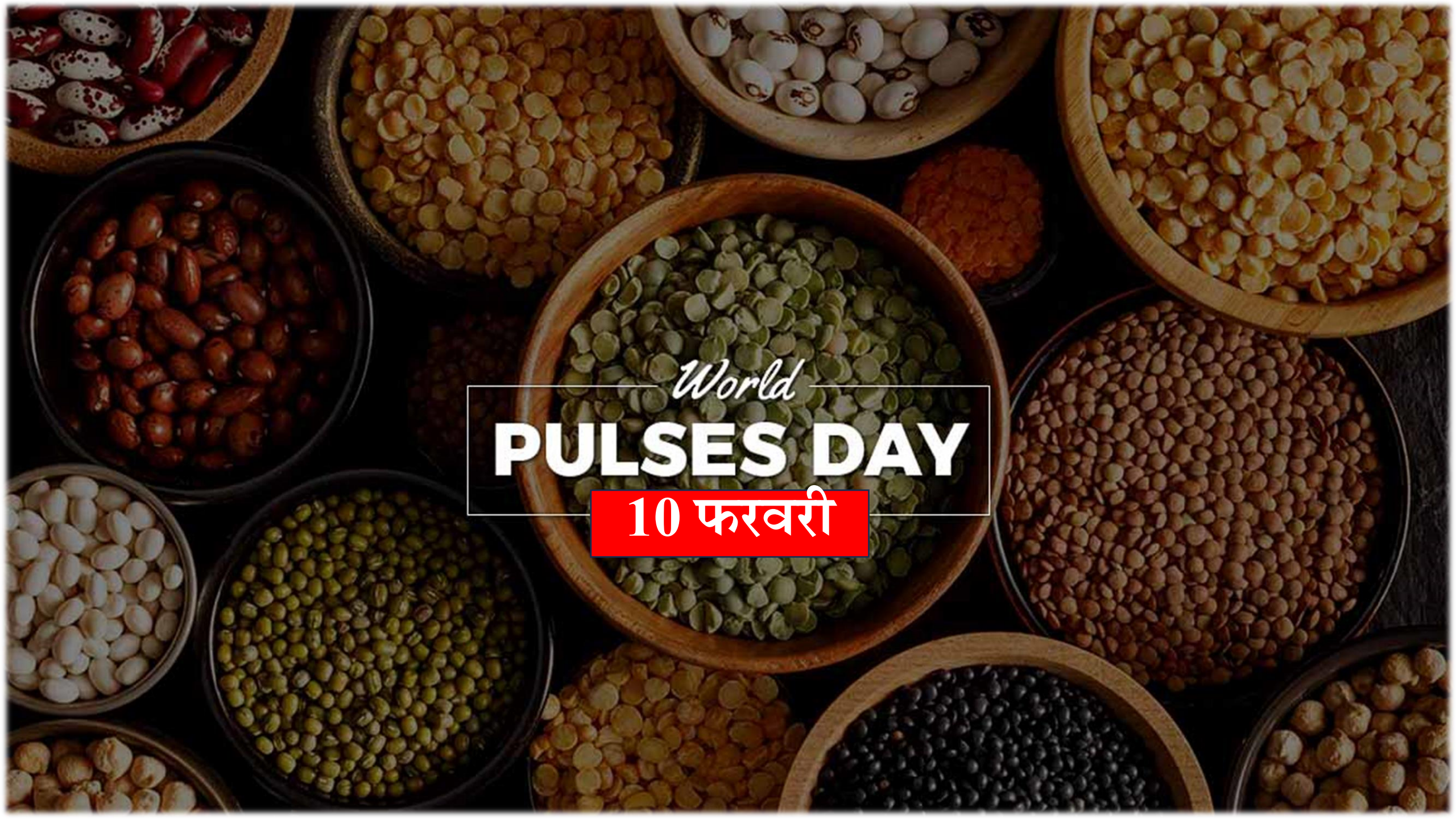
World
PULSES DAY
10 फरवरी

अमर उजाला
amarujala.com

विश्व दलहन दिवस

मध्य प्रदेश देश का प्रमुख दाल उत्पादक राज्य

मप्र के 21 फीसदी कृषि क्षेत्र में दलहन उत्पादन

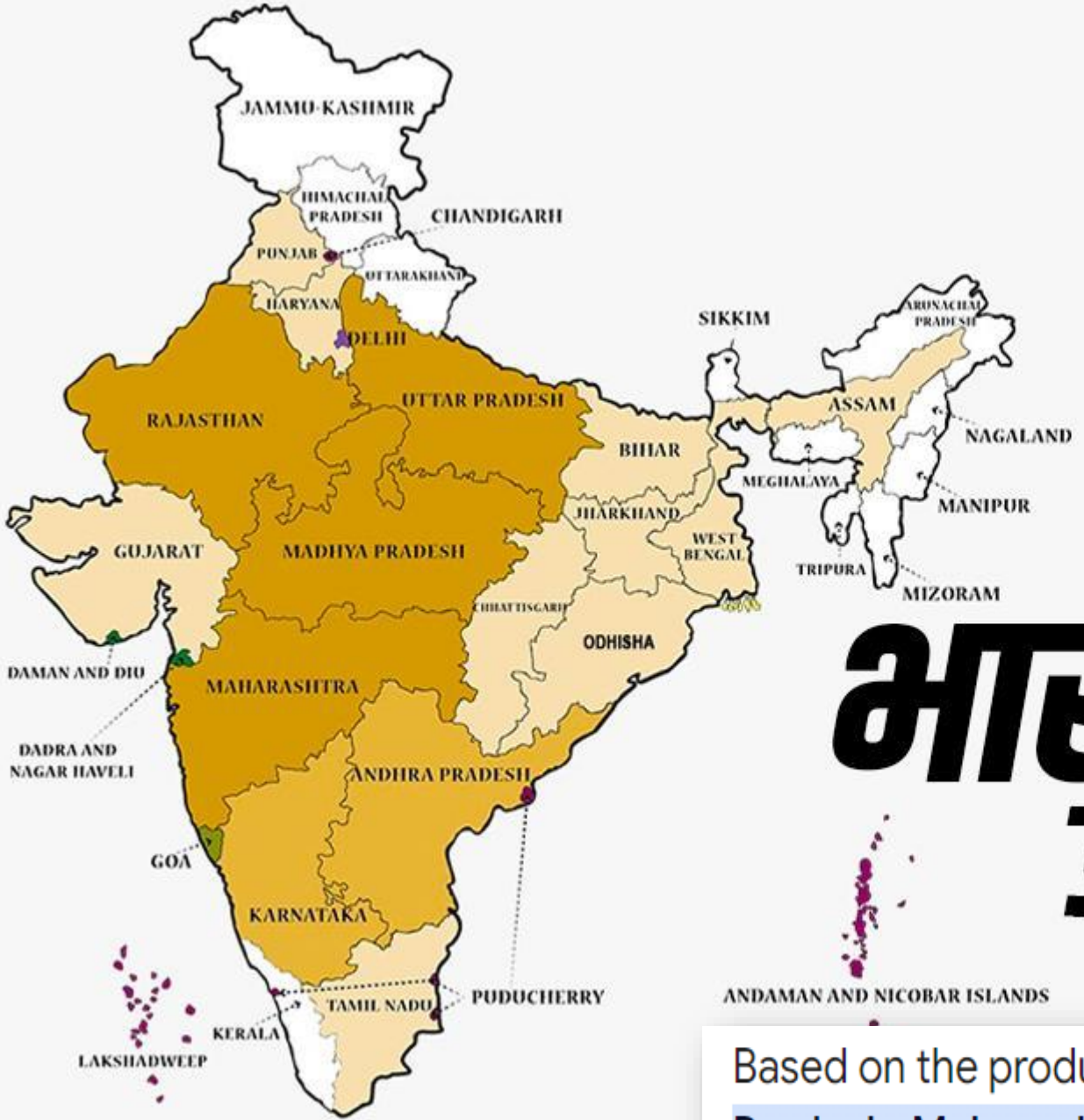

भारत में दलहन उत्पादक राज्य

Based on the production estimates for the year 2022-23, Madhya Pradesh, Maharashtra and Rajasthan are the top three pulses producing states in the country. 2 Feb 2024

दालों का आयात:

केंद्रीय कृषि मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2018-19 में भारत ने सिर्फ 8,035 करोड़ रुपये की दालों को आयात किया था, जो 2023-24 में बढ़कर 31,072 करोड़ रुपये हो गया है.

वित्तीय वर्ष 2024-25 के पहले महीने यानी अप्रैल में तो रिकॉर्ड 3429 करोड़ रुपये की दालों का आयात हुआ है, जो बताता है कि आयात पर हमारी निर्भरता और बढ़ने वाली है, क्योंकि यह पिछले साल के अप्रैल की तुलना में करीब तीन गुना अधिक है.

साल
2024-25
2023-24
2022-23
मात्रा
6,16,683
1,88,159
1,26,761
(मीट्रिक टन)
करोड़ रुपये
3428.64
1238.13
755.11
अप्रैल में दालों का
आयात

India's Pulses Imports in FY24 Hit 6-Year High

In the financial year ended March, imports went up 84% year-on-year to 4.65 million tonne, the most in six years.

In value terms, the country's spending on imports rose 93% to $3.75 billion.

India largely imports from Canada, Australia, Myanmar, Mozambique, Tanzania, Sudan and Malawi. Red lentil imports, particularly from Canada, doubled to 1.2 million tons.

खेती छोड़ रहे किसान?

बढ़ती जनसंख्या की जरूरतों को पूरा करने के लिए दलहन फसलों की खेती का जितना विस्तार होना चाहिए उतना नहीं हुआ. देश में किसानों ने गेहूं-धान की फसलों को तवज्जो दी, जो उस वक्त की जरूरत थी. लेकिन नीति निर्माताओं ने समय-समय पर अलग-अलग फसलों के उत्पादन को लेकर मंथन नहीं किया, ऐसे में दलहन फसलें पीछे छूटती गईं. नतीजतन, किसानों के बीच गेहूं और धान के मुकाबले दलहन फसलों की हैसियत कम होती गई. क्योंकि गेहूं, धान की एमएसपी पर खरीद सुनिश्चित हो गई थी, जबकि दलहन के मामले में ऐसा नहीं हुआ.

हमारे नीति निर्धारकों ने इस बात पर ध्यान दिया दलहन में आत्मनिर्भर बनने के लिए हमारे नेताओं और नीति निर्धारकों ने कोई नारा और न ही कोई ग्राउंड पर पर काम नहीं किया, नतीजा यह है कि दलहन फसलों की खेती बढ़ने की बजाय घट गई.

केंद्रीय कृषि मंत्रालय के अनुसार 2020-21 में देश में 287.83 लाख हेक्टेयर में दलहन फसलों की बुवाई हुई थी, बुवाई का ये रकबा 2023-24 में घटकर सिर्फ 270.14 लाख हेक्टेयर रह गया है. जाहिर है कि सरकार दलहन फसलों का एरिया बढ़वाने में सरकार नाकाम रही है.

नीतियों का प्रभाव –

जब देश में हरित क्रांति की शुरुआत हुई थी उससे पहले पंजाब में दलहन फसलों का उत्पादन अच्छा खासा था. लेकिन, जब से एमएसपी पर गेहूं-धान की ज्यादा खरीद होने लगी तब से इसका रकबा घटता चला गया.

पंजाब कृषि विभाग की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 1960-61 में राज्य के 19.1 फीसदी क्षेत्र में दलहन फसलों की खेती होती थी, जो 2020-21 में घटकर सिर्फ 0.4 फीसदी रह गई.

यही हाल, कई और राज्यों में भी हुआ है. वजह यह है कि धान, गेहूं के मुकाबले दलहन फसलों की सरकारी खरीद को तवज्जो नहीं दी गई.

आजादी के बाद भारत में दलहन फसलों की बुवाई का रकबा गेहूं की तुलना में लगभग डबल था. वर्ष 1950-51 में भारत में गेहूं का एरिया 97.5 लाख हेक्टेयर था, जो 2023-24 में बढ़कर 312.34 लाख हेक्टेयर हो गया.

दूसरी ओर, वर्ष 1950-51 में देश में 190.9 लाख हेक्टेयर में दलहन फसलों की खेती हुई थी, जबकि 2023-2024 में इसका एरिया बढ़कर सिर्फ 270 लाख हेक्टेयर ही हो पाया. इससे दालों की मांग और आपूर्ति में काफी अंतर आ गया.

भारत में दलहन का बढ़ता आयात

साल	मात्रा	करोड़ रुपये
2023-24	47,38,896	31,071.63
2022-23	24,96,165	15,780.56
2021-22	25,19,615	15,540.37
2020-21	24,66,156	11,937.59
2019-20	29,17,059	10,221.45
2018-19	25,27,876	8,035.35

(मीट्रिक टन)

कृषि वैज्ञानिकों पर सवाल:

गेहूं, धान के मुकाबले दलहन फसलों की खरीद नहीं हुई. लेकिन, यहां वैज्ञानिकों की भूमिका पर भी सवाल उठता है की देश के वैज्ञानिक अधिक उत्पादन देने वाली किस्में बनाने में फेल रहे हैं. इसलिए उत्पादकता में देश पीछे रहा हैं. वरना जितने क्षेत्र में दलहन फसलों की खेती भारत में होती है, उतने में न सिर्फ देश दालों के मामले आत्मनिर्भर बल्कि निर्यातक भी बन जाता.

दलहन फसलों की कनाडा और चीन जैसी उत्पादकता होती तो फिर भारत भी दालों का इंपोर्टर होता।

कृषि मंत्रालय के मुताबिक 2023-24 में देश में प्रति हेक्टयर दालों का उपज 907 किलो रही, जबकि, संयुक्त राष्ट्र संघ के खाद्य और कृषि संगठन (FAO) की एक रिपोर्ट बताती है कि दुनिया भर में दलहल फसलों की सबसे ज्यादा उत्पादकता कनाडा में है, जहां 2018 में ही प्रति हेक्टेयर 1950 किलो दाल पैदा होती थी.

दलहन का सबसे बड़ा उत्पादक

FAO के मुताबिक साल 2022 में विश्व के कुल दलहन का 27.8 फीसदी उत्पादन भारत में हुआ. दूसरे नंबर पर कनाडा है, जिसकी विश्व के कुल उत्पादन में सिर्फ 6.7 फीसदी हिस्सेदारी है.

इसी तरह 5.2 फीसदी के साथ चीन दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक है.

इसके बाद नाइजीरिया, रूस, म्यांमार, आस्ट्रेलिया, इथोपिया, ब्राजील, अमेरिका और तंजानिया का नंबर आता है.

मांग और आपूर्ति का हाल

नीति आयोग के अनुसार 2021-22 में दालों की मांग 267.2 लाख टन और आपूर्ति 243.5 लाख टन थी. यानी मांग और आपूर्ति में तब 23.7 लाख टन की कमी थी.

आयोग के मुताबिक 2028-29 तक भारत में दलहन की मांग 318.3 लाख टन होगी और आपूर्ति 297.9 लाख टन की ही रहेगी. यानी डिमांड और सप्लाई में 20.4 लाख टन का गैप होगा.

इस हिसाब से 2021-22 से लेकर 2028-29 तक दलहन की मांग सालाना 7.3 लाख टन बढ़ेगी. इस तरह से 2024 में दलहन की मांग 281.8 लाख टन है, जबकि उत्पादन 244.93 लाख टन है. यानी रिकॉर्ड 36.87 लाख टन दलहन की कमी है.

दलहन फसलों
का एरिया और उत्पादन

साल	एरिया	उत्पादन
2020-21	287.83	254.63
2021-22	307.31	273.02
2022-23	289.01	260.58
2023-24	270.14	244.93

एरिया-लाख हेक्टेयर
उत्पादन-लाख टन
उपज-किलोग्राम/हेक्टेयर
Source: Ministry of Agriculture

भारत में दलहन फसलें:

भारत में दलहन फसलें खरीफ, रबी और जायद तीनों सीजन में उगाई जाती हैं. रबी सीजन में सबसे ज्यादा 150 लाख हेक्टेयर, खरीफ में 140 लाख और जायद में 20 लाख हेक्टेयर में दलहन फसलों की बुवाई होती है. इसमें से करीब 100 लाख हेक्टेयर का एरिया सिर्फ चने का है.

दलहन फसलों में चने की हिस्सेदारी ज्यादा है. जबकि अरहर की बुवाई 47 लाख हेक्टेयर में होती है. अरहर, मूंग, सोयाबीन, उड़द और लोबिया आदि खरीफ सीजन की फसल हैं.

इसी तरह चना, मटर, मसूर और मूंग आदि रबी सीजन की फसलें हैं. जबकि मूंग और उड़द जायद सीजन में उगाया जाता है.

भारत में दालों

की सालाना मांग-आपूर्ति

साल	मांग	आपूर्ति	गैप
2021-22	267.2	243.5	23.7
2028-29*	318.3	297.9	20.4
2024#	281.8	244.93	36.87

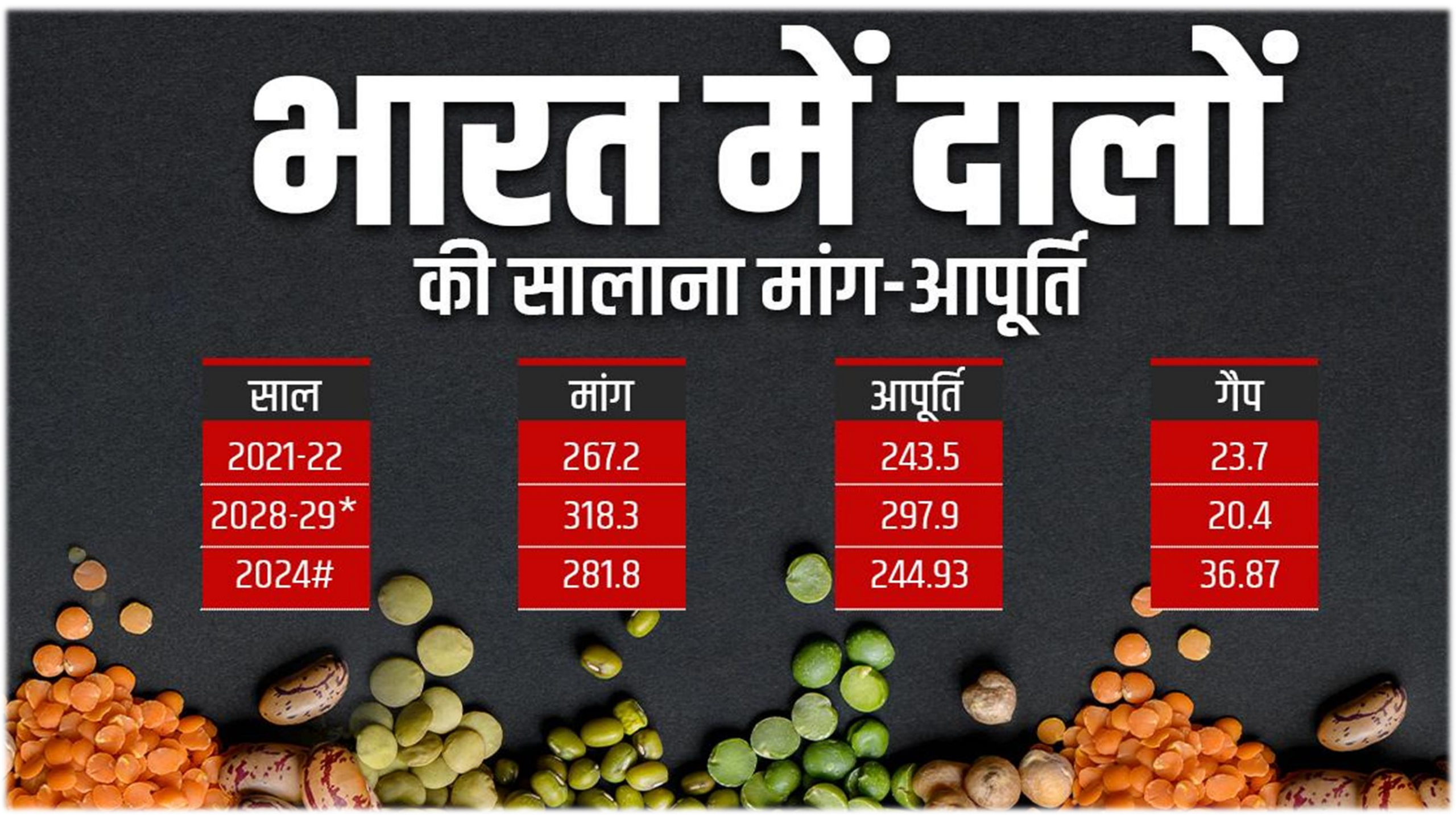

दलहन खरीद की गारंटी

केंद्र सरकार ने कहा है कि अगर दलहन उत्पादक किसान नेफेड में रजिस्ट्रेशन करवाते हैं तो उनकी दलहन की सौ फीसदी उपज को खरीदा जाएगा. यानी इसका एरिया और उत्पादन बढ़ाने के लिए सरकार ने दलहन खरीद की गारंटी दे दी है. हालाकि ओपन मार्केट में इसका दाम एमएसपी से अधिक चल रहा है. ऐसे में किसान, सरकार को अपनी उपज बेचेंगे इसकी संभावना कम है.

दालों के घरेलू उत्पादन को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए केंद्र सरकार ने अरहर, उड़द और मसूर दाल पर लगी 40 प्रतिशत की खरीद सीमा को हटा लिया है. पहले कुल उत्पादन का सिर्फ 40 प्रतिशत ही एसमएसपी पर खरीदा जाता था. अब 100 फीसदी खरीद होगी. हालांकि, जब तक किसानों को अन्य फसलों के मुकाबले इसकी खेती में फायदा नहीं दिखाई देगा तब तक इसकी खेती का विस्तार नहीं हो सकता.

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया है कि किसानों के सहयोग से भारत दिसंबर 2027 से पहले दलहन उत्पादन के क्षेत्र में 'आत्मनिर्भर' हो जाएगा और देश को एक किलोग्राम दाल भी आयात नहीं करनी पड़ेगी. देखना यह है कि क्या यह दावा सच हो पाएगा या अभी भी दलहन के मामले में भारत 'आयात निर्भर' देश बना रहेगा.

कृषि मंत्रालय की आगे की योजना

आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए कृषि मंत्रालय की योजना के अनुसार, मौजूदा ग्रीष्मकालीन फसल सत्र से मॉडल दाल गाँव स्थापित किए जाएँगे। मंत्रालय दाल की खेती के लिए बंजर भूमि लाने के लिए राज्यों के साथ भी काम कर रहा है। उच्च उपज वाले बीजों को वितरित करने के लिए 150 हब बनाने की योजना है। साथ ही, कृषि विभाग जलवायु-प्रतिरोधी किस्मों को बढ़ावा देने के लिए कृषि अनुसंधान विभाग के साथ सहयोग करेगा।

2014 में अपने पहले कार्यकाल के दौरान संघीय सरकार ने सत्ता संभालने के तुरंत बाद, आयात में कटौती करने के लिए दालों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए कृषि और व्यापार नीतियों पर ध्यान केंद्रित किया।

कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, उन्नत बीजों को वितरित करने के अभियान ने 2018-19 में 727 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर से 2021-22 में 980 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तक दालों की उत्पादकता में 34.8% की वृद्धि की। इससे आयात में गिरावट आई, लेकिन चरम मौसम अभी भी फसलों को बर्बाद कर सकता है और कीमतों को बढ़ा सकता है। इसलिए सरकार ने इसके आयात पर रोक लगा दी है

Pulses:

- **Temperature: Between 20-27°C**
- **Rainfall: Around 25-60 cm.**
- **Soil Type: Sandy-loamy soil.**
- **These are the major sources of protein in a vegetarian diet.**
- **Being leguminous crops, all these crops except arhar help in restoring soil fertility by fixing nitrogen from the air. Therefore, these are mostly grown in rotation with other crops.**
- **Pulses are grown throughout the agricultural year.**
- **Rabi Pulses (contribute over 60%): Gram (chickpea), Chana (Bengal gram), Masoor (lentil), Arhar (pigeon pea).**
- **Kharif Pulses: Moong (green gram), Urad (black gram), Tur (arhar dal).**

What are India's Initiatives to Boost Pulses Production?

1. National Food Security Mission (NFSM)-Pulses: **The NFSM-Pulses initiative, led by the Department of Agriculture & Farmers Welfare, operates in 28 States and 2 Union Territories including Jammu & Kashmir and Ladakh.**

Key Interventions Under NFSM-Pulses:

- **Assistance to farmers through States/UTs for various interventions.**
- **Cropping system demonstrations.**
- **Seed production and distribution of HYVs/hybrids.**
- **Additionally, the establishment of 150 Seed Hubs for Pulses has significantly contributed to increasing the availability of quality pulse seeds.**

2. Pradhan Mantri Annadata Aay SanraksHan Abhiyan (PM-AASHA) Scheme: This comprehensive umbrella scheme (launched in 2018) comprises three components:

- **Price Support Scheme (PSS):** Procurement from pre-registered farmers at Minimum Support Price (MSP).
- **Price Deficiency Payment Scheme (PDPS):** Compensates farmers for price differences.
- **Private Procurement Stockist Scheme (PPSS):** Encourages private sector participation in procurement.

3.ICAR's Role in Research and Variety Development: **The Indian Council of Agricultural Research (ICAR) plays a pivotal role in enhancing the productivity potential of pulse crops through research and development efforts. The ICAR focuses on:**

- **Basic and strategic research on pulses.**
- **Collaborative applied research with State Agricultural Universities.**
- **Development of location-specific high-yielding varieties and production packages.**
- **During the period from 2014 to 2023, an impressive 343 high-yielding varieties and hybrids of pulses have been officially recognised for commercial cultivation across the country.**

Pulses

दालों की समस्या को हल करने के लिए कौन से कदम उठाए जा सकते हैं:

उत्पादन बढ़ाना: किसानों को उच्च उपज देने वाली दालों के बीज उपलब्ध कराना।

- आधुनिक कृषि तकनीकों और वैज्ञानिक तरीकों का प्रशिक्षण देना।
- सिंचाई की सुविधा में सुधार करना।
- दालों का विविधीकरण:
- विभिन्न प्रकार की दालों की खेती को प्रोत्साहित करना ताकि किसी एक दाल पर निर्भरता कम हो।
- नई दालों की किस्में विकसित करना जो कम पानी और कम समय में तैयार हो सकें।

कृषि सुधार और नीतियां: दालों के समर्थन मूल्य को बढ़ाना और सुनिश्चित करना कि किसान को उचित मूल्य मिले।

- सरकार द्वारा दालों की खरीद को बढ़ावा देना और उनके भंडारण के लिए उचित व्यवस्था करना।
- दालों की आयात-निर्यात नीति को स्थिर और स्पष्ट बनाना।

दालों की समस्या को हल करने के लिए कौन से कदम उठाए जा सकते हैं:

उत्पादन बढ़ाना: किसानों को उच्च उपज देने वाली दालों के बीज उपलब्ध कराना।

- आधुनिक कृषि तकनीकों और वैज्ञानिक तरीकों का प्रशिक्षण देना।
- सिंचाई की सुविधा में सुधार करना।
- दालों का विविधीकरण:
- विभिन्न प्रकार की दालों की खेती को प्रोत्साहित करना ताकि किसी एक दाल पर निर्भरता कम हो।
- नई दालों की किस्में विकसित करना जो कम पानी और कम समय में तैयार हो सकें।

कृषि सुधार और नीतियां: दालों के समर्थन मूल्य को बढ़ाना और सुनिश्चित करना कि किसान को उचित मूल्य मिले।

- सरकार द्वारा दालों की खरीद को बढ़ावा देना और उनके भंडारण के लिए उचित व्यवस्था करना।
- दालों की आयात-निर्यात नीति को स्थिर और स्पष्ट बनाना।

NCERT

NCERT

FOUNDATION BATCH

REOPEN

OFFER FEE

4999 Rs

LIMITED OFFER

REGISTRATION START

1.SUBJECTS TO BE TAUGHT (NCERTS FROM CLASS 6TH-12TH)

2.SUBJECTS: GEOGRAPHY, POLITY, HISTORY, INDIAN ECONOMY,

3. LIVE LECTURES DELIVERED IN HINGLISH LANGUAGE BY ANKIT AVASTHI SIR.

4.SPECIAL EMPHASIS ON CONCEPTUAL CLARITY IN CLASSES.

5.ALIGNMENT WITH UPSC AND STATE PSC PATTERN:

6.UNIT WISE WEEKLY TESTS THROUGH UNIQUE WORK BOOK STYLE

BY ANKIT AVASTHI SIR

FOR UPSC & VARIOUS STATE PSC EXAM

2024

GA FOUNDATION

RECORDED BATCH

Apni Pathshala
एक कदम उज्जवल भविष्य की ओर

Subject

- HISTORY ,POLITY
- GEOGRAPHY
- ECONOMICS

Price

1499/-

Validity 1 Year

By Ankit Avasthi Sir

Apni Pathshala

LAUNCHING

BPSC
TEST SERIES

299/- ONE YEAR

- 50+ Mock Test
- 10+ Topic wise test
- 30+ PYQ's
- 65 + Current Affairs

Buy Now!

By Ankit Avasthi Sir

Apni Pathshala

LAUNCHING

TEST

RO/ARO

TEST SERIES

299/- ONE YEAR

- 30+ Mock Test
- 13+ Sectional test
- 8+ PYQ's
- 60 + Current Affairs

Buy Now!

By Ankit Avasthi Sir

Apni Pathshala

UP POLICE बनने का सपना होगा साकार !

NEW

LAUNCHING

Test Series

UP POLICE EXAM

FEATURES

- 20 Mock Test
- 21 Sectional Test
- 10 Practice Test
- 25+ Topic Wise Test
- 8+ PYQ's
- 65+ Current Affairs Test

BUY NOW!

99/- for ONE YEAR

By Ankit Avasthi Sir

GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

6 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

→ सिन्धु नदी का उद्गम कैलाश पर्वतीय क्षेत्र में बोखर चू हिमनद से होता है।
→ तिब्बत में इस नदी को सिंगी खंबान कहते हैं।
→ यह दमचोक नामक स्थान से भारत में प्रवेश करती है।
→ यह नदी भारत में लद्दाख तथा जास्कर श्रेणी के बीच बहती है।
→ पाकिस्तान में यह अटक (Attock) नामक स्थानों पर मैदानों में प्रवेश करती है।
→ पाकिस्तान में कराँची के पास डेल्टा बनाते हुए यह अरब सागर में गिरती है।
→ सिंधु नदी की दायें हाथ की प्रमुख सहायक नदियाँ :- श्योक, नुब्रा, हुनजा, गिलगिट, स्वात, काबुल तथा गोमल
→ इसकी प्रमुख बायें हाथ की सहायक नदियाँ झेलम, चिनाब, रावी, व्यास, सतलज, ट्रांस तथा जास्कर
पंचनद
→ सिंधु से पंचनद पाक में मिठानकोट नामक स्थान पर मिलती है।
→ 'लेह' सिंधु नदी के किनारे स्थित है।

पंचनद

i) झेलम :- इस नदी का उद्गम जम्मू कश्मीर में

बेरिनाग झील से होता है।
* यह नदी वुलर झील का निर्माण करती है जो भारत की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील है।
→ इस नदी के किनारे श्रीनगर स्थित है।
→ किशनगंगा इसकी दायें हाथ की प्रमुख सहायक नदी है।
→ इस नदी पर तुलबुल परियोजना प्रस्तावित है। यह एक नौवहन परियोजना है।
→ यह नदी भारत तथा पाकिस्तान के बीच अन्तर्राष्ट्रीय सीमा का निर्माण करती है।

ii) चिनाब :- चिनाब नदी का उद्गम हिमाचल प्रदेश में बारालाचा दर्रे के पास चन्द्र तथा भागा नदियों के मिलने (confluence) से होता है।
→ J & K में इस नदी पर जल विद्युत उत्पादन परियोजनाएँ स्थित हैं।
उदाहरण :- दुलहस्ती, सलाल, बगलिहार
→ यह सिंधु नदी की सबसे बड़ी सहायक नदी है।

iii) रावी :- रावी नदी का उद्गम रोहतांग दर्रे के पास से हिमाचल प्रदेश में होता है।
→ हिमाचल प्रदेश में इस नदी पर चमेरा बाँध स्थित है।
→ पंजाब में इस नदी पर थीन परियोजना स्थित है।

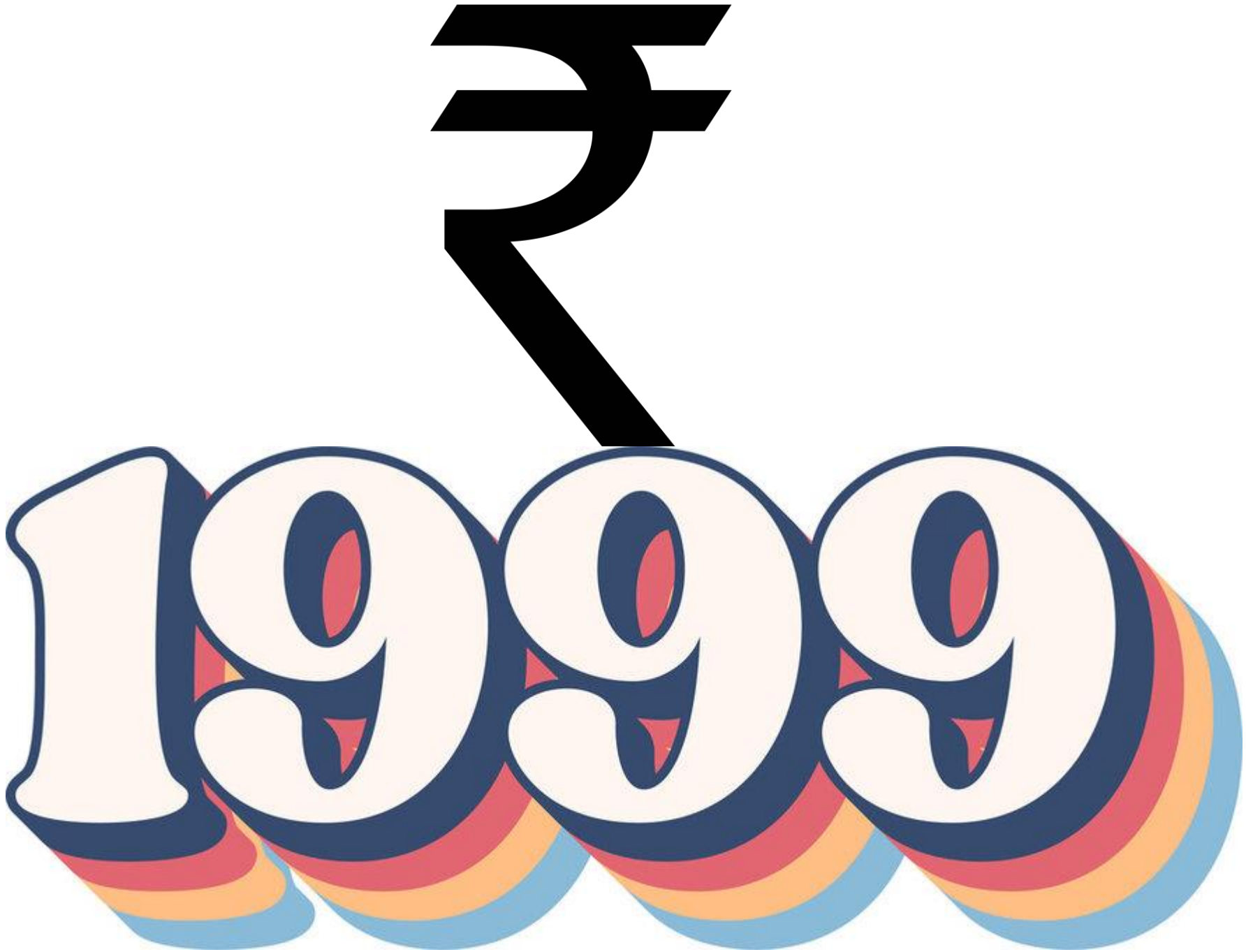
₹
1999

INDIAN ASTRONAUT
SHUBHANSHU SHUKLA
SELECTED FOR
NASA-ISRO
MISSION
TO ISS

Top stories

Shubhanshu Shukla selected for ISS mission >

The Hindu

India selects 2 crew members for Axiom-4 mission to International Space Station

1 day ago

NDTV

25 Years After Pokhran Sanctions, US Preps Red Carpet For ISRO Astrona…

5 hours ago

India Today

Touch the space with glory: IAF's message to pilots selected to go to Space…

1 day ago

The Financial Express

Boosting ISRO-NASA ISS Cooperation: Gaganyaan astronauts to ride aboard…

1 day ago

ThePrint

'Gaganyatri' Shubhanshu Shukla to fly to ISS on Axiom-4 mission, colleagu…

1 day ago

Touch the space with glory: IAF's message to pilots selected to go to Space Station

The Indian Air Force said two officers, Group Captain Shubhanshu Shukla and Group Captain Prasanth Balakrishnan Nair, were selected for the Axiom-4 mission to the International Space Station.

Listen to Story

Share

ADVERTISEMENT

- **प्राइम मिशन पायलट** : ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला
- **बैकअप मिशन पायलट** : ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर

भारत के गगनयान मिशन के लिए चुने गए ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और ग्रुप कैप्टन प्रशांत नायर को आधिकारिक तौर पर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष मिशन Axiom 4 के लिए अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) के लिए चुना गया है। इस अभियान में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने बताया कि ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला मुख्य अंतरिक्ष यात्री के रूप में काम करेंगे, जबकि ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर उनके बैकअप होंगे।.

प्रशिक्षण और मिशन विवरण "गगनयात्री" के नाम से जाने जाने वाले इस मिशन के लिए प्रशिक्षण अगस्त के पहले सप्ताह में शुरू होगा। मिशन के दौरान, चालक दल आईएसएस पर कई वैज्ञानिक अनुसंधान परियोजनाओं और प्रौद्योगिकी प्रदर्शन प्रयोगों को अंजाम देगा। वे अंतरिक्ष विज्ञान और अन्वेषण को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न अंतरिक्ष आउटरीच गतिविधियों में भी शामिल होंगे।

Rakesh Sharma was the first and only Indian to go to space. On 3 April 1984, he travelled to space onboard the Soviet rocket Soyuz T-11.

Rakesh-- our first spaceman
BAIKANOUR
The Times of India (1861-current); Apr 3, 1984; ProQuest Historical Newspapers: The Times of India
pg. 1

TOI

Rakesh—our first spaceman

BAIKANOUR, (USSR), April 2 (UNI).

INDIA takes to manned space flight tomorrow when the Soyuz T-11 lifts off from here with Squadron Leader Rakesh Sharma and two Soviet cosmonauts aboard for an eight-day space odyssey.

Rakesh Sharma will fly from here tomorrow evening with Yuri Malishev and Gennady Strekalov his Soviet escorts towards the Salyut seven orbital station for week-long experiments to explore Indian natural resources and see if yoga will help conquer space sickness.

The Soviet state space committee approved of the choice originally made by the government of India after receiving the final reports on the condition of the cosmonauts in the main and standby groups and the test results of the preparedness of the launcher rocket and of the launching pad.

Wing Commander Ravish Malhotra, who will remain a standby, immediately congratulated "Rakki" as Mr. Rakesh Sharma is popularly called, wished him a successful space voyage and said: "I will be there to receive you when you come down to earth again".

The countdown began yesterday and final preparations for the blastoff were under way at this cosmodrome in the desolate Kazakhstan steppes.

All systems will be given a final check tomorrow before the cosmonauts arrive at a specially equipped room in the assembly and test complex to undergo the last medical checkup and put on their pressure suits.

As the two-and-a-half-hour readiness countdown begins, the cosmonauts head for the awesome, sixteen-storey-high booster rocket due to blast off at 1838 hours IST.

On Thursday, the cosmonauts will link up with orbiting Salyut-7, which will be their home and laboratory for seven days some 300 km. out in space.

Meanwhile, preparations had been completed aboard the orbiting laboratory for studies under the programme of the joint Indo-Soviet mission, ground control reported.

The spacemen have prepared work and test facilities and checked the functioning of the scientific equipment intended for joint experiments.

The spaceflight will be yet another landmark in India's space programme which began with the launching of an equatorial rocket from Thumba on November 21, 1963.

The Indian cosmonaut will carry to Salyut 7 photographs of Mahatma Gandhi, Jawaharlal Nehru, the Prime Minister, Mrs. Indira Gandhi and the defence minister, Mr. R. Venkataraman, and a handful of earth from the Mahatma's samadhi at Rajghat.

During their mission, the cosmonauts will talk by satellite with Mrs. Gandhi and hold a news conference which will be relayed to correspondents in Moscow.

The Soyuz spacecraft will take the team up with a mean speed of eight km. per second. Weighing 6.8 tonnes, the seven-metre-long spacecraft consists of three modules—an orbital compartment, the descent module and an equipment compartment.

Salyut-7 is 15 metres long and 4.15 metres in diameter and has five modules.

Since its launching in April, 1982, the orbital station has received a number of Soviet teams.

Tomorrow's space launching which coincide with the 23rd anniversary of man's first space flight. It was in April 1961 that Col. Yuri Gagarin made the first-ever journey in space.

Mr. V. Arunachalam, director of the research and development wing

Sqn. Ldr. Rakesh Sharma

Continued on Page 9 Column 6

Reproduced with permission of the copyright owner. Further reproduction prohibited without permission.

एक्सिओम-4 मिशन चालक दल में कमांडर के रूप में नासा की अनुभवी अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन, पायलट के रूप में भारत के ग्रुप कैप्टन शुक्ला और पोलैंड से मिशन विशेषज्ञ स्लावोज़ उज़्नान्स्की और हंगरी से टिबोर कापू शामिल होंगे।

Indian Air Force
@IAF_MCC

After touching the sky with glory, it's time for the #IAF to touch space with glory. Group Captain Shubhanshu Shukla and Group Captain Prasanth Balakrishnan Nair are chosen for the upcoming Indo-US Axiom-4 mission to the ISS. The prime astronaut, Group Captain Shukla, is an experienced Test Pilot with 2000 hrs of flying.

#SpaceMission

A. Bharat Bhushan Babu and 9 others

8:59 AM · Aug 3, 2024 · **155.5K** Views

ISRO Spaceflight @ISROSpaceflight · Aug 3

Group Captain **Shubhanshu Shukla** has been picked as the Pilot of the Axiom-4 mission to the ISS!! 🇺🇸🚀

He will become the 2nd Indian citizen to go to space after Wg. Cmdr. Rakesh Sharma! 🇮🇳

Grp. Cpt. Prasanth Nair will be his backup. Axiom-4 is slated to launch in October. #ISRO

13 143 770 14K

PIB India
@PIB_India

Touchdown on Space! 🚀✨

Group Captain Shubhanshu Shukla and **Group Captain Prasanth Balakrishnan Nair** selected for the upcoming Indo-US Axiom-4 mission to the ISS🌌

The Mission will strengthen human space flight cooperation between @isro & @NASA , supporting India's Human Space Program 🇮🇳

Ministry of Information and Broadcasting and 4 others

6:15 PM · Aug 3, 2024 · **6,034** Views

AXIOM 4 MISSION

About Axiom-4 Mission:

- **Axiom Mission 4 (X-4) is a private space flight organized by Axiom Space.**
- **It aims to deliver a crew to the International Space Station (ISS) for a 14-day mission.**
- **This will be Axiom Space's fourth mission to the ISS, their previous missions (X-1, X-2 and X-3) were also of the same type.**
- **This mission will be launched using SpaceX's Falcon 9 rocket from Kennedy Space Center in Florida.**
- **The spacecraft for this mission is SpaceX Crew Dragon, which is known for its advanced technology and safety features.**
- **This mission is organized in collaboration with NASA, highlighting the strong partnership between private space companies and government space agencies to advance space exploration and research.**

- **The contract for the Ax-4 mission was signed between the NASA and Axiom Space in 2023. The mission is tentatively scheduled for no earlier than October.**
- **The mission is part of the US efforts to cultivate and sustain a private spacefaring and space infrastructure ecosystem that leads to a sustained American presence in space. As the world witnesses a new space age, the India-US collaboration is also increasing.**

Axiom Mission 4

Names	Ax-4
Mission type	Private spaceflight to the ISS
Operator	Axiom Space
Mission duration	14-21 days (planned)
Spacecraft properties	
Spacecraft type	Crew Dragon
Manufacturer	SpaceX
Crew	
Crew size	4
Members	Peggy Whitson Tibor Kapu Shubhanshu Shukla Sławosz Uznański
Start of mission	
Launch date	October 2024 (planned)
Rocket	Falcon 9 Block 5
Launch site	Kennedy Space Center, LC-39A
Contractor	SpaceX

Falcon 9
SPACEX

Kennedy Space Center
Kennedy
Space
Center
VISITOR COMPLEX

AXIOM
SPACE
NASA
इसरो
ISRO

Axiom Mission 1

Launch
April 08, 2022
11:17 AM ET

Splashdown
April 25, 2022
01:06 PM ET

Crew
Michael López-Alegría
Larry Connor
Mark Pathy
Eytan Stibbe

Axiom Mission 2

Launch
May 21, 2023
05:37 PM ET

Splashdown
May 30, 2023
11:04 PM ET

Crew
Peggy Whitson
John Shoffner
Ali Alqarni
Rayyanah Barnawi

Axiom Mission 3

Launch
January 18, 2024
04:49 PM ET

Splashdown
February 9. 2024
08:30 AM ET

Crew
Michael López-Alegría
Walter Villadei
Alper Gezeravcı
Marcus Wandt

Axiom-1 (Ax-1)

Date: April 8, 2022

Objective: First private mission to the ISS with four private astronauts.

Significance: Marked the beginning of commercial space travel to the ISS.

Axiom-2 (Ax-2)

Date: May 21, 2023

Objective: Continued private missions to the ISS with a mix of international astronauts.

Significance: Highlighted international collaboration and the growing role of private space travel.

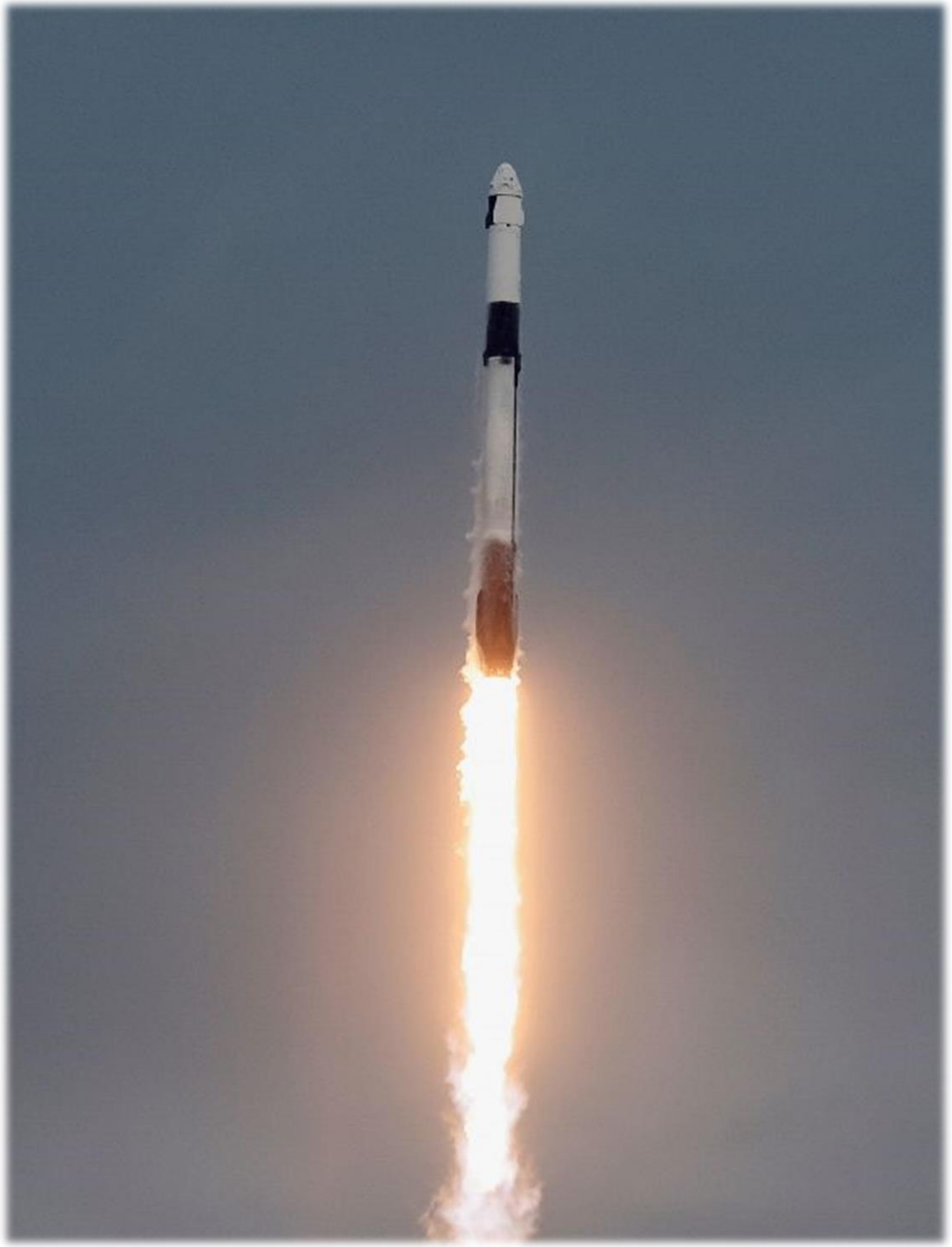

Axiom-3 (Ax-3)

Date: Planned for late 2023 or early 2024

Objective: Further private mission to the ISS, focusing on scientific experiments and expanding commercial space opportunities.

Significance: Builds on previous missions, advancing commercial spaceflight and international participation.

Mission Objectives:

Commercial Space Endeavours: Axiom-4 aims to facilitate commercial activities in space, including scientific research, technological development, and space tourism.

- The mission will help demonstrate the viability of commercial space stations as a platform for business and innovation.

International Collaboration: Axiom-4 is set to carry a diverse crew of astronauts from different countries, reflecting the growing international interest in space exploration.

- This mission will strengthen partnerships between nations and contribute to global space initiatives.

Research and Development: The mission will support various scientific experiments and technological tests in the unique microgravity environment of space.

- *Research areas include* materials science, biology, Earth observation, and more, with the potential to yield groundbreaking discoveries and innovations.

Axiom Mission की महत्ता (Significance of Axiom Mission):

1. मानव की उपस्थिति का विस्तार: यह मिशन लंबे समय के लक्ष्य की दिशा में योगदान करता है, जिसमें निम्न पृथ्वी कक्षा (LEO) और उसके परे स्थायी मानव उपस्थिति स्थापित करने की योजना है।

2. स्पेस पर्यटन का रास्ता तैयार करना: Axiom-4 एक महत्वपूर्ण कदम है, जो स्पेस यात्रा को और अधिक लोगों के लिए संभव बना सकता है। इससे स्पेस उद्योग के लिए नए बाजार खुल सकते हैं।

3. तकनीकी उन्नति: Axiom-4 द्वारा प्रयोग और नई तकनीकों का परीक्षण करने से कई क्षेत्रों में नवाचार और विकास को गति मिल सकती है।

4. वैश्विक सहयोग: यह मिशन अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देता है, जो वैश्विक समस्याओं के समाधान और मानव ज्ञान को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है।

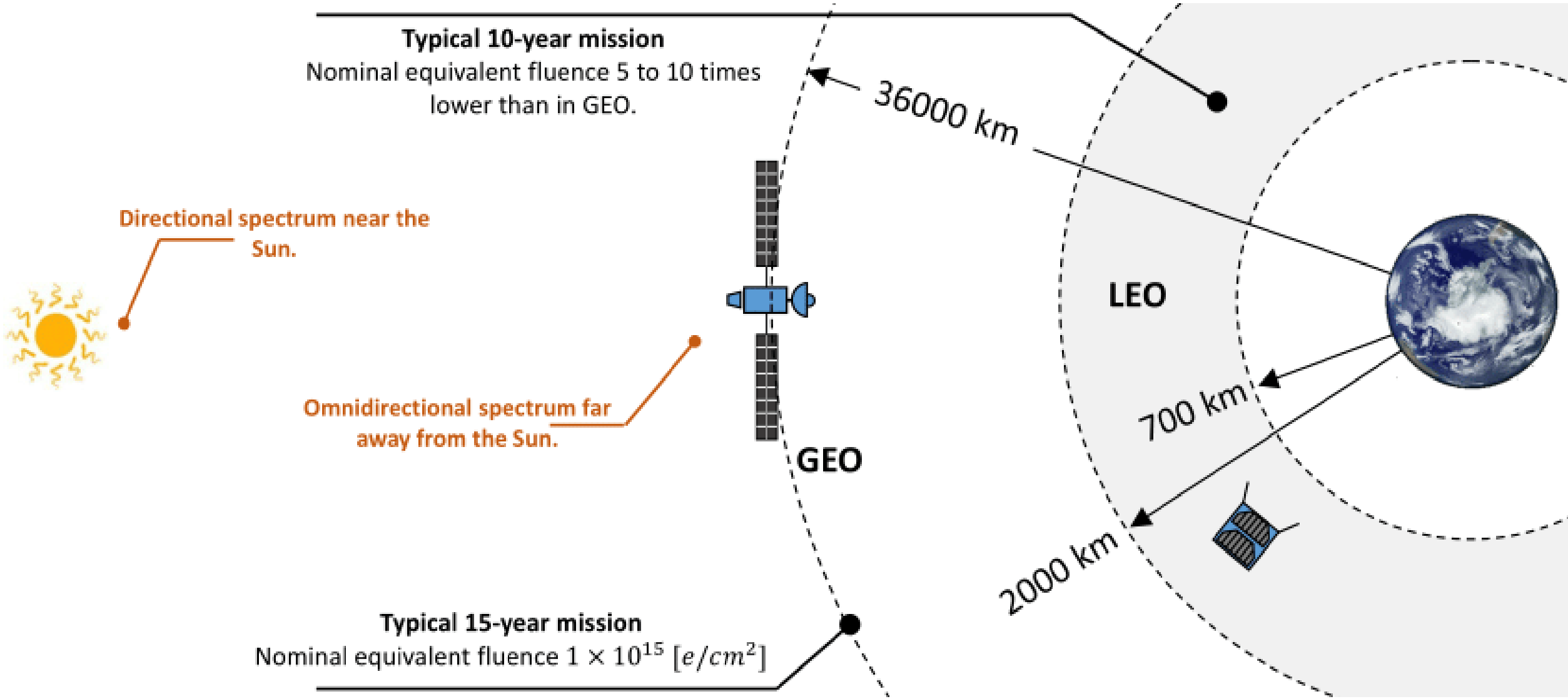
Typical 10-year mission
Nominal equivalent fluence 5 to 10 times lower than in GEO.
36000 km
Directional spectrum near the Sun.
LEO
Omnidirectional spectrum far away from the Sun.
700 km
GEO
2000 km
Typical 15-year mission
Nominal equivalent fluence 1×10^{15} $[e/cm^2]$

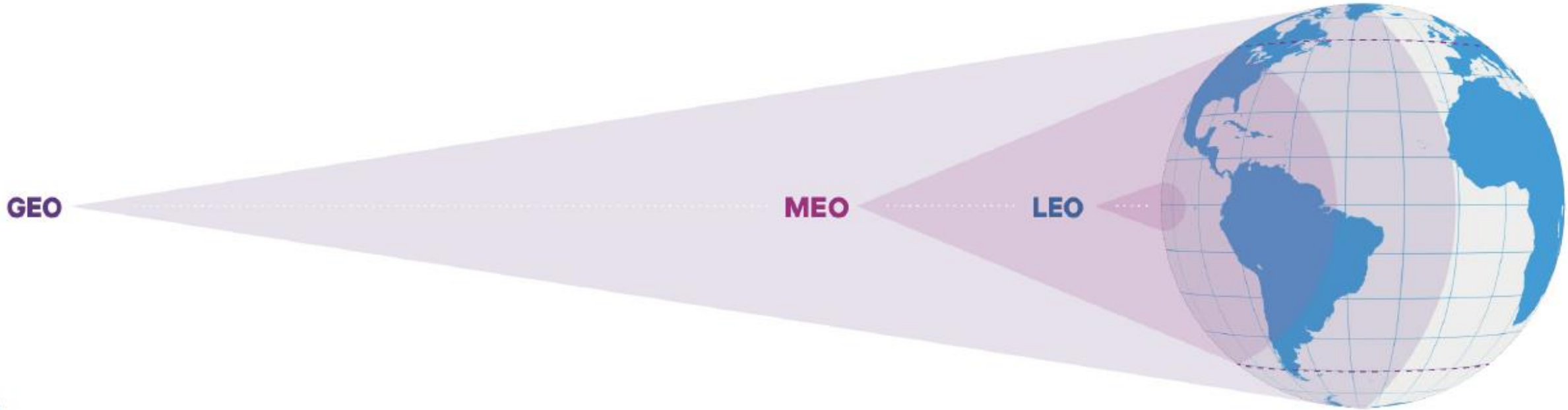

Figure 1: Schematic of orbital altitudes and coverage areas

5. भविष्य की पीढ़ियों को प्रेरित करना: Axiom-4 मानव स्पेसफ्लाइट की संभावनाओं को दिखाकर युवाओं को STEM क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए प्रेरित कर सकता है और भविष्य के स्पेस मिशनों में योगदान करने के लिए उत्साहित कर सकता है।

चार गगनयात्रियों में से शुभांशु का चयन:

ISRO ने कहा, '4 गगनयात्रियों में से नेशनल मिशन असाइनमेंट बोर्ड ने शुभांशु और प्रशांत का चयन किया है। इंडो यूएस स्पेस मिशन करार से भारत को अपने आगामी गगनयान मिशन को पूरा करने में मदद मिलेगी।'

ग्रुप कैप्टन शुभांशु और ग्रुप कैप्टन प्रशांत दोनों को अगस्त के पहले हफ्ते से अमेरिका में मिशन के लिए ट्रेनिंग दी जाएगी। स्पेस मिशन के दौरान चयनित गगनयात्री साइंटिफिक रिसर्च और तकनीकों का परीक्षण करेंगे। इसके अलावा वे स्पेस में आउटरीच एक्टिविटी में भी शामिल होंगे।

5 महीने पहले PM मोदी ने किया था इन 4 गगनयात्रियों के नाम का ऐलान किया था।

ATAP
SHUKLA

NG SIMULATOR
Y+
ANI

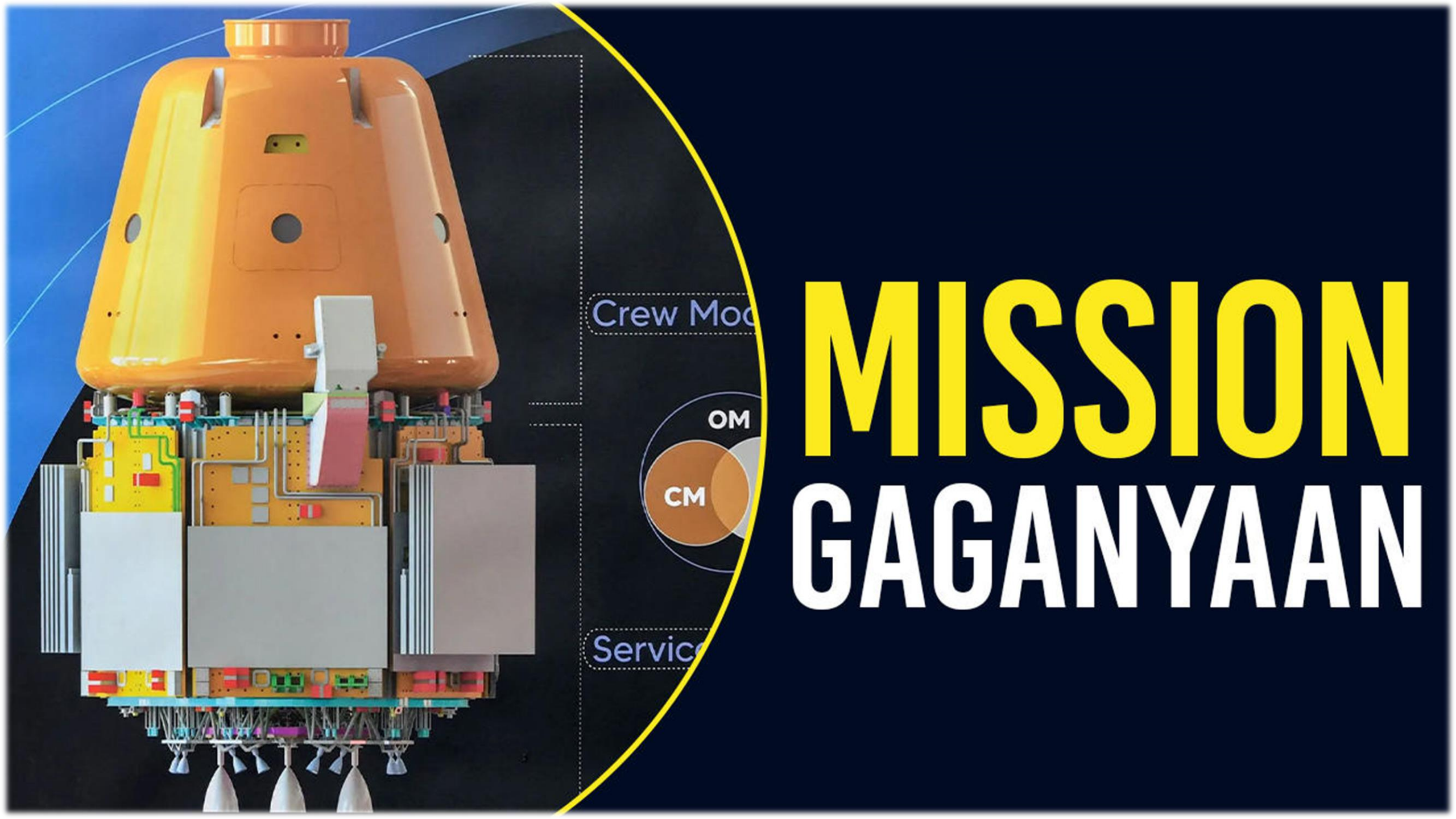

MISSION GAGANYAAN

भारत का गगनयान मिशन :

गगनयान मिशन भारत का एक महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष कार्यक्रम है, जिसे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) द्वारा विकसित किया जा रहा है। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी की कक्षा में भेजना और सुरक्षित रूप से वापस लाना है।

भारत के गगनयात्री और गगनयान मिशन के बारे में :

- इसरो ने 2007 में गगनयान मिशन की परिकल्पना की थी, जिसमें तीन दिवसीय मिशन के लिए भारतीयों को अंतरिक्ष में भेजना और उन्हें सफलतापूर्वक वापस लाना शामिल था।
- इस परियोजना को 2018 में 10,000 करोड़ रुपये के बजट के साथ लॉन्च किया गया था।
- इस मिशन के लिए *चार भारतीय वायु सेना पायलटों* का चयन किया गया और उन्हें रूस में प्रशिक्षण दिया गया।
- इस उद्देश्य के लिए इसरो द्वारा बेंगलुरू में एक अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण सुविधा स्थापित की गई है।
- *ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला, प्रशांत बालकृष्णन नायर, अजीत कृष्णन और अंगद प्रताप चार चयनित गगनयात्री हैं।*
- *इन चार गगनयात्रियों को फरवरी में इसरो के विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र में अंतरिक्ष यात्री पंख से सम्मानित किया गया था।*
- ये पायलट एयर फोर्स टेस्ट पायलट स्कूल से हैं, जो बेंगलुरु स्थित एयरक्राफ्ट एंड सिस्टम्स टेस्टिंग एस्टेब्लिशमेंट (एएसटीई) का हिस्सा है।

दैनिक भास्कर

गगनयान मिशन

LVM-3 रॉकेट के रीकॉन्फिगर वर्जन में जाएंगे एस्ट्रोनॉट

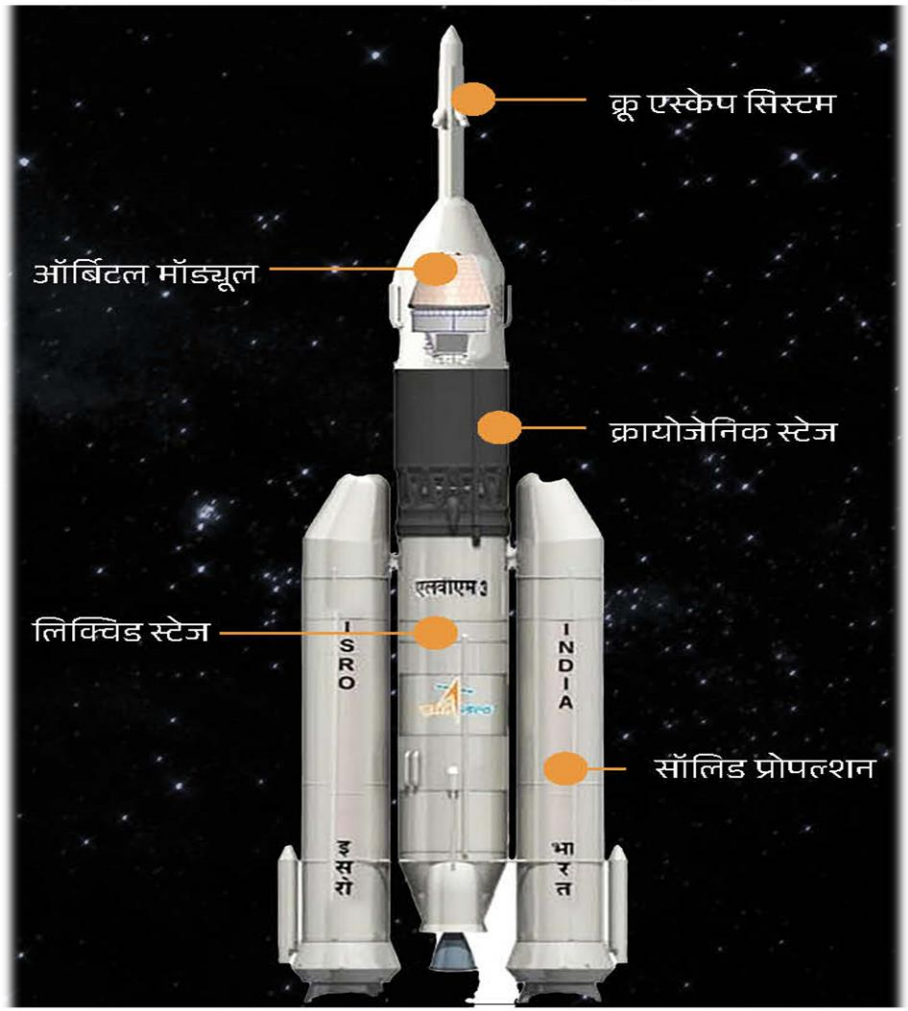

भारत के सबसे शक्तिशाली LVM3 लॉन्च व्हीकल को इस मिशन के लिए रीकॉन्फिगर किया गया है। ये तीन स्टेज वाला रॉकेट है। इस वर्जन को HLVM3 नाम दिया गया है। HLVM3 ऑर्बिटल मॉड्यूल को 400 किमी की पृथ्वी की निचली कक्षा में लॉन्च करने में सक्षम होगा।

Gaganyaan Mission

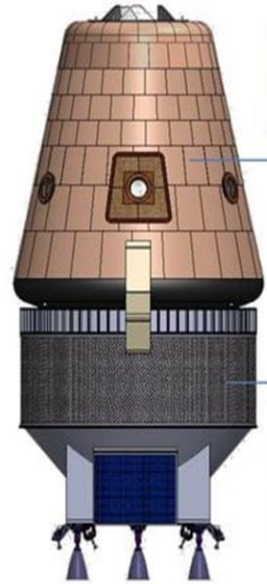

Crew Module: Habitat of Astronaut

Service Module: Does on-orbit servicing

Orbital Module
3 Astronauts; 7 days in space

Human Rated Launch Vehicle
(GSLV MKIII derived)

गगनयान मिशन की उड़ान

- भारत का पहला मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन है गगनयान।
- अंतरिक्ष यात्री 400 किमी की पृथ्वी की निचली कक्षा पर जाएंगे।
- मिशन में अंतरिक्ष यात्री तीन दिन तक अंतरिक्ष की सैर करेंगे।
- मिशन के लिए प्रशांत नायर, अजीत कृष्णन, अंगद प्रताप और शुभांशु शुक्ला को चुना गया है।

अमरउजाला
amarujala.com

GROUP CAPTAIN
PRASANTH
BALAKRISHNAN NAIR
GROUP CAPTAIN
AJIT
KRISHNAN
GROUP CAPTAIN
ANGAD
PRATAP
WING COMMANDER
SHUBHANSHU
SHUKLA

Different Phases of Gaganyaan Mission

Integrated Air Drop tests (IADT)

Test Vehicle Missions (TV)

Pad Abort Tests (PAT)

Unmanned flights

Manned flight

MANNED MISSION

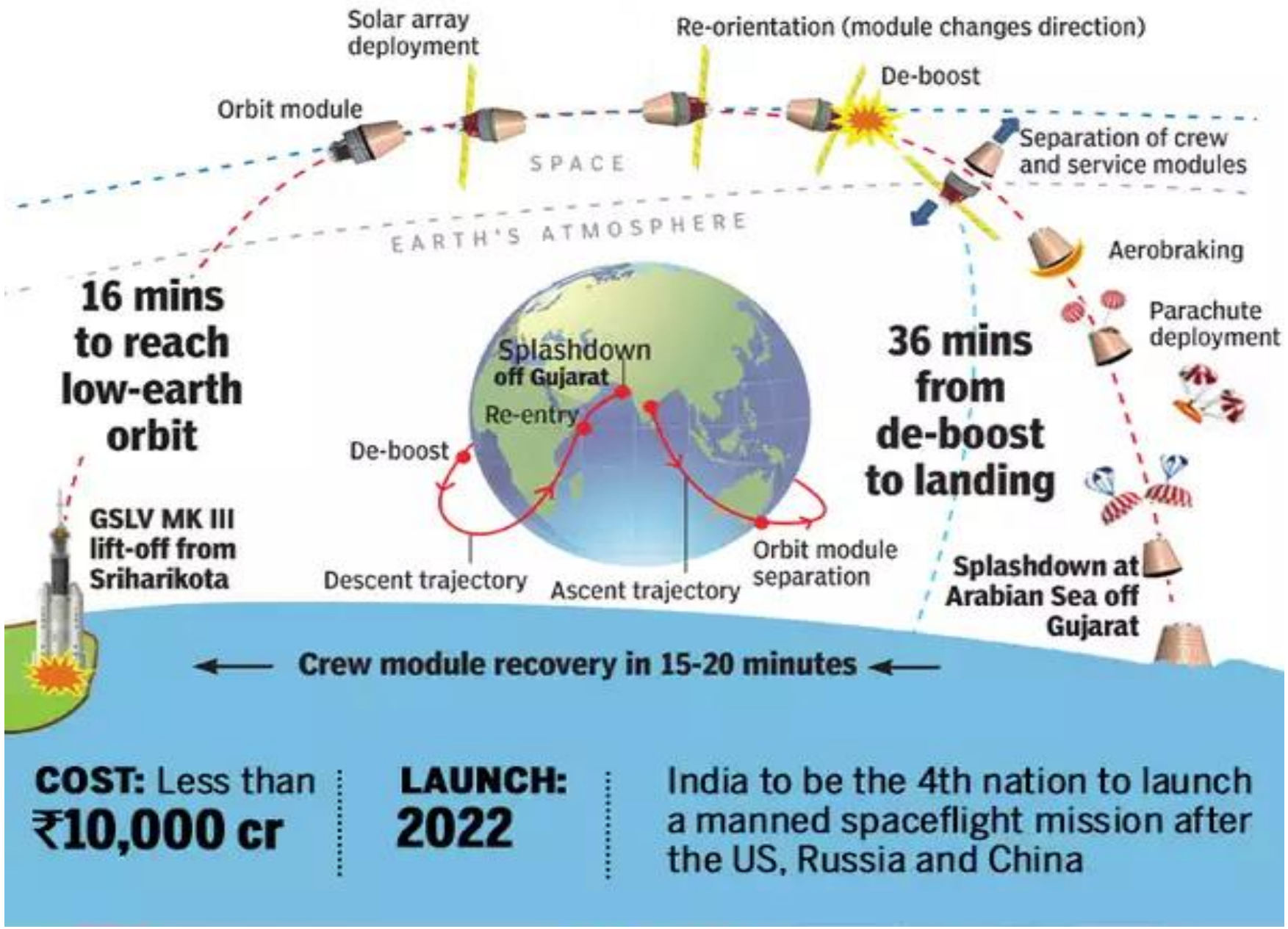

COST: Less than **₹10,000 cr**

LAUNCH: **2022**

India to be the 4th nation to launch a manned spaceflight mission after the US, Russia and China

Significance of the Gaganyan Mission

1. **To achieve future technological capability:** The success of the Gaganyaan project is expected to inspire further affordable human space programs to explore the solar system and beyond, sample return missions, and other scientific exploration.
2. **Potent foreign policy tool:** It will open doors for diplomatic collaborations with other spacefaring nations, paving the way for joint missions, knowledge exchange, and international cooperation in space exploration thereby strengthening international partnerships.

3. A unique opportunity to inspire Youth: Expected milestones of Gaganyaan will inspire students toward careers in science and technology towards challenging jobs that would encourage innovation and creativity particularly in the field of space science.

4. Scientific breakthrough: Scientific experiments in a microgravity environment facilitated by Gaganyaan can lead to groundbreaking discoveries in fields like medicine, material science, and biology.

5. Economic growth and employment generation: Gaganyaan mission can stimulate economic growth through the development of space-related industries, technology spin-offs, and job creation, contributing to India's overall development.

What is Gaganyaan's status?

ISRO has thus far completed the pad abort and the high-altitude abort tests, and has tested the crew escape system, among others.

In October 2023, Mr. Somanath told that the LVM-3 launch vehicle for the mission has virtually completed the process of being rated to carry humans. He added the crew module was still being developed and that it would have to be manufactured abroad.

He also said engineers were working on the capsule's Environmental Control and Life Support System and the overall Integrated Vehicle Health Management System: "Every day, there is some test happening."

The next major Gaganyaan milestones are a series of uncrewed suborbital and orbital test flights. The last of these is currently expected to happen in mid-2025, although the date could slip further.

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS)

- अंतरिक्ष स्टेशन एक प्रकार का अंतरिक्ष यान है जो पृथ्वी की परिक्रमा करता है और जहाँ अंतरिक्ष यात्री वैज्ञानिक अनुसंधान उद्देश्यों के लिए लंबे समय तक रह सकते हैं।
- वर्तमान में, दो पूरी तरह कार्यात्मक मानवयुक्त अंतरिक्ष स्टेशन पृथ्वी की परिक्रमा करते हैं: अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन और चीनी तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन।
- अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन 1998 में लॉन्च किया गया था। यह यूरोप, संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, कनाडा और जापान की एक सहकारी परियोजना है।
- रूस ने घोषणा की है कि वह 2024 के अंत तक अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन परियोजना से हट जाएगा।
- अंतरिक्ष यात्री विभिन्न शोध परियोजनाओं का संचालन करने के लिए ISS का उपयोग करते हैं, जो पृथ्वी से लगभग 400 किमी (250 मील) ऊपर है।

- The ISS orbits Earth every 90 minutes at 8 km per second.
- Spanning 109 meters, it's almost as long as an American football field.
- The ISS includes 6 sleeping areas, 2 bathrooms, a gym, and a panoramic view bay window.
- The ISS's journey began on November 20, 1998, with Russia's Zarya Control Module.
- The US added the Unity Node 1 module on December 4, 1998, marking the start of a functional space lab.
- The station evolved into its current form after 42 assembly flights.

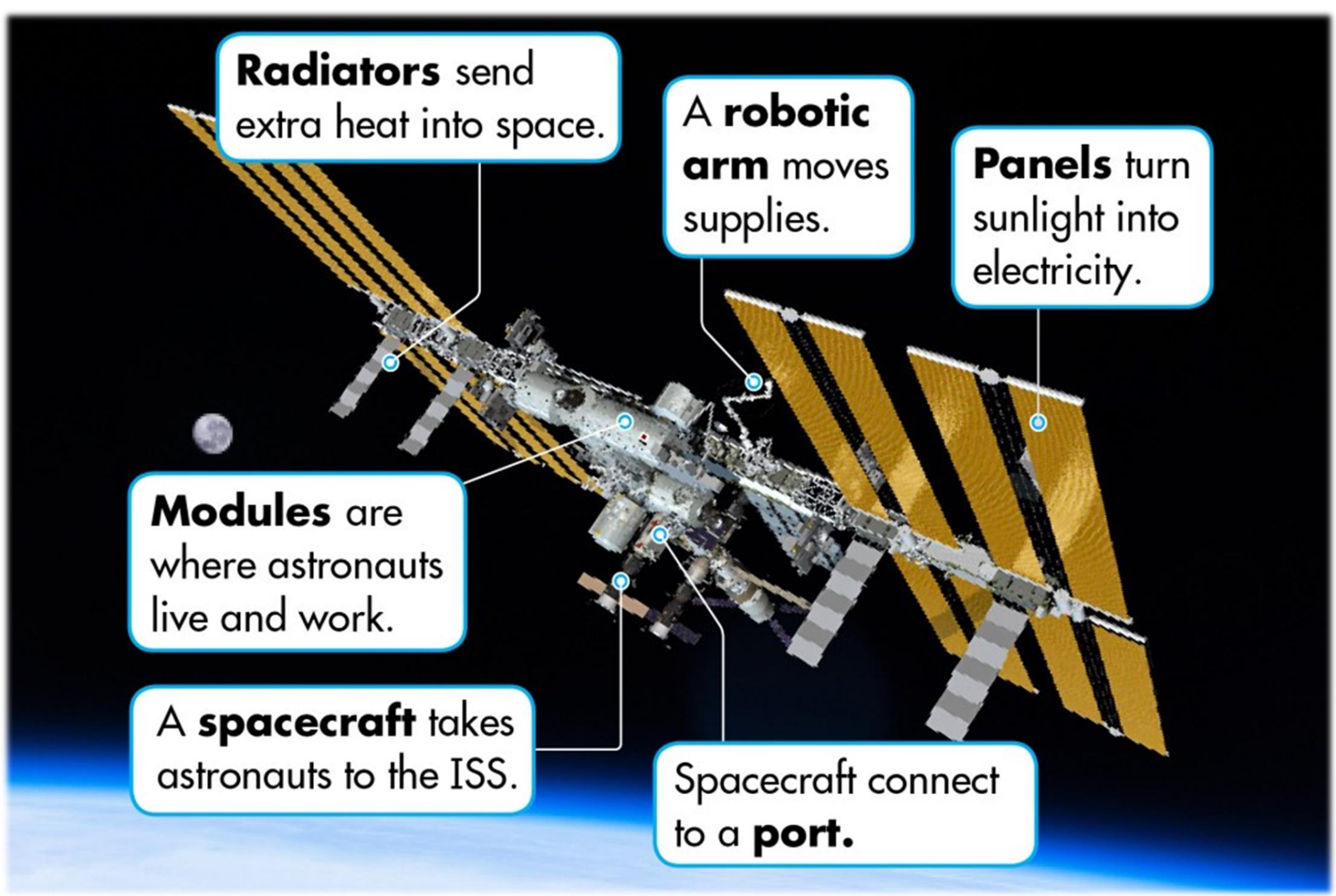
Radiators send extra heat into space.
A **robotic arm** moves supplies.
Panels turn sunlight into electricity.
Modules are where astronauts live and work.
A **spacecraft** takes astronauts to the ISS.
Spacecraft connect to a **port.**

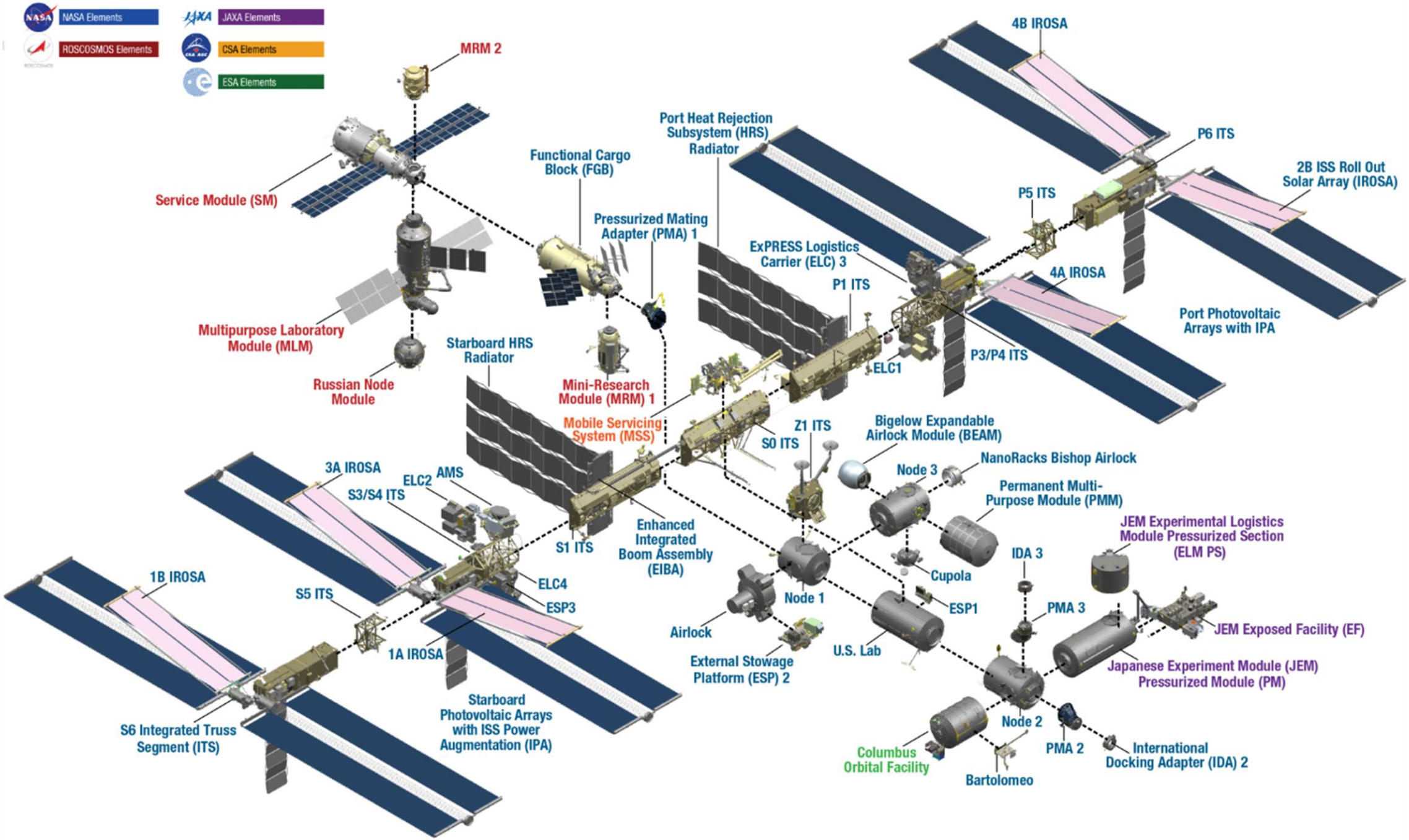
NASA Elements
ROSCOSMOS Elements
JAXA Elements
CSA Elements
ESA Elements
MRM 2
Service Module (SM)
Functional Cargo Block (FGB)
Port Heat Rejection Subsystem (HRS) Radiator
Pressurized Mating Adapter (PMA) 1
4B IROSA
P6 ITS
2B ISS Roll Out Solar Array (IROSA)
P5 ITS
ExPRESS Logistics Carrier (ELC) 3
P1 ITS
4A IROSA
Port Photovoltaic Arrays with IPA
Multipurpose Laboratory Module (MLM)
Starboard HRS Radiator
Russian Node Module
Mini-Research Module (MRM) 1
ELC1
P3/P4 ITS
Mobile Servicing System (MSS)
S0 ITS
Z1 ITS
Bigelow Expandable Airlock Module (BEAM)
NanoRacks Bishop Airlock
Node 3
Permanent Multi-Purpose Module (PMM)
3A IROSA
ELC2
AMS
S3/S4 ITS
Enhanced Integrated Boom Assembly (EIBA)
S1 ITS
JEM Experimental Logistics Module Pressurized Section (ELM PS)
IDA 3
Cupola
1B IROSA
S5 ITS
ELC4
ESP3
Node 1
ESP1
PMA 3
JEM Exposed Facility (EF)
Airlock
U.S. Lab
1A IROSA
External Stowage Platform (ESP) 2
Japanese Experiment Module (JEM) Pressurized Module (PM)
Starboard Photovoltaic Arrays with ISS Power Augmentation (IPA)
Node 2
S6 Integrated Truss Segment (ITS)
PMA 2
International Docking Adapter (IDA) 2
Columbus Orbital Facility
Bartolomeo

ISRO aims to establish space station:

- India is gearing up to strengthen its space presence, the ISRO aims to establish the country's first space station by 2035.
- ISRO aims to build a 20-ton space station within a decade to support microgravity experiments.

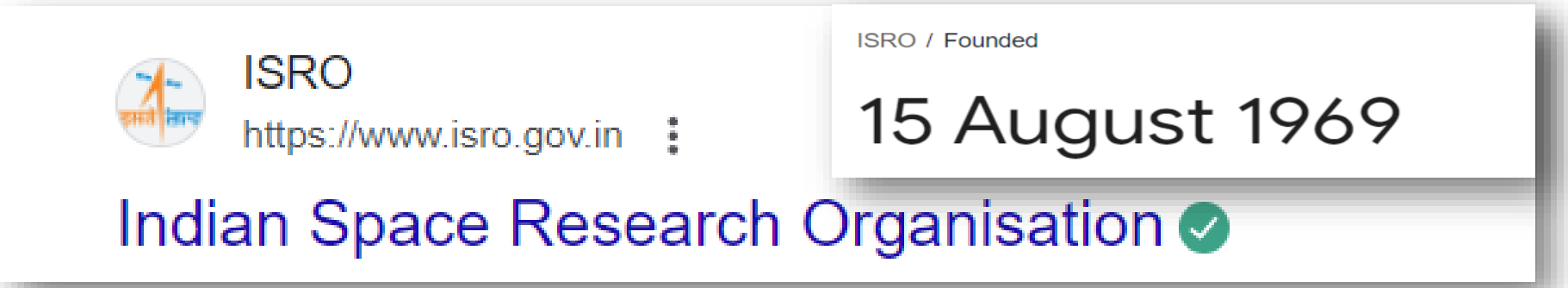

Purpose and Functions

1. Scientific Research: Provides a unique microgravity environment for experiments in biology, physics, astronomy, and other fields.

2. International Collaboration: Demonstrates successful cooperation between space agencies and countries, fostering international scientific and technological partnerships.

3. Technology Testing: Tests technologies and systems needed for future space missions, including those to the Moon and Mars.

4. Crewed Missions: Hosts astronauts who live and work in space, conducting research and performing maintenance.

Milestones:

1. Permanent Presence: Since November 2000, the ISS has had a continuous human presence.

2. International Participation: In addition to astronauts from the partner agencies, the ISS has hosted space tourists and private astronauts through missions like those organized by Axiom Space.

3. Scientific Achievements: The ISS has contributed to advancements in space medicine, material science, and space technology.

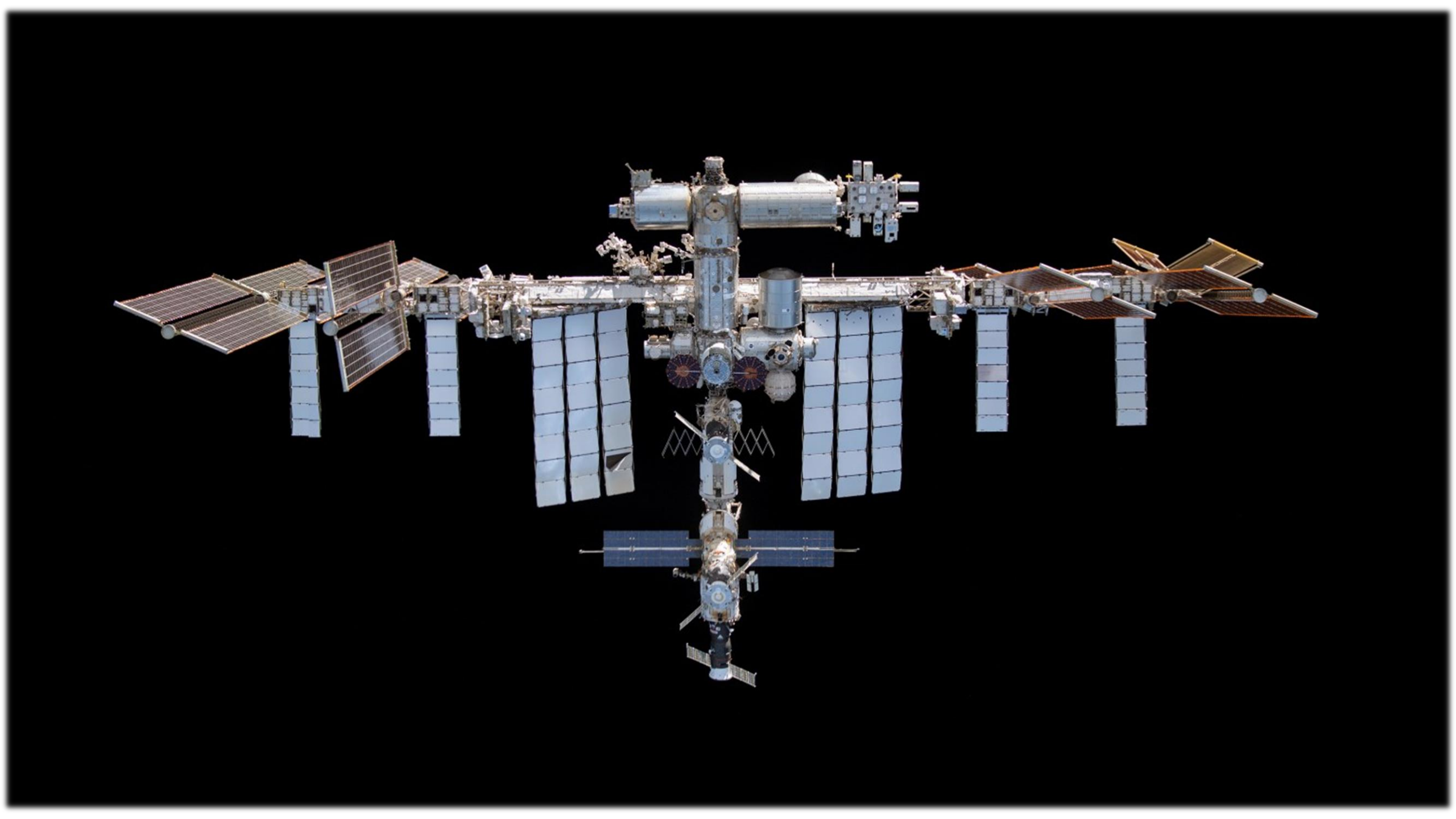

सुखोई और मिग जैसे फाइटर प्लेन उड़ा चुके हैं कैप्टन शुभांशु शुक्ला-

कैप्टन शुभांशु शुक्ला की उम्र 38 साल है। वे एक फाइटर पायलट और कॉम्बेट लीडर हैं। उनके पास 2000 घंटे से ज्यादा की उड़ान का अनुभव है। उन्होंने अब तक सुखोई-30MKI, मिग-21, मिग-29, जगुआर, हॉक, डॉर्नियर और एएन-32 जैसे विमानों को उड़ाया है।

शुभांशु का जन्म 10 अक्टूबर 1985 को उत्तर प्रदेश के लखनऊ में हुआ था। शुभांशु, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (NDA) के पूर्व छात्र भी हैं। उन्हें 17 जून 2006 के भारतीय वायुसेना की लड़ाकू स्ट्रीम में कमीशंड किया गया था।

कैप्टन प्रशांत नायर गगनयात्रियों में सबसे उम्रदराज:

कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर चार गगनयात्रियों में से सबसे उम्रदराज (47 साल) हैं। प्रशांत भी NDA के पूर्व छात्र रह चुके हैं। उन्हें एयरफोर्स एकेडमी में सोर्ड ऑफ ऑनर भी मिला था। प्रशांत का जन्म 26 अगस्त 1976 को केरल के तिरूवजियाड में हुआ था। उन्हें 19 दिसंबर 1998 को भारतीय वायुसेना की फाइटर स्ट्रीम में कमीशन दिया गया था।

ग्रुप कैप्टन नायर एक क्लास-ए के फ्लाइट ट्रेनर हैं। उनके पास 3000 घंटे से ज्यादा की उड़ान का अनुभव है। उन्होंने सुखोई-30MKI, मिग-21, मिग-29, हॉक, डोर्नियर और An-32 एयरक्राफ्ट भी उड़ाए हैं।

प्रशांत ने सुखोई-30MKI स्क्वॉड्रन की कमान संभाली है। वे अमेरिका के स्टॉफ कॉलेज के पूर्व छात्र भी रह चुके हैं। इसके अलावा वे डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज, वेलिंग्टन और फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर्स स्कूल, तांबरम में डायरेक्टिंग स्टाफ भी हैं।

GOOD NEWS!

NCERT
NCERT
LIMITED OFFER
REGISTRATION START
Pathshala
FOUNDATION BATCH
2
OFFER
FEE
4999 Rs
शुरु होने जा रही है
WORLD MAPPING
(1-10 August)
FOR UPSC & VARIOUS STATE PSC EXAM
BY ANKIT AVASTHI SIR

NCERT
NCERT
FOUNDATION BATCH
REOPEN
OFFER FEE
4999 Rs
LIMITED OFFER
REGISTRATION START
Pathshala
1.SUBJECTS TO BE TAUGHT (NCERTS FROM CLASS 6TH-12TH)
2.SUBJECTS: GEOGRAPHY, POLITY, HISTORY, INDIAN ECONOMY,
3. LIVE LECTURES DELIVERED IN HINGLISH LANGUAGE BY ANKIT AVASTHI SIR.
4.SPECIAL EMPHASIS ON CONCEPTUAL CLARITY IN CLASSES.
5.ALIGNMENT WITH UPSC AND STATE PSC PATTERN:
6.UNIT WISE WEEKLY TESTS THROUGH UNIQUE WORK BOOK STYLE
BY ANKIT AVASTHI SIR
FOR UPSC & VARIOUS STATE PSC EXAM

2024

GA FOUNDATION

RECORDED BATCH

Apni Pathshala
एक कदम उज्जवल भविष्य की ओर

Subject

- HISTORY ,POLITY
- GEOGRAPHY
- ECONOMICS

Price

1499/-

Validity 1 Year

By Ankit Avasthi Sir

UPPSC
RO ARO

सत्यमेव जयते

Bihar Public Service Commission

Apni Pathshala

LAUNCHING

TEST

BIHAR PSC

TEST SERIES

299/- ONE YEAR

475 POST

By Ankit Avasthi Sir

BIHAR PSC
TEST SERIES

299/- ONE YEAR

Why ?

- Exam-centric Robust Quality Content
- Increase Selection Chances by 16X
- Performance Analysis with State & All India Rank
- Most Relevant Exam Questions

By Ankit Avasthi Sir

BIHAR PSC

TEST SERIES

299/- ONE YEAR

Features

- 50+ Mock Test
- 10+ Topic wise test
- 30+ PYQ's
- 65 + Current Affairs

By Ankit Avasthi Sir

₹ PRICE

TEST

BIHAR PSC

TEST SERIES

Buy Now!

299/-

One Year

By Ankit Avasthi Sir

HOW TO BUY

Step 1

Open the website
apnipathshala.com

Step 2

Click on
Navigation Bar

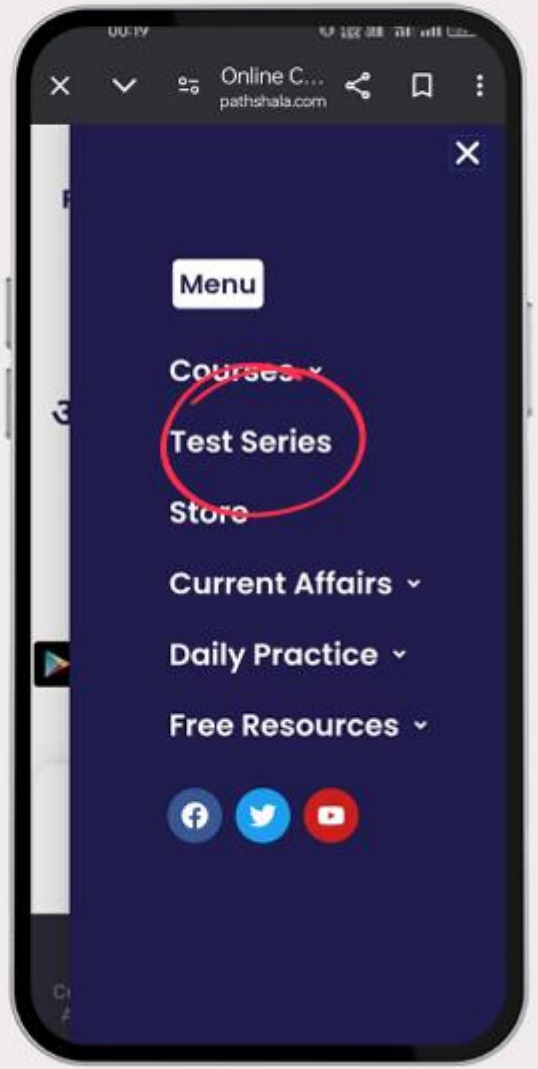

Step 3

Click on
Explore Now

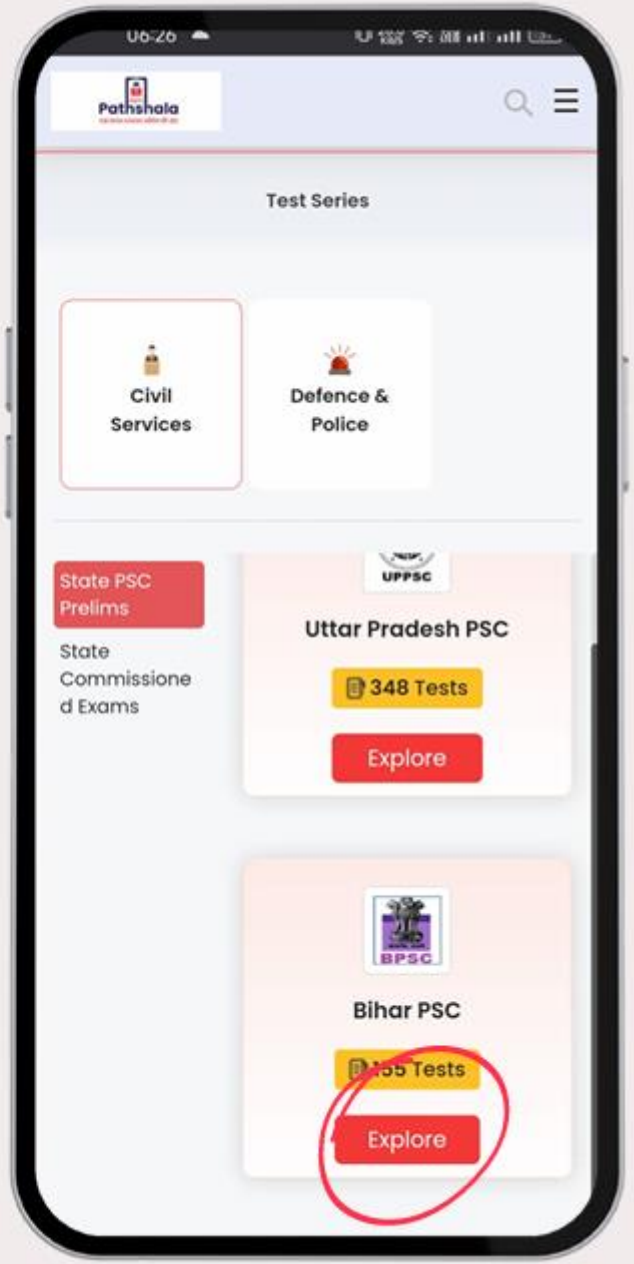

Step 4

Scroll
Down

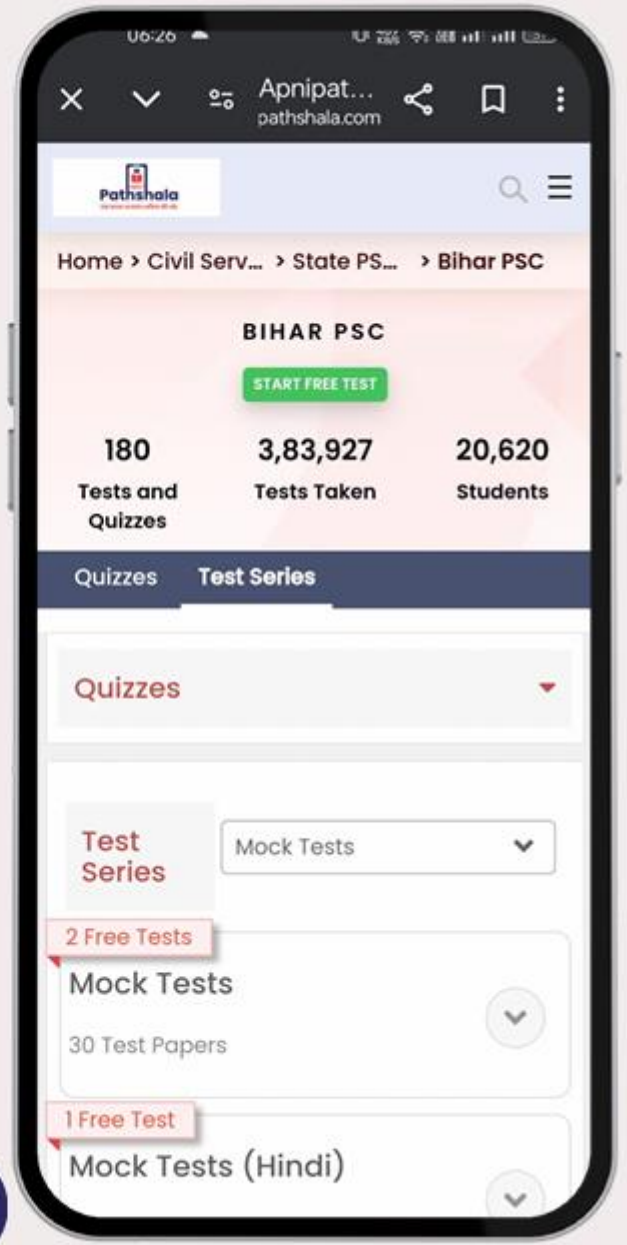

Step 5

Click on
Explore Now

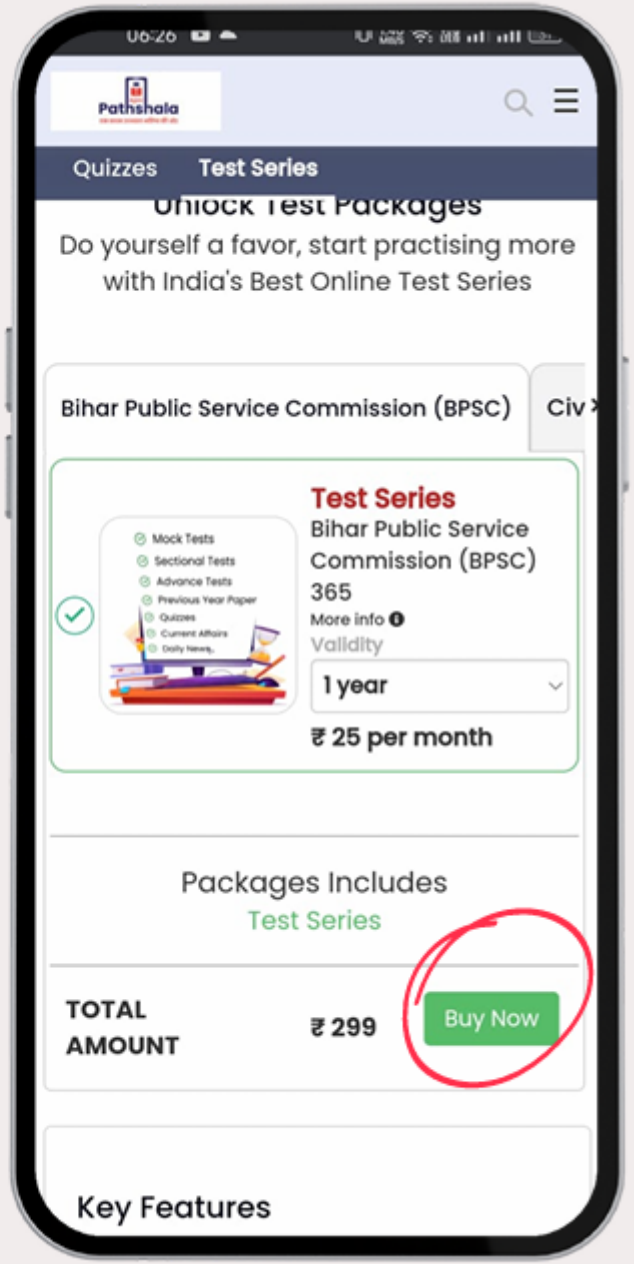

Step 6

Fill the details
Pay Now!

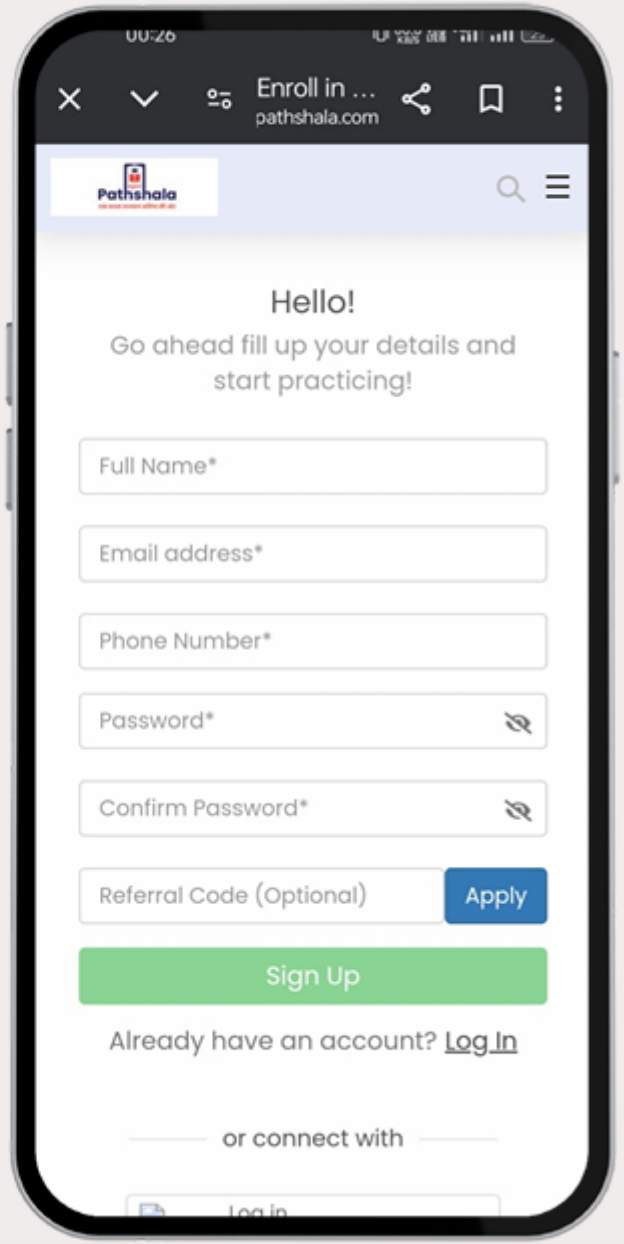

Apni Pathshala

LAUNCHING

BPSC
TEST SERIES

299/- ONE YEAR

- 50+ Mock Test
- 10+ Topic wise test
- 30+ PYQ's
- 65 + Current Affairs

Buy Now!

By Ankit Avasthi Sir

Apni Pathshala

LAUNCHING

TEST

RO/ARO

TEST SERIES

299/- ONE YEAR

- 30+ Mock Test
- 13+ Sectional test
- 8+ PYQ's
- 60 + Current Affairs

Buy Now!

By Ankit Avasthi Sir

Apni Pathshala

UP POLICE बनने का सपना होगा साकार !

Test Series

UP POLICE EXAM

PRICE 99/- One Year

VACANCY: 60,244
EXAM. DATE : 23RD AUGUST
24TH AUGUST, 25TH AUGUST,
30TH AUGUST, 31ST AUGUST

By Ankit Avasthi Sir

Apni Pathshala

UP POLICE बनने का सपना होगा साकार !

NEW

LAUNCHING

Test Series

UP POLICE EXAM

FEATURES

- 20 Mock Test
- 21 Sectional Test
- 10 Practice Test
- 25+ Topic Wise Test
- 8+ PYQ's
- 65+ Current Affairs Test

BUY NOW!

99/- for ONE YEAR

By Ankit Avasthi Sir

GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

6 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

→ सिन्धु नदी का उद्गम कैलाश पर्वतीय क्षेत्र में बोखर चू हिमनद से होता है।

→ तिब्बत में इस नदी को सिंगी खंबान कहते हैं।

→ यह दमचोक नामक स्थान से भारत में प्रवेश करती है।

→ यह नदी भारत में लद्दाख तथा जास्कर श्रेणी के बीच बहती है।

→ पाकिस्तान में यह अटक (Attock) नामक स्थानों पर मैदानों में प्रवेश करती है।

→ पाकिस्तान में कराँची के पास डेल्टा बनाते हुए यह अरब सागर में गिरती है।

→ सिंधु नदी की दायें हाथ की प्रमुख सहायक नदियाँ :- श्योक, नुब्रा, हुनजा, गिलगिट, स्वात, काबुल तथा गोमल

→ इसकी प्रमुख बायें हाथ की सहायक नदियाँ झेलम, चिनाब, रावी, व्यास, सतलज, ट्रांस तथा जास्कर
पंचनद

→ सिंधु से पचंनद पाक में मिठानकोट नामक स्थान पर मिलती है।

→ 'लेह' सिंधु नदी के किनारे स्थित है।

पंचनद

i) झेलम :- इस नदी का उद्गम जम्मू कश्मीर में

बेरिनाग झील से होता है।

* यह नदी वूलर झील का निर्माण करती है जो भारत की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील है।

→ इस नदी के किनारे श्रीनगर स्थित है।

→ किशनगंगा इसकी दायें हाथ की प्रमुख सहायक नदी है।

→ इस नदी पर तुलबुल परियोजना प्रस्तावित है। यह एक नौविहन परियोजना है।

→ यह नदी भारत तथा पाकिस्तान के बीच अन्तर्राष्ट्रीय सीमा का निर्माण करती है।

ii) चिनाब :- चिनाब नदी का उद्गम हिमाचल प्रदेश में बारालाचा दर्रे के पास चन्द्र तथा भागा नदियों के मिलने (confluence) से होता है।

→ J & K में इस नदी पर जल विद्युत उत्पादन परियोजनाएँ स्थित है।

उदाहरण :- दुलहस्ती, सलाल, बगलिहार

→ यह सिंधु नदी की सबसे बड़ी सहायक नदी है।

iii) रावी :- रावी नदी का उद्गम रोहतांग दर्रे के पास से हिमाचल प्रदेश में होता है।

→ हिमाचल प्रदेश में इस नदी पर चमेरा बाँध स्थित है।

→ पंजाब में इस नदी पर थीन परियोजना स्थित है।

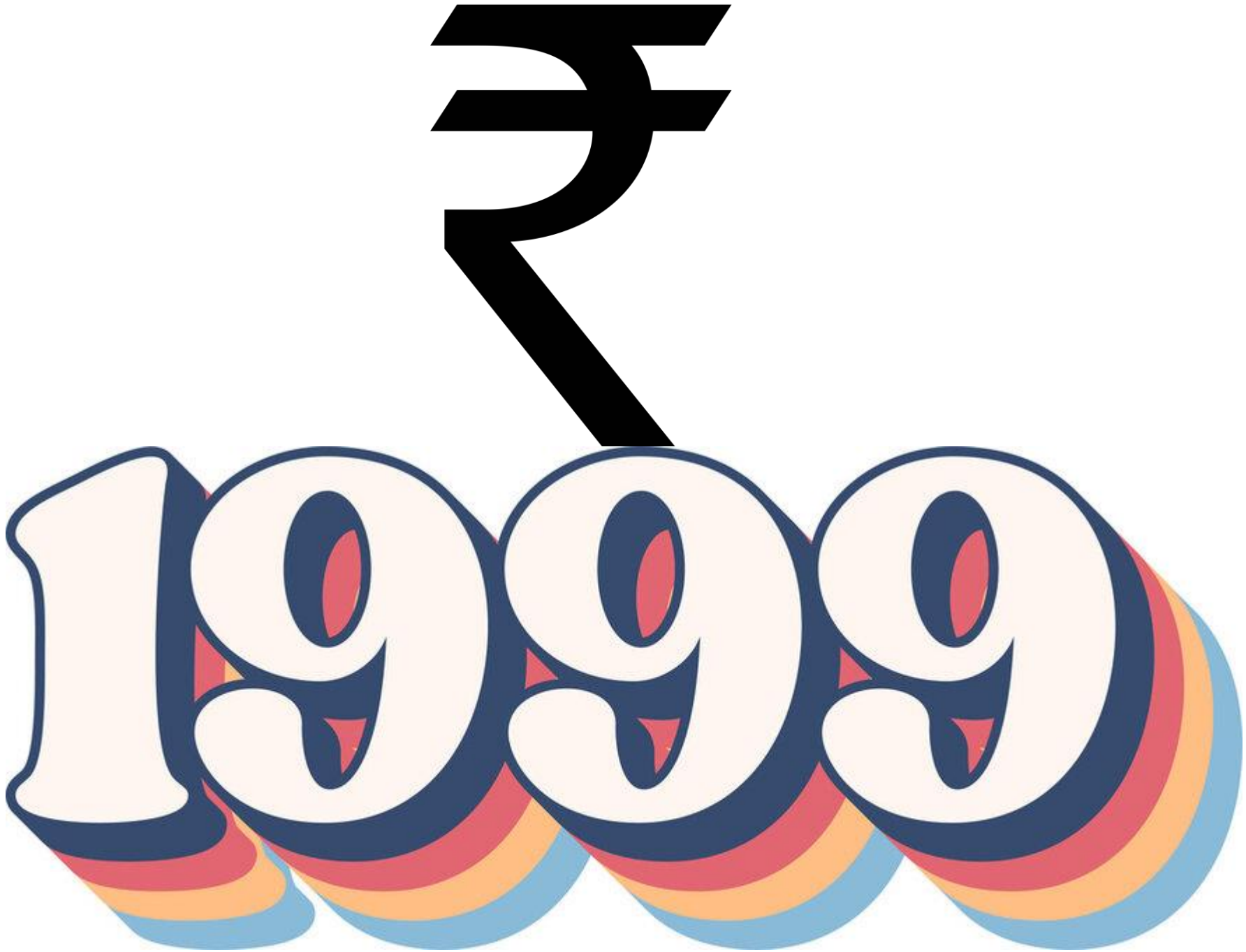
₹
1999

visit Our Website :-

WWW. apnipathshala.com

1) BPSC Courses
2) RPSC Courses
3) UPPSC Courses
4) RNA And Class Pdf
5) video lecture
6) Daily Current Affairs
7) Inforgraphic
8) Test series , Quiz

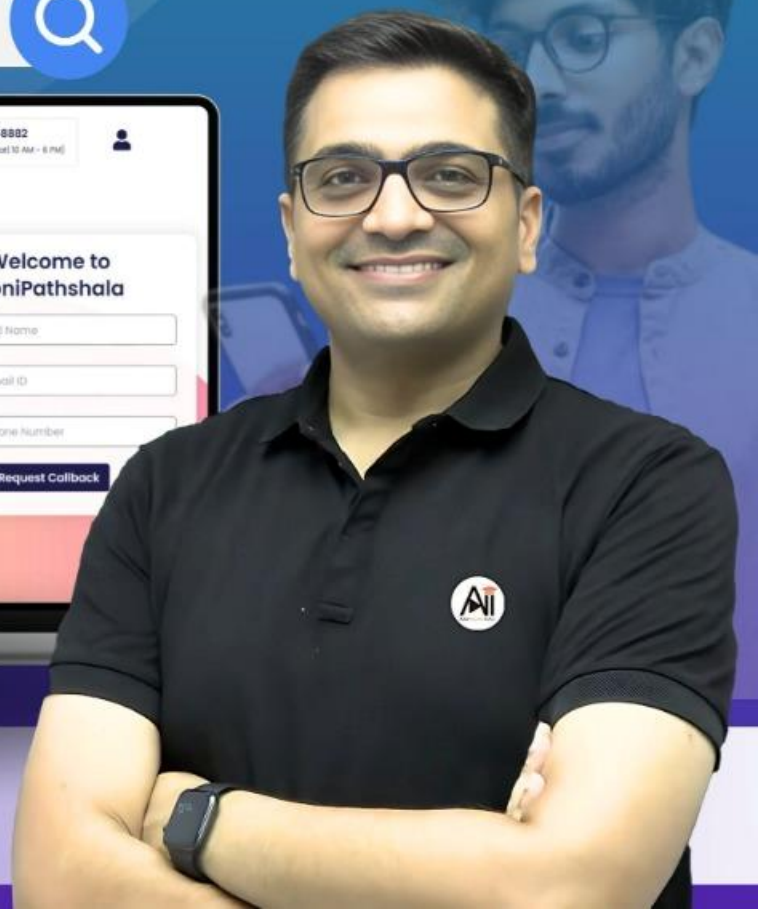

अब तैयारी हुई और आसान

CALL CENTRE

HOW MAY I HELP YOU

7878158882

AnkitInspiresIndia

Download "Apni Pathshsla" app now!

Follow us: